@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
गुरुवार, 19 फरवरी 2026

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक – गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 106 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

एआई समिट: 2.5 लाख से अधिक एआई जिम्मेदारी संकल्पों के साथ भारत ने बनाया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

'प्रधानमंत्री ने यह प्रेरणा दी कि एआई का उपयोग समाज के हित में किया जाए'

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को घोषणा की कि भारत ने '24 घंटे में एआई जिम्मेदारी अभियान के लिए सबसे अधिक संकल्प प्राप्त करने' का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड हासिल किया है। आधिकारिक बयान के अनुसार, भारत ने 16-17 फरवरी 2026 के 24 घंटे की अवधि में कुल 2,50,946 वैध संकल्प प्राप्त कर यह खिताब अपने नाम किया। आईटी मंत्रालय के एक बयान में कहा गया कि यह देशव्यापी 'एआई रिस्पॉन्सिबिलिटी प्लेज (एआई जिम्मेदारी संकल्प)' अभियान 16 फरवरी को इंडिया एआई मिशन के तहत इंटेल इंडिया के सहयोग से शुरू किया गया था, जिसके तहत नागरिकों को एआईप्लेज.इंडियाएआई.गव.इन पोर्टल के माध्यम से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के नैतिक, समावेशी और जिम्मेदार उपयोग का संकल्प लेने के लिए आमंत्रित किया गया।

इस उपलब्धि की घोषणा भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' के दौरान की गई, जहां गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के निर्णायक ने आधिकारिक रूप से इस रिकॉर्ड की पुष्टि की। इस पहल के तहत प्रतिभागियों को डेटा गोपनीयता, जवाबदेही, पारदर्शिता और गलत सूचना से निपटने जैसे महत्वपूर्ण सिद्धांतों पर विचार करने के लिए प्रेरित किया गया। संकल्प पूरा करने वाले प्रतिभागियों को डिजिटल बैज और एआई लर्निंग पाथवे तक पहुंच प्रदान की गई। वैष्णव ने कहा, 'यही वह दिशा है जिसमें देश को आगे बढ़ना चाहिए - एक ऐसे भविष्य की ओर जहां एआई को जिम्मेदारी के साथ अपनाया जाए।' उन्होंने युवाओं को एआई के नैतिक और जिम्मेदार उपयोग के लिए प्रेरित करने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इसका श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने यह प्रेरणा दी कि एआई का उपयोग समाज के हित में किया जाए, ताकि यह तकनीक लोगों के जीवन को बेहतर बनाए और जिम्मेदारी से इस्तेमाल हो। मंत्री ने कहा कि इस अभियान में रिकॉर्ड तोड़ भागीदारी हुई, जो शुरुआती 5,000 संकल्पों के लक्ष्य से कहीं अधिक है। यह जिम्मेदार एआई अपनाने को लेकर जनता की जागरूकता और सहभागिता को दर्शाता है।'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' में विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्ष, मंत्री, वैश्विक तकनीकी नेता, प्रमुख शोधकर्ता, बहुपक्षीय संस्थाएं और उद्योग जगत के प्रतिनिधि शामिल हुए हैं। इस समिट में समावेशी विकास में एआई की भूमिका पर चर्चा की जा रही है।

सबके लिए शिक्षा और स्वास्थ्य सुलभ होना चाहिए: मोहन भागवत

अंग्रेजों ने जो बिगाड़ा, उसको ठीक करना होगा : सरसंघचालक

एजेंसी

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य मूलभूत आवश्यकताएं हैं। ये व्यवसाय नहीं हो सकते। शिक्षा और स्वास्थ्य सबके लिए सुलभ होने चाहिए। मोहन भागवत ने बुधवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में आयोजित शोधार्थी संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पश्चिम के लोगों ने शिक्षा के साथ खिलवाड़ किया। उन्होंने हमारी शिक्षा व्यवस्था हटाकर अपनी थोपी, जिससे उन्हें काम करने के लिए काले अंग्रेज मिल जाएं। अंग्रेजों ने जो बिगाड़ा, उसको ठीक करना होगा। उन्होंने कहा कि संघ का कार्य देश को परम वैभव संपन्न बनाना है। संघ समाज की एकता और गुणवत्ता की चिंता करता है। संघ को समझना है तो संघ के अंदर आकर कर देखिये। संघ को पढ़कर नहीं समझा जा सकता है। संघ को संपूर्ण हिन्दू समाज को संगठित करने का काम करना है। संघ किसी के विरोध में नहीं है। संघ को लोकप्रियता, प्रभाव और शक्ति नहीं चाहिए। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि

भारत की दिशा और दशा बदलने में शोध की बड़ी भूमिका है। सत्यपरक बातें सामने आनी चाहिए। हम अज्ञानता से भारत को समझ ही नहीं पाएंगे। उन्होंने शोधार्थियों से कहा कि जो भी शोध करें उसे उत्कृष्ट रूप से, प्रामाणिकतापूर्वक, तन-मन-धन से, निःस्वार्थ भाव से देश के लिए करें। उन्होंने कहा कि संघ को लेकर बहुत दुष्प्रचार होता है। शोधार्थियों को सत्य सामने लाना चाहिए।

उन्होंने वैश्वीकरण पर बात करते हुए कहा कि यह कोई बहुत बड़ी चुनौती नहीं है। आज वैश्वीकरण का मतलब बाजारीकरण से है, जो खतरनाक है। हम वसुधैव कुटुंबकम की बात करते हैं, यानी पूरे विश्व को अपना परिवार मानते हैं। जब तक सब सुखी नहीं होंगे, एक व्यक्ति सुखी नहीं हो सकता है, इसलिए हमारा जीवन संयमित होना चाहिए, उपभोगवादी नहीं होना चाहिए। संयम और त्याग का जीवन हमारी संस्कृति के आत्मबोध में है। पश्चिमी देशों ने जड़वाद फैलाया। उन देशों की सोच है कि बलशाली बनकर खुद जियो और बाकी को छोड़ दो। जो बाधक बने, उन्हें मिटा दो। यही काम आज अमेरिका और चीन कर रहे हैं, लेकिन आज दुनिया भर की समस्याओं के प्रश्नों का उत्तर भारत के पास है। विश्व गुरु बनना है तो सभी क्षेत्रों में शक्तिशाली बनना होगा। दुनिया तभी मानती है जब सत्य के पीछे शक्ति हो।

सुप्रीम कोर्ट ने अजमेर दरगाह में शिव मंदिर के दावे से जुड़ी सुनवाई रोकने वाली याचिका खारिज की

यह याचिका दरगाह को मानने वाले दरवेश समुदाय के लोगों ने दायर की थी।

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अजमेर की ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती दरगाह में शिव मंदिर होने के दावे से जुड़े मामले में सुनवाई पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। यह याचिका दरगाह को मानने वाले दरवेश समुदाय के लोगों ने दायर की थी। कोर्ट ने याचिका को तकनीकी आधार पर खारिज करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता अजमेर की निचली अदालत में चल रहे मुख्य मामले के पक्षकार नहीं हैं। उन्होंने अपनी याचिका में उन मूल पक्षकारों को भी शामिल नहीं किया था, जिन्होंने यह दावा किया है कि दरगाह किसी प्राचीन शिव मंदिर के अवशेषों पर बनी है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इस आधार पर याचिका पर विचार नहीं किया जा सकता। याचिका में दावा किया गया था कि प्लेसेस ऑफ वर्शिप (एक्ट) 1991 की वैधता से जुड़े मामले की सुनवाई

करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 12 दिसंबर 2024 को अंतरिम आदेश दिया था। इस आदेश में कहा गया था कि धार्मिक स्थलों से जुड़े किसी नए मुकदमे को देश भर की कोई निचली अदालत स्वीकार न करे और ऐसे मामलों में कोई प्रभावी आदेश न पास करे। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि इस आदेश की अवहेलना करते हुए अजमेर की अदालत ने इस विवाद पर सुनवाई शुरू की है और नोटिस जारी किए हैं, इसलिए अजमेर कोर्ट में चल रही कार्यवाही पर रोक लगाई जाए। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई से इनकार करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता निचली अदालत के मूल केस में शामिल नहीं हैं, इसलिए वे सीधे सुप्रीम कोर्ट में इस तरह की मांग नहीं कर सकते। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि इस फैसले का मुख्य केस पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

यह मामला काफी संवेदनशील है क्योंकि अजमेर शरीफ दरगाह सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह है, जो लाखों श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र है। अजमेर की निचली अदालत में यह मामला अभी भी लंबित है और आगे की सुनवाई जारी रहेगी।

एआई समिट पर राहुल गांधी की सोशल मीडिया पोस्ट नकारात्मकता : प्रह्लाद जोशी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट- 2026' को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। समिट से जुड़े मुद्दों, दावों और आरोपों पर सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने नजर आए। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर किए गए पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि यह एक नकारात्मक सोच को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इतने बड़े स्तर के आयोजन में अगर कहीं कोई कमी रह जाती है, तो संबंधित विभाग उसकी समीक्षा करता है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक्स पोस्ट में लिखा था, 'भारत के टैलेंट और डेटा का फायदा उठाने के बजाय, एआई समिट एक पीआर तमाशा है। भारतीय डेटा बिक्री के लिए, चीनी प्रोडक्ट दिखाए जा रहे हैं।' भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा, 'राहुल गांधी अब पॉलिटिकली बेरोजगार हैं, और इस वजह से, उनका एकमात्र फोकस विवाद खड़ा करना और बेबुनियाद बयान देना रह गया है।' केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि इस आयोजन ने देश के युवाओं में नई ऊर्जा और उत्साह पैदा किया है, जो भारत को तकनीकी क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में मदद करेगा। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने एआई समिट से जुड़े एक विवाद पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि एआई समिट का उद्देश्य नवाचार, नए विचारों की खोज और सीखने के मॉडल विकसित करना है।

फिनलैंड के प्रधानमंत्री पेटेरी ओर्पो से मिलने के बाद बोले पीएम मोदी, 'हमारा मकसद ट्रेड को दोगुना करना'

पीएम मोदी ने फिनलैंड के प्रधानमंत्री पेटेरी ओर्पो के साथ द्विपक्षीय चर्चा की

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में हिस्सा लेने के लिए भारत पहुंचे फिनलैंड के प्रधानमंत्री पेटेरी ओर्पो के साथ द्विपक्षीय चर्चा की। प्रधानमंत्री ने इस मुलाकात को दोनों देशों के लिए काफी अहम माना। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दो तस्वीरें पोस्ट करते हुए लिखा, 'फिनलैंड के प्रधानमंत्री, पेटेरी ओर्पो के साथ लंबी बातचीत हुई। भारत-ईयू एफटीए को उनके व्यक्तिगत तौर पर की गई मदद के लिए उन्हें धन्यवाद दिया, इससे भारत-यूरोप रिश्तों में एक सुनहरा दौर शुरू होगा।' पीएम मोदी ने आगे लिखा कि भारत और फिनलैंड का मकसद ट्रेड को दोगुना करना है, जिससे आर्थिक संबंधों को मजबूती मिलेगी। हमने 6जी, इनोवेशन, क्लीन एनर्जी, बायोफ्यूल, और सर्कुलर इकॉनमी जैसी फ्यूचरिस्टिक टेक्नोलॉजी में सहयोग बढ़ाने के बारे में भी बात की।फिनलैंड के प्रधानमंत्री के साथ पीएम मोदी ने

सस्टेनेबल डेवलपमेंट और डिजिटलीकरण, एआई रिसर्च और एथिकल इनोवेशन में सहयोग पर चर्चा की और यह भी बताया कि भारतीय प्रतिभा द्विपक्षीय सहयोग को कैसे मजबूत कर सकती है। प्रधानमंत्री ने एआई के क्षेत्र में उभरते इनोवेशन प्लेयर के रूप में फिनलैंड के प्रयासों की सराहना की। दोनों नेताओं ने जिम्मेदार, टैलेंट-ड्रिवन एआई को बढ़ावा देने और सस्टेनेबल भविष्य के लिए टेक-इनेबिल्ड सॉल्यूशन्स का उपयोग करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

16 फरवरी से 20 फरवरी के बीच एआई इम्पैक्ट समिट 2026 आयोजित हो रही है। इस 5 दिवसीय एआई महासम्मेलन में टेक दिग्गजों के अलावा कई देशों के राजनीतिज्ञ और शीर्ष नेता भी जुड़ रहे हैं। पांच दिवसीय शिखर सम्मेलन में 100 से अधिक सरकारी प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं, जिनमें 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष और सरकार प्रमुख और 60 मंत्री शामिल हैं। इसके अलावा, सीईओ, संस्थापक, शिक्षाविद और शोधकर्ता सहित 500 से अधिक वैश्विक एआई नेता भी इसमें शामिल होंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 16 फरवरी की शाम एआई इंपैक्ट समिट एक्सपो का उद्घाटन किया था और वहां विभिन्न स्टालों को अवलोकन करके देश के स्टार्टअप्स और स्थापित संस्थानों की एआई के मोर्चे पर प्रगति को सराहा था।

भाजपा जनकल्याण मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष का ऐतिहासिक व भव्य स्वागत

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। भाजपा जनकल्याण मंच के दिल्ली प्रदेश मीडिया प्रभारी ने जानकारी देते हुए बताया कि विष्णु ग्रीन्स, आर्गन हॉल, जी.टी. रोड, लाल कुआँ में भाजपा जनकल्याण मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष दर्शन आर. शाह के सम्मान में एक भव्य, ऐतिहासिक एवं प्रेरणादायी स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने पुष्पमालाओं, शाल एवं पगड़ी पहनाकर राष्ट्रीय अध्यक्ष का गरिमामय स्वागत किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष दर्शन आर. शाह के साथ राष्ट्रीय महामंत्री भाविन भाई पटेल, राष्ट्रीय महामंत्री रमेश भाई महेश्वरी, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष पंडित संतोष मिश्रा तथा छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष सनत कुमार प्रजापति का भी पुष्पमाला व पटका पहनाकर स्वागत किया गया। इस गौरवशाली अवसर पर किशन मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष रामजी लाल वैष्णव, किसान मोर्चा प्रदेश सचिव पंकज शर्मा, मेरठ मंडल अध्यक्ष सचिन कुमार शर्मा, जिला उपाध्यक्ष रोहित यादव, जिला मंत्री किसान मोर्चा कृष्णपाल सिंह, प्रदेश मंत्री कुबेर दत्त शर्मा, मीडिया प्रभारी विनोद तिवारी सहित देश के विभिन्न राज्यों से आए प्रदेश

अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष, महामंत्री एवं सैकड़ों समर्पित कार्यकर्ताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। अपने ओजस्वी संबोधन में राष्ट्रीय अध्यक्ष दर्शन आर. शाह ने कहा कि भाजपा जनकल्याण मंच केवल एक संगठन नहीं, बल्कि राष्ट्रसेवा, जनसेवा और जनविश्वास का सशक्त माध्यम है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आने वाले समय में मंच का विस्तार देश के प्रत्येक प्रदेश, प्रत्येक जिले और प्रत्येक बूथ तक किया जाएगा। साथ ही उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि भाजपा सरकार द्वारा गरीब, किसान, युवा, महिला एवं वंचित वर्ग के लिए किए जा रहे ऐतिहासिक कार्यों को घर-घर तक पहुँचाना हम सभी का दायित्व है। जनसुनवाई, जनसमस्या समाधान और जनसंवाद को सशक्त बनाते हुए अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुँचाना ही मंच का मूल उद्देश्य है। दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष पंडित संतोष मिश्रा ने अपने प्रेरक वक्तव्य में कहा कि संगठन में अनुशासन, समर्पण और राष्ट्रभक्ति से ही परिवर्तन संभव होता है। उन्होंने मंच के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा किए जा रहे निरंतर जनकल्याणकारी कार्यों की सराहना करते हुए सभी को संगठित, जागरूक और सक्रिय रहने का संदेश दिया। विशेष रूप से मेरठ मंडल अध्यक्ष सचिन कुमार शर्मा के कार्यों की प्रशंसा करते हुए उन्होंने इसे अन्य पदाधिकारियों के लिए प्रेरणास्रोत बताया। समारोह राष्ट्रसेवा के संकल्प, संगठन विस्तार की दृढ़ इच्छाशक्ति और भाजपा जनकल्याण मंच को जन-जन तक पहुँचाने के संकल्प के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

ममता बनर्जी के खिलाफ ईडी की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टली

अब 18 मार्च को होगी अगली सुनवाई

एजेंसी

नई दिल्ली। आई- पैक रेड मामले में ममता बनर्जी के खिलाफ दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टल गई है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 18 मार्च को होगी। अदालत में प्रवर्तन निदेशालय की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि ईडी आज ही अपना जवाब दाखिल कर देगी। प्रवर्तन निदेशालय ने आई-पैक के दफ्तरों पर छापेमारी के दौरान कथित दखलअंदाजी का आरोप लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। याचिका में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, पश्चिम बंगाल के डीजीपी राजीव कुमार और कोलकाता पुलिस आयुक्त मनोज कुमार को पक्षकार बनाया गया है। ईडी ने इन तीनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।दूसरी ओर ममता बनर्जी ने अदालत में दाखिल अपने हलफनामे में ईडी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि कोलकाता स्थित आई-पैक कार्यालयों में तलाशी के नाम पर ईडी अधिकारियों ने तृणमूल कांग्रेस से जुड़ा गोपनीय और चुनावी रणनीति का डेटा जब्त कर लिया। उनके अनुसार यह कार्रवाई न केवल अवैध थी, बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में दखल देने जैसी भी है। ममता बनर्जी ने अपने हलफनामे में कहा कि जैसे ही उन्हें जानकारी मिली कि आई-पैक के दफ्तरों में तलाशी चल रही है और वहां पार्टी का संवेदनशील डेटा मौजूद है, वह खुद वहां पहुंचीं। उनका कहना है कि उनका उद्देश्य केवल पार्टी की गोपनीय सामग्री को सुरक्षित रखना था, ताकि उसका किसी तरह से दुरुपयोग न हो। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उन्होंने ईडी की कार्रवाई में किसी प्रकार की बाधा नहीं डाली।

अब इस मामले में सभी पक्षों की दलीलें 18 मार्च को होने वाली अगली सुनवाई में सुनी जाएंगी। अदालत के फैसले पर सबकी नजरें टिकी हैं, क्योंकि यह मामला जांच एजेंसी की कार्रवाई और राज्य सरकार के अधिकारों से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया है।

10 राज्यों में राज्यसभा की 37 सीटों के लिए चुनाव की घोषणा, 16 मार्च को मतदान

नई दिल्ली। भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने बुधवार को 10 राज्यों में राज्यसभा की 37 सीटों के लिए चुनाव तारीखों की घोषणा की। राज्यसभा के 37 सदस्यों का कार्यकाल अप्रैल 2026 में खत्म होने वाला है। ईसीआई के अनुसार, 37 सीटों के लिए 16 मार्च को चुनाव होगा। सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे के बीच मतदान किया जाएगा और उसी दिन शाम 5 बजे मतगणना शुरू होगी। चुनावों के लिए नोटिफिकेशन 26 फरवरी को जारी किया जाएगा। नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 5 मार्च तय की गई है, जबकि नामांकन पत्रों की जांच 6 मार्च को होगी। उम्मीदवार 9 मार्च तक अपना नामांकन पत्र वापस ले सकते हैं। जिन राज्यों में राज्यसभा चुनाव होना है, उनमें महाराष्ट्र, ओडिशा, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना शामिल हैं।

विशाखापत्तनम में भारतीय नौसेना ने वैश्विक साझेदारी के साथ दिखाई समुद्री ताकत

राष्ट्रपति मुर्मु ने इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू देखकर समुद्री परंपराओं पर भरोसा जताया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने 1971 के युद्ध में जिस जगह में पाकिस्तान की पनडुब्बी गाजी को डुबो दिया था, वहीं एक बार फिर इतिहास की गूंज सुनाई दी। विशाखापत्तनम के उसी ऐतिहासिक किनारे पर बुधवार को भारतीय नौसेना ने अपनी समुद्री ताकत, व्यावसायिकता और वैश्विक साझेदारी का प्रदर्शन किया है। भारतीय सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू को देखा और भरोसा जताया कि इस फ्लीट रिव्यू में शामिल सभी नौसेनाएं मिलकर समुद्रों को दुनिया भर के विकास, खुशहाली और पूरी भलाई के रास्ते के तौर पर आगे बढ़ाने में मदद करेंगी।राष्ट्रपति ने कहा कि इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू समुद्री परंपराओं के लिए देशों के बीच एकता, भरोसा और सम्मान दिखाता है। समुद्रों के साथ भारत का रिश्ता गहरा और हमेशा रहने वाला रहा है। सदियों से ये समुद्र भारत के लिए कॉमर्स, कनेक्शन और कल्चरल

लेन-देन के रास्ते रहे हैं। उन्होंने कहा कि समुद्री क्षेत्र समेत इंटरनेशनल रिश्तों को लेकर भारत का नजरिया 'वसुधैव कुटुम्बकम' या 'दुनिया एक परिवार है' की हमारी सोच को दिखाता है। उन्होंने सभी भारतीयों की ओर से मित्र देशों की नौसेनाओं के अधिकारियों और नाविकों को बधाई देते हुए कहा कि आप अपनी सेवाओं से अपने देशों की सबसे अच्छी परंपराओं को दिखाते हैं।

नौसेना के कैप्टन विवेक मधवाल ने बताया कि यह भारत में किया गया तीसरा इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू है। आज हमने इस समुद्री समीक्षा में 70 से ज्यादा प्लेटफॉर्म्स को हिस्सा लेते देखा है, जिसमें 18 दूसरे देशों के 19 जहाजों के साथ ही भारतीय तटरक्षक बल और शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के जहाज शामिल हैं।

जेपी नड्डा ने ब्राजील के स्वास्थ्य मंत्री से की मुलाकात

'इस मुलाक़ात के दौरान सभी के लिए सुलभ और किफायती स्वास्थ्य सेवा पर सार्थक चर्चा हुई।'

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने बुधवार को इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान ब्राजील के स्वास्थ्य मंत्री एलेक्जेंडर पाडिल्हा से मुलाकात की। दोनों मंत्रियों के बीच सुलभ और किफायती स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने और चिकित्सा उत्पाद विनियम एवं डिजिटल स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर जोर दिया। इस मौके पर जेपी नेडा ने कहा कि इस मुलाक़ात के दौरान सभी के लिए सुलभ और किफायती स्वास्थ्य सेवा पर सार्थक चर्चा हुई। स्वास्थ्य और दवा क्षेत्र में दोनों देशों के बीच गहन और मजबूत सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया।

नड्डा ने ब्राजील के स्वास्थ्य मंत्री को ब्रिक्स स्वास्थ्य मंत्रियों की बैठक में आमंत्रित करते हुए कहा कि ब्राजील के साथ निरंतर सहयोग की आशा है और आगामी ब्रिक्स स्वास्थ्य मंत्रियों की बैठक के लिए एलेक्जेंडर पाडिल्हा का भारत में स्वागत है।

देहरादून में जिला न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी

देहरादून (एजेंसी)। देहरादून में बुधवार को जिला न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। जिला जज के आधिकारिक ईमेल पर भेज धमकी भरे संदेश के बाद पुलिस और खुफिया एजेंसियां तुरंत सक्रिय हो गईं। एहतियात के तौर पर पूरे कोर्ट परिसर को खाली कराकर सुरक्षा घेरा बढ़ा दिया गया। सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भारी बल के साथ मौके पर पहुंचे। न्यायाधीशों, अधिवक्ताओं और वादकारियों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया। बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड ने परिसर के चप्पे-चप्पे की गहन तलाशी ली। सुरक्षा के मद्देनज़र कोर्ट परिसर के बाहर बैरिकेडिंग कर आवाजाही सीमित कर दी गई। प्रारंभिक जांच में ईमेल के स्रोत की पड़ताल की जा रही है। पुलिस को आशंका है कि यह किसी शरारती तत्व या संगठित साजिश का हिस्सा हो सकता है। हालांकि अब तक तलाशी अभियान में कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है, जिससे राहत की सांस ली गई है। गौरतलब है कि हाल के दिनों में हरिद्वार, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, टिहरी और नैनीताल की जिला अदालतों को भी इसी तरह की धमकियां मिल चुकी हैं। इन घटनाओं को देखते हुए पूरे प्रदेश में अलर्ट जारी कर दिया गया है। पुलिस सभी मामलों की कड़ियों को जोड़कर जांच कर रही है ताकि अफवाह फैलाने या भय का माहौल बनाने वालों की पहचान कर सख्त कार्रवाई की जा सके।

ईद के बाद सोरेन सरकार की घेराबंदी करेगा होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन

रांची (एजेंसी)। झारखंड में 77 मृत होमगार्ड जवानों के आश्रित अब भी अनुकंपा नियुक्ति के इंतजार में हैं। इसमें स्व. आनंदी मंडल, स्व. राम बाबू सिंह, स्व. बाबूजोन मरांडी, स्व. उमेश प्रसाद, स्व. परमानंद यादव और स्व. दपीक प्रताप सहित कुल 77 जवान शामिल हैं। अधिकांश जवानों की मृत्यु 10 से 15 वर्ष पूर्व ड्यूटी के दौरान हो चुकी है, लेकिन उनके परिवारों को अब तक नौकरी नहीं मिल सकी है। वर्ष 2014 में राज्य सरकार ने होमगार्ड जवानों के लिए नियमावली बनाई थी, जिसमें ड्यूटी के दौरान मृत जवानों के आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर नामांकन का प्रावधान था। इसके बावजूद कई मामलों में नियुक्ति नहीं हो सकी। इस संबंध में जवानों ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी, जिसमें राज्य गठन के बाद ड्यूटी के दौरान मृत सभी जवानों के आश्रितों को नियुक्ति देने का आदेश दिया गया। न्यायालय से सकारात्मक फैसला आने के बाद गृह विभाग ने संबंधित जवानों की सूची भी तैयार कर ली, लेकिन वर्षों से यह सूची विभागीय फाइलों में लंबित पड़ी है। झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष रवि मुखर्जी ने कहा कि बजट सत्र शुरू हो चुका है और सरकार को इस मुद्दे पर गंभीरता दिखानी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि बजट सत्र में भी नियुक्ति प्रक्रिया शुरू नहीं की गई, तब ईद के बाद राज्यभर के होमगार्ड जवान राजभवन का घेराव करेगा।

यूपी बोर्ड की सख्त चेतावनी... पेपर लीक जैसी भ्रामक खबरों को फैलाने वालों को छोड़ा नहीं जाएगा

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपीएमएसपी) की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षाएं 18 फरवरी से शुरू हो गई हैं। परीक्षा शुरू होने से ठीक पहले सोशल मीडिया पर पेपर लीक को लेकर उड़ रही अफवाहों पर यूपी बोर्ड ने बेहद सख्त रुख दिखाया है। यूपी बोर्ड ने साफ कर दिया है कि ऐसी खबरें पूरी तरह फर्जी हैं और इन भ्रम खबरों को फैलाने वालों को किसी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। बोर्ड ने आधिकारिक बयान देकर छात्रों और अभिभावकों को सचेत किया है। बोर्ड का कहना है कि कुछ असामाजिक तत्व सुनियोजित तरीके से परीक्षाओं की शुचिता बिगाड़ने और छात्रों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। बोर्ड ने अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ साइबर सेल में मामला दर्ज करा दिया है। परीक्षार्थी इन भ्रामक खबरों पर ध्यान न दें और पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी परीक्षा पर फोकस करें। यूपी परिक्षा बोर्ड ने बताया कि इस साल नकल रोकने और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए हाई-टेक इंतजाम किए गए हैं। सभी 8,033 केंद्रों पर वॉयस रिकॉर्डर वाले सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनकी वेबकास्टिंग के जरिए लखनऊ से लाइव निगरानी हो रही है। 18 जिलों को संवेदनशील घोषित किया है। 222 अति संवेदनशील और 683 संवेदनशील केंद्रों पर अतिरिक्त फोर्स तैनात है। 440 जिला स्तरीय और 69 मंडलीय मोबाइल स्क्वॉड नकलचियों को पकड़ने के लिए मुस्तैद हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पोस्ट के माध्यम से छात्रों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि परीक्षाएं केवल आपकी शैक्षणिक योग्यता का मूल्यांकन नहीं हैं, बल्कि यह आपके धैर्य, अनुशासन और आत्मविश्वास की भी परीक्षा है। उन्होंने छात्रों को बिना तनाव के परीक्षा देने का आशीर्वाद दिया।

राजस्थान में हल्की बारिश, दिल्ली में छाए रहे बादल वायु गुणवत्ता में आंशिक सुधार

-न्यूनतम तापमान 12 और अधिकतम 28 डिग्री सेल्सियस रहेगा

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर समेत राजस्थान में कई जगह बुधवार सुबह हल्की बारिश हुई। बारिश व बूंदाबांदी का दौर रात से ही शुरू हो गया था। उधर दिल्ली में बुधवार सुबह मौसम ने करवट ली और घने बादल आसमान में छा गए। कई इलाकों में हल्की बूंदाबांदी के साथ बारिश की फुहारें पड़ी। बदलते मौसम और तेज हवा के कारण वायु गुणवत्ता में भी आंशिक सुधार देखा गया। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक बुधवार को दिनभर सामान्यत: बादल छाए रहे और हल्की बारिश की संभावना बनी रही। बुधवार का न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

सात दिनों के पूर्वानुमान के मुताबिक 19 फरवरी को न्यूनतम तापमान 12 और अधिकतम 28 डिग्री सेल्सियस रहेगा और मौसम मुख्यत: साफ रहने की संभावना है। 20 को भी पारा 12 से 28 डिग्री के बीच रहेगा। 21 को न्यूनतम 13 और अधिकतम 28 डिग्री 22 और 23 को तापमान में हल्की बढ़ोतरी के साथ अधिकतम 29 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है, जबकि न्यूनतम तापमान 13 डिग्री के आसपास रहेगा यानी बुधवार को हल्की गिरावट के बाद आने वाले दिनों में तापमान लगातार बढ़ता रहेगा।

रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली के कई इलाकों में अभी भी हवा खराब श्रेणी में है। अलीपुर में एक्यूआई 255, आनंद विहार में 285, अशोक विहार में 264 दर्ज किया गया। आया नगर में 179 और सीआरआरआई मथुरा रोड पर 185 के साथ मध्यम श्रेणी रही। बवाना में एक्यूआई 307 के साथ बहुत खराब श्रेणी में दर्ज किया गया, जबकि चांदनी चौक में 286 और डीटीयू में 249 दर्ज किया गया। गाजियाबाद के इंदिरापुरम में एक्यूआई 296, लोनी में 352, संजय नगर में 203 और वसुंधरा में 268 दर्ज किया गया।

भारतीय नौसेना के साथ समुद्री अभ्यास में भाग लेने विशाखापटनम पहुंचा रूसी युद्धपोत

विशाखापटनम (एजेंसी)। आंध्रप्रदेश के विशाखापटनम के बंदरगाह पर अचानक एक विशाल रूसी युद्धपोत मार्शल शापोष निकोब का आगमन हुआ है। यह कोई साधारण घटना नहीं है। यह अंतरराष्ट्रीय फ्लीट रिव्यू यानी आईएफआर 2026 और मिलन 2026 अभ्यास का हिस्सा है, जो भारत रूस की दशकों पुरानी समुद्री साझेदारी को दिखाता है। लेकिन आगमन को हम अचानक क्यों कह रहे हैं, क्योंकि वैश्विक तनाव के बीच जब दुनिया की महाशक्तियां एक दूसरे से भिड़कर दूर हो रही हैं तब भारत रूस की यह दोस्ती ना केवल मजबूत हो रही है बल्कि दुनिया पर भारी साबित हो रही है। एक आधुनिक उदालाय क्लास डिस्ट्रॉयर इस अब ब्रिगेड के रूप में वर्गीकृत किया गया है। 1985 में कमीशन किया गया। यह रूसी जहाज रूसी पेसिफिक प्लीट का हिस्सा है और इसका नाम सोवियत युग के सैन्य कमांडर बोरिस शापोश निकोब के नाम पर रखा गया है। इस जहाज की लंबाई 163 मीटर वजन 7900 टन तक है और यह 35 नॉट की रफ्तार से चल सकता है। इसमें कलिब्र एनके क्रूज मिसाइल, ओनिक्स, एंटीशिप मिसाइलें

और संभावित रूप से जिरकॉन हाइपरसोनिक मिसाइलें लगी हैं। यह एंटी सबमरीन वॉरफेयर में माहिर है। जिसमें हेलीकॉप्टर, हैंगर और सोनार सिस्टम्स शामिल हैं। अब यह आगमन अचानक इसलिए लग रहा है, क्योंकि वैश्विक राजनीति में रूस यूक्रेन युद्ध के चलते रुस अलग-थलग दिख रहा है। हालांकि भारत रुस को कभी भी अलग-थलग नहीं होने दे रहा है। इसी कड़ी में भारत ने रुस को गले लगाया और भारतीय नौसेना के अनुसार जहाज आईएफआर 2026 और मिलन 2026 में भाग लेने आया है। जहां भारत की राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू 72 देशों के 60 से अधिक युद्धपधों की समीक्षा करेंगी। मिलन 21 से 25 फरवरी तक चलेगा जिसमें समुद्री अभ्यास, सेमिनार और सहयोग पर फोकस होगा। रूस का यह जहाज इस अभ्यास में प्रमुख भूमिका निभाएगा जो भारत रूस की समुद्री साझेदारी को मजबूत करेगा। यह घटना सिर्फ एक जहाज का आगमन नहीं है। यह एक संदेश है जब अमेरिका और उसके सहयोगी रूस पर प्रतिबंध लगा रहे हैं। भारत ने रूस से सस्ता तेल आयात बढ़ाया है और अब समुद्री सहयोग को नई ऊंचाई दे दी है। यह दोस्ती दुनिया पर भारी है क्योंकि यह इंडोपेसिफिक में संतुलन बनाती है। जहां चीन की बढ़ती ताकत को काउंटर करने के लिए रूस भारत का साथी है।

भारत रूस की दोस्ती की जड़े शीत युद्ध के दौर से मजबूत हैं। 1950 के दशक में सोवियत संघ ने भारत को सैन्य सहायता दी जब पश्चिमी देश पाकिस्तान को हथियार दे रहे थे। फिर 1960 से भारत ने रूसी जहाज और सबमरीन का इस्तेमाल शुरू कर दिया। आज भारतीय नौसेना के आधे से अधिक प्रमुख जहाज रूसी मूल के हैं। अब 1971 के भारतपाकि युद्ध में रूस की भूमिका यादगार है। जब अमेरिका ने अपना एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस एंटर प्राइज बंगाल की खाड़ी में भेजा।

फिर आई कूनो से अच्छी खबर... गामिनी ने दिया तीन शावकों को जन्म

-भारत में चीतों की संख्या 38 हुई, 7 फरवरी को भी हुआ था 5 शावकों का जन्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले के कूनो नेशनल पार्क में दक्षिण अफ्रीका से लाई गई मादा चीता गामिनी ने बुधवार को तीन शावकों को जन्म दिया। खास बात यह है कि यह खुशखबरी चीतों के भारत आने के तीन साल पूरे होने के दिन सामने आई है। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने अपने एक्स पर इसकी जानकारी दी। यादव ने इस उपलब्धि को भारत के ऐतिहासिक संरक्षण अभियान की बड़ी सफलता बताया है। बता दें भारत आने के बाद मादा चीता गामिनी दूसरी बार मां बनी है। इन नए शावकों के जन्म के साथ भारत में शावकों की संख्या 27 हो गई है जो अभी जिंदा हैं। इसके साथ ही अब देश में चीतों की कुल आबादी 38 हो गई। बता दें बीते 10 दिन में यह दूसरा प्रसव है, जिनमें 8 शावकों ने जन्म लिया है। इससे पहले 7 फरवरी को भी कूनो नेशनल पार्क में चीता परिवार में 5 शावकों का जन्म हुआ था। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि शावकों का जन्म प्रोजेक्ट चीता को मजबूती प्रदान कर रहा है। फील्ड स्टाफ और पशु चिकित्सकों की सतत निगरानी और समर्पण से यह सपना साकार हो रहा है। शवकों के जन्म को लेकर मध्य प्रदेश के सीएम डा मोहन यादव ने अपने सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' पर एक वीडियो शेयर कर लिखा- चीतों के पुनर्स्थापन का सशक्त केंद्र मध्यप्रदेशज अत्यंत हर्ष का विषय है कि प्रोजेक्ट चीता के अंतर्गत दक्षिण अफ्रीका से आई मादा चीता 'गामिनी' ने तीन शावकों को जन्म दिया है। श्योपुर जिले में स्थित कूनो नेशनल पार्क में आए चीतों के तीन साल पूरे होने के साथ ही कूनो में यह 9वां सफल प्रसव है। भारत में चीतों की कुल संख्या बढ़कर अब 38 हो गई है। यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। कूनो नेशनल पार्क में चीतों की बढ़ती आबादी उनकी सतत निगरानी, वैज्ञानिक प्रबंधन और अथक परिश्रम के कारण यह संभव हो सकी है। कूनो में हो रहा यह सकारात्मक विकास भारत की जैव-विविधता संरक्षण यात्रा में मील का पत्थर साबित हो रहा है।

बंगाल में ममता बनर्जी तुगलक और औरंगजेब की तरह शासन चला रही हैं

-बीजेपी सांसद ने लगाया बंगाल को बांग्लादेश बनाने की साजिश का लगाया आरोप

पटना (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में हुमायूं कबीर द्वारा बनाई जा रही बाबरी मस्जिद पर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। बिहार में एनडीए के नेताओं ने पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि ममता बनर्जी भी कबीर का साथ दे रही हैं। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि बाबरी मस्जिद से जुड़े मुद्दों पर भी बंगाल सरकार की भूमिका पर सवाल उठते हैं और ममता को डबल गेम नहीं खेलने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी बांग्लादेशी मुसलमानों के सहारे सत्ता में बनी रहना चाहती हैं, लेकिन अब बंगाल के हिंदू जाग चुके हैं। जो लोग ममता बनर्जी को 'शेरनी' कहते हैं, वे उन्हें गलत बताते हैं और आरोप लगाते हैं कि वे राज्य को बांग्लादेश बनाने की दिशा में ले जा रही हैं। उन्होने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी तुगलक और औरंगजेब की तरह शासन चला रही हैं और हिंदुओं को दबाने का काम कर रही हैं। वहीं बीजेपी नेता सैयद शाहनवाज हुसैन ने भी पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन का दावा किया। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने बिहार, हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली में जीत दर्ज की है और अब बंगाल में भी पार्टी का झंडा लहराएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी चुनावों में बीजेपी को स्पष्ट बहुमत मिलेगा। इधर बिहार की राजनीति में भी बयानबाजी तेज है। बिहार सरकार में मंत्री राम कृपाल यादव ने राजद नेता तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले वे अपने कार्यकाल का हिसाब दें। उन्होंने दावा किया कि नीतीश सरकार सभी वर्गों के लिए काम कर रही है और राज्य के विकास के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं। शराबबंदी के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि यदि कहीं कमी पाई जाती है तो सरकार कार्रवाई करेगी। वहीं बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बिहार की एनडीए सरकार से उनके कामकाज का हिसाब मांगा है, जिससे बिहार की राजनीति गर्मा गई है। वहीं मंत्री दिलीप जायसवाल ने दिल्ली में आयोजित एआई समिट को अहम बताते हुए कहा कि बिहार की सक्रिय भागीदारी रही है।

2027 में असपा अकेले लड़ेगी चुनाव, गठबंधन की खबरें फेक न्यूज और साजिश का हिस्सा

-बसपा सुप्रीमो मायावती ने राजनीतिक गलियारों में चल रही अटकलों पर लगाया विराम

लखनऊ(एजेंसी)। यूपी विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर राजनीतिक गलियारों में चल रही गठबंधन की अटकलों पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो मायावती ने एक बार फिर पूर्ण विराम लगा दिया है। मायावती ने साफ किया कि गठबंधन को लेकर सोशल मीडिया और मीडिया के कुछ हिस्सों में चल रही खबरें पूरी तरह से फेक न्यूज़ और एक गहरी साजिश का हिस्सा हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आगाह किया कि बसपा को कमजोर करने और समर्थकों का ध्यान भटकाने के लिए विपक्षी दल और कुछ मीडिया घराने घिनौनी साजिशें रच रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बसपा प्रमुख ने साफ कहा कि उनकी पार्टी 2027 का मिशन अकेले अपने दम पर लड़ेगी और पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी। इसके साथ ही दिल्ली में नया बंगला लेने पर भी मायावती ने सफाई दी। मायावती ने गठबंधन की संभावनाओं को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि बसपा को यह अच्छी तरह पता है कि सपा, कांग्रेस और

बीजेपी की विचारधारा बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की सोच के बिल्कुल विपरीत है।

उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि इन दलों से गठबंधन करने से बसपा को कभी फायदा नहीं हुआ, बल्कि हमेशा बड़ा राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ा है। मायावती ने आरोप लगाया कि जब-जब बसपा ने गठबंधन किया, विपक्षी दलों ने बसपा का वोट तो ले लिया, लेकिन अपना वोट बसपा को ट्रांसफर कराने में नाकाम रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि हाथी की मस्त चाल चलते हुए 2027 के मिशन में डटे रहे।

सोशल मीडिया पर दिल्ली में केंद्र सरकार द्वारा नया बंगला आवंटित किए जाने को लेकर आ रही खबरों पर भी मायावती ने कड़ा ऐतराज जताया। उन्होंने कहा कि इसे लेकर गलत और गुमराह करने वाली बातें प्रसारित की जा रही हैं। उन्होंने साफ किया कि केंद्र सरकार ने उनकी सुरक्षा को देखते हुए ही काफी समय बाद टाइप-8 का बंगला अलाट किया है। इसे लेकर बसपा को नुकसान पहुंचाने वाली बातें फैलाई जा रही हैं। केंद्र की वर्तमान सरकार ने मेरी सुरक्षा के हिसाब से कई बंगले अलाट किए थे, लेकिन सुरक्षा कारणों से नहीं लिया था। लिया भी था तो छोड़ दिया था। अब टाइप-8 का बंगला अलाट किया है तो उसे मैंने स्वीकार कर लिया है। इसे लेकर गलत बातें प्रसारित की जा रही हैं। मायावती ने कहा कि जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आएगा, विरोधी पार्टियां साम-दाम-दंड-भेद के हथकंडे अपनाए जाएंगे और बसपा को सत्ता से दूर रखने के षड्यंत्र और भी बढ़ते जाएंगे। ऐसे में सभी आंबेडकरवादियों को सतर्क रहना चाहिए।

अरुणाचल और नागालैंड के जंगलों में आग बुझाने सेना-वायुसेना का युद्धस्तर पर काम जारी

-हेलीकॉप्टर लगातार गिरा रहे पानी, यह आग 13 फरवरी से फैली है जंगल में

गुवाहाटी (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड के जंगल में आग बुझाने का काम युद्धस्तर पर जारी है। भारतीय सेना और वायुसेना ऑपरेशन में जुटी है। हेलीकॉप्टर लगातार पानी गिरा रहे हैं, जबकि सतह पर टीमें खास उपकरणों से आग बुझाने का प्रयास कर रही हैं। अब तक अरुणाचल प्रदेश के वालोंग में आग पर काबू पाया जा चुका है। भारतीय वायुसेना ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि हेलीकॉप्टर दो मोर्चों पर जंगल की आग बुझाने के मिशन में लगे हैं और मुश्किल इलाकों में लगातार हवाई फायरफाइटिंग कर रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वायुसेना ने जानकारी दी है कि अरुणाचल प्रदेश के वालोंग में कुल 139,800 लीटर पानी गिराया गया है, जिससे आग बुझ गई है। साथ ही नागालैंड में जुकोऊ घाटी में ऑपरेशन जारी है, जिसमें हेलीकॉप्टर से पानी लाकर जप्फू पीक के पास खड़ी ढलानों, खराब विजिबिलिटी और दुर्लभ हवा के बीच आग बुझा रहे हैं। भारतीय सेना के जवानों ने वायुसेना के साथ मिलकर अरुणाचल प्रदेश के अंजॉ जिले में करीब 3,000 से 3,500 फीट की ऊंचाई पर मौजूद दूर-दराज के इलाकों में लगी जंगल की आग पर काबू पाने की

कोशिश कर रहे हैं। मंगलवार को आर्मी ने वीडियो शेयर किए थे, जिनमें पहाड़ियों पर लगी आग बुझाने के लिए हेलीकॉप्टर पानी गिराते हुए दिख रहे थे, जबकि जमीनी टीमों की मदद के लिए आग बुझाने के दूसरे उपकरण भी लगाए गए थे। बताया जाता है कि यह आग 13 फरवरी को जंगल में फैली थी।

इससे पहले शनिवार को वायुसेना ने पोस्ट किया था कि हेलीकॉप्टर अरुणाचल प्रदेश की लोहित घाटी में 9,500 फीट से ऊपर लगातार आग बुझाने का मिशन चला रहे हैं। लोहित घाटी के ऊपर पहाड़ियों के किनारे हॉटस्पॉट पर 12,000 लीटर से ज्यादा पानी पहुंचाया गया। खराब मौसम और पतली हवा के बावजूद, हेलिकॉप्टर पानी गिराकर आग पर काबू पाने और नाजुक हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा करने का काम जारी रखे हुए हैं।

गुवाहाटी में एक रक्षा प्रवक्ता के मुताबिक सूखा मौसम और झूम खेती, जो पहाड़ी जनजातियों का पारंपरिक कटाई-जलाओ का तरीका है, नॉर्थईस्ट में जंगल में आग लगने की मुख्य वजहों में से हैं।

प्रवक्ता ने कहा कि पिछले पांच दिनों में हवाई जांच और पानी गिराने में मदद करने वाले हेलीकॉप्टरों के साथ मिलकर चौबीसों घंटे काम किया जा रहा है। ये ऑपरेशन बहुत मुश्किल इलाके और मौसम की हालत में किए जा रहे हैं ताकि आग पूरी तरह बुझ जाए।

केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू ने प्रियंका गांधी पर लगाया आरोप कहा- लिंचिंग की साजिश रची थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने कांग्रेस महासचिव और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए एक नए राजनीतिक विवाद को जन्म दे दिया है। बिट्टू ने घोषणा की है कि वह प्रियंका गांधी के खिलाफ एक औपचारिक शिकायत दर्ज करवाएंगे, जिसमें करीब पांच साल पहले किसान आंदोलन के दौरान हुई एक घटना की जांच की मांग की जाएगी। बिट्टू का आरोप है कि उस समय उन्हें जानबूझकर उग्र प्रदर्शनकारियों के बीच भेजा गया था, जहां उन पर जानलेवा हमला हुआ था।

एक साक्षात्कार के दौरान गंभीर आरोप लगाते हुए रवनीत बिट्टू ने कहा कि उस समय उन्हें प्रियंका गांधी की मंशा पर संदेह नहीं था, लेकिन अब उन्हें लगता है कि इसके पीछे कोई बड़ी साजिश थी। उन्होंने सवाल उठाया कि जब प्रियंका गांधी को अच्छी तरह पता था कि प्रदर्शनकारी किसान बिट्टू के खिलाफ आक्रोशित हैं, तो उन्हें वहां क्यों भेजा गया? बिट्टू ने आशंका जताई कि यह उन्हें नुकसान पहुंचाने का एक पूर्व-नियोजित प्लान और डिजाइन था ताकि उस घटना को एक बड़ा राजनीतिक मोड़ दिया जा सके और भाजपा विरोधी भावनाओं को और भड़काया जा सके। उन्होंने उस दिन की घटना को याद करते हुए कहा कि वह और विधायक कुलबीर जीरा भीड़ द्वारा लगभग लिंच कर दिए गए होते।

इसके साथ ही बिट्टू ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा उन्हें गद्दार कहे जाने पर भी तीखा पलटवार किया। उन्होंने कहा कि इस तरह की भाषा का प्रयोग करके राहुल गांधी ने अपने पद की गरिमा को गिराया है। उन्होंने तर्क दिया कि यदि दूसरी पार्टी में जाना गद्दारी है, तो कांग्रेस में शामिल उन तमाम नेताओं के बारे में राहुल गांधी की क्या राय है जो अन्य दलों से आए हैं?

दूसरी ओर, पंजाब कांग्रेस ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे राजनीतिक नौटंकी करार दिया है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि बिट्टू केवल अपने नए राजनीतिक आकाओं को खुश करने और सुर्खियां बटोरने के लिए इस तरह के बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं। पंजाब के नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने तंज कसते हुए कहा कि सालों बाद बिट्टू की याददाश्त अचानक तब वापस आई है, जब उन्हें अपनी वफादारी साबित करने की जरूरत महसूस हो रही है। वहीं, पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा कि यह कहना हास्यास्पद है कि उन्हें जबरदस्ती विरोध स्थल पर भेजा गया था। कांग्रेस के अनुसार, बिट्टू केवल अपनी नई पार्टी में अपनी जगह पक्की करने के लिए प्रियंका गांधी के खिलाफ इस तरह की बयानबाजी कर रहे हैं। इस जुबानी जंग ने पंजाब और राष्ट्रीय राजनीति में गरमाहट पैदा कर दी है।

अजित पवार विमान हादसा: डीएफडीआर डेटा डाउनलोड, सीवीआर रिकवरी के लिए कंपनी से मांगी मदद

-एएआईबी की तकनीकी जांच जारी; सीबीआई जांच की मांग तेज

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के विमान हादसे की जांच अब निर्णायक चरण में पहुंचती दिख रही है। जांच की जिम्मेदारी एयरक्रॉफ्ट एक्सिडेंट इनवेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) को सौंपी गई है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अनुसार, क्रैश के दौरान विमान का ब्लैक बॉक्स तेज गर्मी और आग की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हुआ था, हालांकि उसके एक हिस्से का डेटा सफलतापूर्वक हासिल कर लिया गया है।

मंत्रालय ने बताया कि विमान में लगे दो स्वतंत्र फ्लाइट रिकॉर्डर, डिजिटल फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (डीएफडीआर) और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर (सीवीआर) में से डीएफडीआर का डेटा एएआईबी की फ्लाइट रिकॉर्डर लैब में डाउनलोड कर लिया गया है। यह रिकॉर्डर अमेरिकी कंपनी एल3 क्यूनिकेशंस द्वारा निर्मित है। वहीं, सीवीआर, जिसे हनीवेल ने बनाया है, उसकी विस्तृत तकनीकी जांच जारी है। सीवीआर का डेटा रिकवर करने के लिए संबंधित कंपनी से तकनीकी सहयोग मांगा गया है।

राजनीतिक बयानबाजी हुई तेज

ब्लैक बॉक्स के जलने के दावों पर राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। एनसीपी (शरद गुट) के विधायक और पवार के भतीजे रोहित पवार ने कहा कि ब्लैक बॉक्स भीषण आग और धमाकों से सुरक्षित रह सकता है, लेकिन महाराष्ट्र की राजनीति से नहीं। विशेषज्ञों का कहना है कि ब्लैक बॉक्स 1100 डिग्री सेल्सियस तापमान को एक घंटे तक और 260 डिग्री तापमान को लगभग 10 घंटे तक सहन कर सकता है। ऐसे में उसके पूरी तरह जलने की संभावना कम बताई जा रही है।

28 जनवरी को हुआ था हादसा

पुणे जिले के बारामती में 28 जनवरी की सुबह वीएसआर वेंचर्स कंपनी का लेयरजेट 45 विमान क्रैश हो गया था। इस हादसे में अजित पवार समेत कुल पांच लोगों की मौत हुई थी। विमान सुबह 8:10 बजे मुंबई से रवाना हुआ था और करीब 8:45 बजे बारामती के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे के दूसरे दिन ब्लैक बॉक्स बरामद किया गया था।

सीबीआई जांच की मांग

अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार ने अन्य एनसीपी नेताओं के साथ मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर हादसे की सीबीआई जांच की मांग की है। इस प्रतिनिधिमंडल में सुनील तटकरे और प्रफुल्ल पटेल भी शामिल थे। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में केंद्र सरकार से चर्चा का आश्वासन दिया है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के अनुसार, जांच विमान दुर्घटना जांच नियम, 2017 और

आईसीएओ एनेक्स-13 के अंतरराष्ट्रीय मानकों के तहत की जा रही है। एएआईबी ने अपील की है कि जांच पूरी होने तक अटकलों से बचा जाए। ब्यूरो ने भरोसा दिलाया है कि निष्कर्ष पूरी तरह तकनीकी साक्ष्यों पर आधारित होंगे।

इतिहासकार इरफान हबीब पर पानी और कूड़ेदान फेंका गया, अधिकार रैली में यूट्यूबर के साथ मारपीट

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। दिल्ली में इन दिनों साहित्य महोत्सव चल रहा है, लेकिन बृहस्पतिवार को इतिहासकार प्रो. इरफान हबीब पर पानी फेंकने और शुक्रवार को यू-ट्यूबर के साथ मारपीट की घटना ने कैंपस के माहौल को गरमा दिया है। डीयू के आर्ट्स फैकल्टी में छात्र संगठन आइसा के समता उत्सव के नाम से पीपल्स लिटरेचर फेस्टिवल में प्रो. हबीब के बोलने पर पानी और कूड़ेदान फेंकने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस घटना पर छात्र संगठन आइसा ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) पर कार्यक्रम में बाधा डालने का आरोप लगाया। आइसा का कहना है कि एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम में रुकावट डालने का प्रयास किया। सीपीआई (एम) ने भी इस घटना की निंदा की। सीपीआई (एम) की ओर से कहा गया कि डीयू में दक्षिणपंथी लिटरेरी फेस्टिवल के विकल्प के रूप में विचारों के मंच के तौर पर आयोजित किया गया था। सीपीआई (एम) ने मांग की है कि इस घटना में शामिल दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और डीयू परिसर में लोकतांत्रिक कार्यक्रमों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। वहीं एबीवीपी ने इन आरोपों को सिरे से नकारा। एबीवीपी की ओर से बयान जारी कर कहा गया कि छात्रों के बीच एबीवीपी की बढ़ती लोकप्रियता से वामपंथी छात्र संगठन विचलित हो गए हैं। इस कारण से ऐसे आरोप लगाए जा रहे हैं। एबीवीपी की ओर से कहा गया है कि इरफान हबीब जैसे वामपंथी इतिहासकारों के विचारों को छात्रों के साथ-साथ समाज ने भी नकार दिया है। एबीवीपी दिल्ली प्रदेश मंत्री सार्थक शर्मा की ओर से जारी बयान में कहा गया कि 9 से 11 फरवरी तक मदारी नाम से एक कला महोत्सव आयोजित किया। उसमें डीयू समेत अन्य विश्वविद्यालयों की नुक्कड़ नाटक समितियों ने हिस्सा लिया। इस सफल आयोजन से आइसा परेशान होकर एबीवीपी कार्यकर्ताओं की छवि खराब करने की कोशिश कर रही है। शुक्रवार को आइसा की अधिकार रैली में मारपीट की घटना हुई। अधिकार रैली इरफान हबीब पर पानी फेंकने और यूजीसी इक्विटी रेगुलेशंस को लागू करने और सामाजिक न्याय से जुड़े मुद्दों पर आवाज उठाने के लिए आयोजित की गई थी। इसमें शामिल छात्रों ने जमकर नारेबाजी की। रैली में एक यू-ट्यूबर के सवाल करने पर मारपीट की घटना हुई, उनके साथ हाथापाई भी हुई। इससे कैंपस का माहौल गरमा गया है। वहीं आइसा ने इस घटना से अपना पल्ला झाड़ लिया है। जबकि एबीवीपी ने इस घटना में शामिल दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

पहले दामाद अब जीजा संग भागी सास, पिता ने कर ली दूसरी शादी; पर कब सजेगा बेटी का मंडप ?

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में सास-दामाद वाली लव स्टोरी एक बार फिर सुर्खियों में है। करीब 10 महीने पहले शुरू हुई इस अनोखी प्रेम कहानी में, दामाद राहुल को अपनी होने वाली सास अनीता देवी से दिल लग गया। बात इतनी आगे बढ़ी कि दोनों ने समाज और परिवार की परवाह किए बिना साथ रहने का फैसला कर लिया। इसके बाद राहुल, अनीता देवी को उनके घर से लेकर चला गया। इस मामले में अनीता देवी के पूर्व पति जितेंद्र ने थाना मडराक में दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस हरकत में आई और कुछ ही समय में दोनों को हिरासत में ले लिया गया था। हालांकि पूछताछ के दौरान अनीता देवी और राहुल ने साफ कहा कि वे अपनी मर्जी से साथ रहना चाहते हैं और एक-दूसरे से प्यार करते हैं। उनका कहना था कि किसी ने उन्हें मजबूर नहीं किया, बल्कि यह उनका आपसी फैसला है। अब करीब 10 महीने बाद इस मामले में एक नया मोड़ ले लिया है। दोनों की मोहब्बत के बीच में दरार आ चुकी है। दोनों एक दूसरे से अलग भी हो चुके हैं। अब इस कहानी में एक नए किरदार की एंट्री हो चुकी है। इस बार यह महिला का जीजा है। राहुल का आरोप है कि महिला अपने जीजा देवेंद्र के साथ फरार हो गई है। इतना ही नहीं जिस घर में दोनों रहते थे वहां से वह दो लाख रुपये नकद और जेवर साथ ले गई। राहुल ने पुलिस में गुहार लगाई है। वहीं सास ने भी पूर्व प्रेमी राहुल पर आरोप लगाए हैं। जो बेहद गंभीर भी हैं। अनीत का आरोप है कि राहुल उसे बंधक बनाकर पीटता था। जो गहने और रुपये वह साथ ले गई थी उसने सब हड़प लिया। महिला ने कहा कि जब मैं उसके साथ गई थी करीब एक माह तक तो उसने सही रखा, उसके बाद वो पता नहीं क्या-क्या खिलाने लगा। मुझे कुछ पता नहीं रहता था। मुझे ताले में बंद रखता है। मैं जो अपने साथ लेकर गई थी, वो सबकुछ हड़प लिया उसने। टॉयलेट भी अंदर ही करती थी। मेरे साथ बहुत मारपीट करता था। आधा किलो चांदी उसकी मां के पास है। अब वह राहुल के साथ अब कभी नहीं रहूंगी। अनीत ने आरोप लगाया कि राहुल महिलाओं को बेचता था। महिलाओं का धंधा करता है। मुझे अपने किये पर बहुत पछतावा है। एक पड़ोसी महिला की मदद से वह बचकर निकली और अलीगढ़ आई थी। मेरे जीजा पर गलत आरोप लगा रहा है। वो गरीब आदमी हैं। उसने कई लड़कियों की जिंदगी बर्बाद कर दी। उसे सजा होनी चाहिए। उसे जेल होनी चाहिए। थाना दादों के गांव मछरिया नगला निवासी राहुल कुमार की शादी अप्रैल 2025 में थाना मडराक के गांव मनोहरपुर में तय हुई थी। सगाई के बाद उसकी होने वाली सास सपना देवी के साथ मोबाइल पर बात होने लगी। बातचीत का सिलसिला बढ़ा और धीरे-धीरे दामाद-सास की नजदीकियां प्यार में बदल गई। राहुल और पुलिस के अनुसार विवाह से करीब 12 दिन पहले सपना देवी पति, परिवार को छोड़कर वह उसके पास चली आई थीं। पति ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी, पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए बिहार सहित कई राज्यों में दबिश दी।

दिल्ली के उद्योग भवन मेट्रो स्टेशन का नाम बदला, अब हो गया सेवा तीर्थ भवन

नई दिल्ली। सरकार का कहना है कि नए कर्तव्य भवनों से विभिस्त मंत्रालयों और विभागों के कामकाज में बेहतर समन्वय होगा। साथ ही, कर्मचारियों को आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी, जिससे कामकाज में पारदर्शिता व दक्षता बढ़ेगी। इससे पहले पीएम मोदी, केंद्रीय मंत्री मनोहरलाल व जितेंद्र सिंह और शीर्ष अधिकारियों के साथ सेवा तीर्थ परिसर पहुंचे और पीएमओ, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय और कैबिनेट सचिवालय वाले इस परिसर का उद्घाटन किया। उन्होंने नए कार्यालय में भगवान गणेश की प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया। इस दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, प्रधान सचिव पीके मिश्रा और शक्तिकांत दास समेत कई शीर्ष अधिकारी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री कार्यालय का नाम 'सेवा तीर्थ' रखा गया है जबकि केंद्रीय सचिवालय की दो इमारतों को 'कर्तव्य भवन' 1 और 2 कहा जाएगा।

NAME CHANGE

I Nitesh Sah R/o 62/1 Shiv Puri, Badli, PO, Samai Pur, Dist North West Delhi - 110042 have changed my name Niteshwar Kumar for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Vaishali Chugh D/o Om Parkash Chugh R/o House No: 1111/7, Kasban Mohalla, Partap Bazar, Hansi, Hisar - 125033, Haryana, have changed my name to Vaishali for all intends and purposes.

NAME CHANGE

I Chand Biwi W/o Badruddin R/o Ilasiya Grant, Sitapur, Uttar Pradesh - 261001, have changed my name to Gudiya.

NAME CHANGE

I Sukhbai W/o Harbal Meena R/o Indrapura, PO-Thana, Dist-Alwar, Rajasthan - 301408, have changed my name to Sukh Bai Meena.

NAME CHANGE

I Mona Garg W/o Nitin Agarwal R/o Flat No-1304, Ganga Apartment, Kaushambi, I.E.Sahibabad S.O, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201010, have changed my name to Monika Agarwal

NAME CHANGE

I Jai Devi W/o Arjun Lal R/o Karmalkuiyan,Bahadur Nagar, Sitapur, Bahadurnagar, Uttar pardesh - 261151, have changed my name to Shyama.

NAME CHANGE

I Harish Kumar S/o Ashok Kumar R/o Para, Unnao, Uttar Pradesh - 209821, have changed my name to Girish Kumar.

NAME CHANGE

I, Jatin Chopra S/o Ashwani Kumar Chopra R/o 332, Turab Nagar, PO-Ghaziabad, Dist-Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201001 , have changed my minor daughter's name from Pari Chopra aged 10 years to Bhargavi Chopra forever.

NAME CHANGE

I Rajneesh Kumar S/o Ashok Kumar R/o Para, Unnao, Uttar Pradesh - 209821, have changed my name to Aashu.

Name Correction

I ANISA W/O MOHD ZAHID Resident of House No 3 GALI NO 1 JAFRABAD SEELAMPUR Delhi 110053 do hereby solemnly affirm and declare as under.That my Passport No J 0931574 under mention my incorrect Husband name is JAHID My HUSBAND Correct name MOHD ZAHID.

Name Correction

I MOHD ZAHID S/O MOHD IBRAHIM Resident of House No 3 GALI NO 1 JAFRABAD SEELAMPUR Delhi 110053 do hereby solemnly affirm and declare as under.That my Passport No N8715442 under mention my incorrect name is ZAHID My Correct name MOHD ZAHID.

NAME CHANGE

I, NO-9111693L, Rank-HAV Name-TASVIR HUSSAIN residing at W NO-07, DEGWAR TERWAN, PO-DEGWAR MALDALYAN, DIST-PUNCH, JAMMU AND KASHMIR-185101, have changed my minor daughter's name from AIZA KOSER to AIZA FATIMA for all future purposes and in my service records my daughter's date of birth wrongly mentioned as 11/04/2017 instead of her correct date of birth as 11/03/2016 vide Affidavit dated 18/02/2026 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE

It is for general information that I, MURTAZA KHOKHAR S/O SAIFUDDIN KHOKHAR R/O 141-j extension. Top floor. Opp nanak motor. Laxmi nagar. Delhi -110092 declare that name of mine, my wife and my minor son has been wrongly written as MURTAZA SAIFUDDIN KHOKHAR, SAKINA MURTAZA KHOKHAR and ALI ASGAR in my minor son namely ALIASGAR KHOKHAR aged 14 years in his school records and birth certificate No-MCDOLIR-0112-005300305. The actual name of mine, my wife and my minor son are MURTAZA KHOKHAR, SAKINA KHOKHAR and ALIASGAR KHOKHAR respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I,Pradeep Kumar S/o Kuldeep Singh R/o 93, Ground Floor, 10 C, Vasundhra, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201012 have changed the name of my Minor Daughter Gudiya aged 2 years and she shall hereafter be known as Madhvika Singh

NAME CHANGE

I, PRIYANKA , D/o SATVIR , R/o H. No. 40, Nanakpura, Moti Bagh-II, New Delhi-110021 , declare that in my educational records, my father's name is recorded as SATVIR , whereas in some of my other documents, he is mentioned as Satvir Singh, Satbir Dalal, or Satvir Singh Dalal . I affirm that all these names refer to one and the same person, i.e., my father. I shall continue to use SATVIR as his name in my passport and all future records.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती दीपिका शर्मा, आवासीय प्लॉट संख्या 69, क्षेत्रफल 125 वर्ग मीटर, खसरा संख्या 77 मि से संबंधित, स्थित रानी लक्ष्मी बाई नगर कॉलोनी, ग्राम डुन्डाहे?ा, परगना लोनी, तहसील एवं जनपद गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, को श्री ध्रुव गुप्ता एवं श्रीमती नीतू बंसल से क्रय करने का इरादा रखती हैं। श्री ध्रुव गुप्ता एवं श्रीमती नीतू बंसल ने उक्त संपत्ति को श्री सौरव कसाना से विक्रय विलेख दिनांक 04.06.2024 के माध्यम से क्रय किया था, जो दस्तावेज संख्या 6904 के रूप में पंजीकृत है। कृपया अवगत हों कि उक्त संपत्ति से संबंधित मूल श्रृंखला दस्तावेज, अर्थात विक्रय विलेख दिनांक 21.12.1989 (दस्तावेज संख्या 11137 के रूप में पंजीकृत), गुम हो गए हैं। अत: उपर्युक्त संपत्ति के संबंध में उक्त मूल दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं। उक्त दस्तावेजों के गुम होने के संबंध में ऑनलाइन प्राथमिकी (लॉस्ट रिपोर्ट संख्या 20260000178987) दिनांक 17.02.2026 को दर्ज कराई गई है। कृपया यह भी अवगत हों कि उक्त संपत्ति के लिए डीसीबी बैंक लिमिटेड (DCB Bank Limited), शाखा गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, द्वारा वित्तपोषित किए जाने का प्रस्ताव है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE

I, INAMULLA S/O MUMTAJ AHMAD R/O T-891, A-1, WARD NO-8, AULIYA MASJID, MEHRAULI, DELHI-110030 have changed my name to MOHD INAMULLAH for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SAURAVDEEP S/o SOHAN LAL R/o PLOT No-56, FLAT No-302, KAKROLA HOUSING COMPLEX, DWARKA MOR, NEW DELHI-110078, hereby declare that SOURAV and SAURAVDEEP refer to one and the same person i.e myself for all purposes both names belong to me.

NAME CHANGE

I, RAGHAVENDRA PRASAD KARIYAPPA ARISHINAGATTA NINGAPPA S/O KARIYAPPAA N residing at H NO-B-8 GROUND FLOOR, GALI NO-30, KAUSHIK ENCLAVE, KAMALPUR MAJRA BURARI, DELHI-110084. have changed my name to RAGHAVENDRA PRASAD K for all future purposes.

Public Notice

I hitherto known as JAIVIR SINGH S/O SHRI DEV KARAN, emplyoed as INSPECTOR in the Border Security Force at headquarters DG BSF, Block-10, CGO Complex, Lodhi Road, New Delhi-110003 R/O VILLAGE DOHKI, PO KITLANA, DISTT CHARKHI DADRI. HARYANA-127309 have changed my name and shall hereafter be known as JAIVIR SANGWAN.

Public Notice

I, JC-386611P Rank-SUB Name-C V D CHANDRASEKHAR SARMA residing at H.NO-4-21/2/1, VAYUPUTRA COLONY, BAHADURPALLY, HYDERABAD, TELANGANA-500043, have changed my minor son's name from C RISHITH to CHINTALAPUDI RISHITH for all future purposes vide affidavit dated 18/02/2026 Before Notary Public, Delhi.

Public Notice

I, JC-386611P Rank-SUB Name-C V D CHANDRASEKHAR SARMA residing at H.NO-4-21/2/1, VAYUPUTRA COLONY, BAHADURPALLY, HYDERABAD, TELANGANA-500043, have changed my minor son's name from C EKAANSH to CHINTALAPUDI EKAANSH for all future purposes vide affidavit dated 18/02/2026 Before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

My client Bhuri Devi W/o Late Om Pal R/o 201, Dayal Singh Colony, Old Ishwar Nagar, Sri Niwaspuri, New Delhi-110065, has disowned and debarred her son Rahul & his wife Jyoti from her all movable, immovable properties and has no relation with them in future.

Shabbir Ali, ADVOCATE
CH.NO.576,
SAKET COURTS
NEW DELHI-17

NAME CHANGE

I, Dimpi Kumari W/o Govinda Kumar R/o G79/B2 Jain Park, Kiran Garden, Uttam Nagar New Delhi 110059 have changed my name to Dimpi Sharma.

NAME CHANGE

I, Satoo W/o Virender Kumar Sharma R/o 102-F, Street No.5, Krishna Nagar, Safdarjung Enclave, Delhi-110029 have changed my name to Satya Sharma.

NAME CHANGE

I,Rahil S/o Akbar Ali R/o E-130/7, Gali No.8, Usman Pur, Jagjit Nagar, Khan Pur Dhani, Delhi-110053 have changed my name to Rahil Kamar.

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that our client Mr. Sanjay S/o Late Mr. Babu Ram is the owner of Freehold land area measuring 2 Bigha 12 Biswe 5 Biswansi., out of Khata No. 120, Khasra No. 99 Situated in the area Village Ilaichipur, Pargana Loni, Tehsil & Distt. Ghaziabad, U.P. by virtue of Sale Deed dated 19.03.2002, As Doc No. 4374, Vol No. 1684 Book No. 1 on Pages 255-259 on dated 19.03.2002 in SR- IV, Ghaziabad. Same has been lost and online FIR Reference So no. 430/2014 LR no. 3439215/2025 dated 18.12.2025 Crime Branch Delhi is also available now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and Plot area measuring 50 Sq. Yds., will be Sale to Mrs. Deepika Sharma W/o Mr. Shivam Mishra and same will be finance by Roha Housing Finance Pvt. Ltd. Branch: 2nd Floor, A-45, Block A, Sector 4, Noida, Uttar Pradesh - 201 301. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

I, JAIPAL S/o JAIKISHAN R/o House No. 1213 T Block , Mangolpuri , Mangolpuri N Block , North West Delhi , Delhi - 110083 have changed the name of my minor daughter SECOND BABY aged 5 years and she shall hereafter be known as DISHA.

NAME CHANGE

It is for general information that I HARISH CHANDER JOSHI S/o ISHWARI DUTT R/o WZ-470, 2nd Floor, Basai Darapur, Tanwar Road, Ramesh Nagar Metro Station, West Delhi, Delhi - 110015 declare that the name of mine has been wrongly written as HARISH CHAND SHARMA in my PPO No. F. No. DM(H)A/ 112/40/15/ 330/Pention/E-I(H). The actual name of mine is HARISH CHANDER JOSHI which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, TOMPE ANNA, is legally father of Army No. 2824222F, Rank – Sep, Name – TOMPE DNYANESHWAR ANNA, presently residing at Vill – Chandai Eko, Post – Chandai Eko, Teh – Bhokardan, Dist – Jalna, State – Maharashtra, Pin – 431213, have changed my name from TOMPE ANNA to TOMPE ANNA KISAN for all future purposes. Vide affidavit dated 18/02/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, JOTIBA, is legally father of Army No. 2820768K, Rank – Sep, Name – MAHENDRA JOTIBA PATIL, presently residing at Vill – SHIPPUR, Post – SHIPPUR, Teh – HUKKERI, Dist – BELAGAVI, State – KARNATAKA – 591225, have changed my name from JOTIBA to JOTIBA NARAYAN PATIL for all future purposes. Vide affidavit dated 18/02/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, PREMILA JOTIBA PATIL, is legally mother of Army No. 2820768K, Rank – Sep, Name – MAHENDRA JOTIBA PATIL, presently residing at Vill – SHIPPUR, Post – SHIPPUR, Teh – HUKKERI, Dist – BELAGAVI, State – KARNATAKA – 591225, have changed my name from PREMILA JOTIBA PATIL to PRAMILA JOTIBA PATIL for all future purposes. Vide affidavit dated 18/02/2026 before Public Notary Delhi.

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given on behalf of Mr. Raaj Kumar to inform to the public at large that Mr. Raj Kumar is purchasing the Freehold Residential Plot area measuring 50 Sq. Yds., part of Khasra No.918, situated at Village Shahpur Bamheta, Pargana Dasna, Tehsil & District Ghaziabad, Uttar Pradesh from Mrs. Usha Yadav who owned the said property vide Sale Deed Dated 22.02.2021 (Document No.1714) executed by Mr. Kannu and same will be financed & mortgaged by Hinduja Housing Finance Ltd., Branch-Gandhi Nagar. That, Original Sale Deed dated 11.10.2006 executed by Mr. Pawan Kumar in favour of Mr. Kannu, vide Doc. No.8287, Book No.1, Vol. No.6825, pages 107-116, dated 11.10.2006, SR-I, Ghaziabad has lost. So, to comply the requirements of BANK/NBFC, we give this public notice that if any Person having any type of claim/right/title/interest/creating mortgage over the said property, may inform in writing, at the address mentioned below, about his objections, within 7 days from today, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien etc.

Advocate Abhishek Singh
B-82, Ground Floor,
DLF Dilshad Extn.-II,
Bhopura, Ghaziabad, U.P.-201005
Mobile: 7706007066, 9310370510
Email:
advabhisingh1993@gmail.com

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री राम दुलारे, पुत्र श्री राम भरोसे, खसरा संख्या 382 में स्थित, ग्राम हल्दौनी, परगना, तहसील दादरी, जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश के क्षेत्र में स्थित 50 वर्ग गज के आवासीय भू-खण्ड को श्री यशवानी कुमार से क्रय करना चाहते हैं। श्री यशवानी कुमार एवं श्री कपिल कुमार ने उक्त संपत्ति को श्री गोविंद सिंह से दिनांक 05.06.2018 की विक्रय विलेख (दस्तावेज संख्या 11083) के माध्यम से संयुक्त रूप से क्रय किया था। तत्पश्चात, श्री कपिल कुमार ने अपनी ½ अविभाजित हिस्सेदारी श्री यशवानी कुमार को दिनांक 03.07.2021 की विक्रय विलेख (दस्तावेज संख्या 20220) के माध्यम से विक्रय कर दी। कृपया ध्यान दें कि उक्त संपत्ति से संबंधित मूल श्रृंखला दस्तावेज, अर्थात दिनांक 23.04.2014 की विक्रय विलेख (दस्तावेज संख्या 7774), गुम हो गए हैं। अत: उपर्युक्त संपत्ति के संबंध में उक्त मूल दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं। इन दस्तावेजों के गुम होने के संबंध में दिनांक 18.02.2026 को ऑनलाइन प्राथमिकी (लॉस्ट रिपोर्ट संख्या 113327/2026) दर्ज कराई गई है। कृपया यह भी अवगत हों कि उक्त संपत्ति के लिए वास्तु हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (Vastu Housing Finance Corporation Ltd.), नोएडा शाखा, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तपोषित किए जाने का प्रस्ताव है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

PUBLIC NOTICE

This is to inform general public at large that our client, **Mr. Javed Ansari** who have approached **VASTU HOUSING FINANCE CORPORATION LTD.,** for Home Loan of ENTIRE GROUND FLOOR WITHOUT ROOF RIGHTS, PART OF BUILTT UP PROPERTY NO. RZ-188(OLD)BUILT ON AREA MEASURING 100 SQ. YDS., OUT OF KHASRA NO15/4, SITUATED IN VILLAGE KHAYALA, RAVI NAGAR EXT. NEW DELHI.

It is to mention that in chain documents Death Certificate of Mrs. Ganda Devi and Mr. Chiranji Lal Yadav and Will executed by 1)Hira Singh 2) Mr. Rajinder Singh 3) Mr. Surender 4) Mr. Chiranji Lal Yadav are missing/lost in respect of ENTIRE GROUND FLOOR WITHOUT ROOF RIGHTS, PART OF BUILTT UP PROPERTY NO. RZ-188(OLD)BUILT ON AREA MEASURING 100 SQ. YDS., OUT OF KHASRA NO15/4, SITUATED IN VILLAGE KHAYALA, RAVI NAGAR EXT. NEW DELHI.

And the said property having area 100 Sq. yds., is going to be mortgaged in **VASTU HOUSING FINANCE CORPORATION LTD., F.NO-301/10165, MEZZANINE GURUDWARA ROAD, WEST EXTN, AREA KAROL BAGH , DELHI-110005.** All persons, if any, including bank, financial institutions, or any party/ies having any claim (Objection to Khasra Number), demand, right, interest in respect of or against the said property or any part thereof by way of inheritance, assignment, mortgage, charge, possession, lien or otherwise, are hereby required to make the same known in writing within 7 days with the documentary evidence from the date of publication, falling which the said claim of the person/s, if any will be considered waived and settled..

Ms. Rani Shilpee (Advocate)
Office Add: H. No. T/181, UGF,
Shukar Bazaar, Uttam Nagar, New
Delhi-110059

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती दीपिका शर्मा, आवासीय प्लॉट संख्या 69, क्षेत्रफल 125 वर्ग मीटर, खसरा संख्या 77 मि से संबंधित, स्थित रानी लक्ष्मी बाई नगर कॉलोनी, ग्राम डुंडाहेरा, परगना लोनी, तहसील एवं जनपद गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, को श्री ध्रुव गुप्ता एवं श्रीमती नीतू बंसल से क्रय करने का इरादा रखती हैं। श्री ध्रुव गुप्ता एवं श्रीमती नीतू बंसल ने उक्त संपत्ति को श्री सौरव कसाना से विक्रय विलेख दिनांक 04.06.2024 के माध्यम से क्रय किया था, जो दस्तावेज संख्या 6904 के रूप में पंजीकृत है। कृपया अवगत हों कि उक्त संपत्ति से संबंधित मूल श्रृंखला दस्तावेज, अर्थात विक्रय विलेख दिनांक 21.12.1989 (दस्तावेज संख्या 11137 के रूप में पंजीकृत), गुम हो गए हैं। अत: उपर्युक्त संपत्ति के संबंध में उक्त मूल दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं। उक्त दस्तावेजों के गुम होने के संबंध में ऑनलाइन प्राथमिकी (लॉस्ट रिपोर्ट संख्या 20260000178987) दिनांक 17.02.2026 को दर्ज कराई गई है। कृपया यह भी अवगत हों कि उक्त संपत्ति के लिए डीसीबी बैंक लिमिटेड, करोल बाग शाखा, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित किए जाने का प्रस्ताव है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE

I, hitherto known as BINDU SHARMA W/O Rakesh Sharma R/O GH-5-7/908, NEAR ST. MARK'S SCHOOL, PASCHIM VIHAR, PASCHIM VIHAR, DIST: West Delhi, Delhi-110087, have change my name and shall hereafter be known as MEGHA SHARMA.

NAME CHANGE

I hitherto known as NIKITA TRIVEDI alias KANCHAN W/O PRABHAKAR TRIVEDI R/O D-123, D BLOCK, NEW SEELAMPUR, JAFFRABAD, NORTH EAST DELHI, DELHI-110053 have changed my name and shall hereafter be known as NIKITA TRIVEDI.

NAME CHANGE

I Shobha W/0 Shiv Kumar R/0 E-83 B.Jaitpur Extn.Badarpur Delhi 110044 Changed my name to Shobha Sarkar

NAME CHANGE

I Rajinder Kumar S/0 Kishan Lal R/0 X-9/23 Gali No 9 Brahmpur Delhi 110053 Changed my name to Rajinder Arora

NAME CHANGE

I Satish Chand S/0 Rajinder Prasad Gupta R/0 B-39/12-A U/G/F Gali No 1 Arjun Molalla Near Jain Mandir Maujpur delhi 110053 Changed my name to Satish Chand Gupta

NAME CHANGE

I Mohd Zaki S/0 Abdul Rauf Ansari R/0 H.No -R -3/14 Street No -22 Braha mpuri Delhi 110053 Changed my name to Mohd Zaki Ansari

NAME CHANGE

I, Minni D/o Sadhu Ram, R/o 1/9216 T/F, Gali no.-5, West Rohtash Nagar, Delhi-32, have changed my name to Minni Sharma.

PUBLIC NOTICE

This is to inform the general public at large that Muthoot Homefin (India) Ltd., having its branch office at Delhi, proposes to extend a financial facility to Mr. Hassim against the security of a Third Floor, with roof rights, area measuring 41.80 Sq. Mts i.o., 50 Sq. Yds., Built upon property bearing No. B-9, out of Khasra No. 888/81, Situated in the Jyoti Colony, Village Sikdarpur, Shahdara, Delhi-110032. (hereinafter referred to as the "Said Property") The Said Property was owned by Smt. Shukran W/o Sh. Abdul Rahim, vide Notarized General Power of Attorney. Notarized Agreement to Sell. Notarized Receipt & Notarized Will dated 17.10.1997 executed by Sh. Nasibuddin S/o Sh. Abdul Razak.. Smt. Shukran W/o Sh. Abdul Rahim expired intestate on 01.09.2012 and her husband Sh. Abdul Rahim S/o Sh. Allah Bux had predeceased her on 20.12.2003. Since the Succession Certificate/Legal Heir Certificate and Death Certificates of Late Smt. Shukran and Late Sh. Abdul Rahim are not available, the present Public Notice is being issued for the purpose of inviting claims and objections, if any, and for ascertaining the legal heirs of Late Smt. Shukran W/o Late Sh. Abdul Rahim in respect of the Said Property. Any person(s) having any right, title, interest, claim or objection in respect of the Said Property or claiming to be the legal heir of Late Smt. Shukran and/or Late Sh. Abdul Rahim is hereby called upon to submit their claim along with supporting documentary evidence within 7 days from the date of publication of this notice to Adv. Rishi Maheshwari (Mobile: +91-9340118309). In case no objection is received within the stipulated period, it shall be presumed that there is no claim or objection from any person, and Muthoot Homefin (India) Ltd. shall proceed with the proposed financial facility at its own risk and responsibility, without any further reference.

Rishi Maheshwari (Advocate)
Office At : RZ-29, Upper Ground Floor, Bhagwati Garden Jain Road,
Near Dwarka More
New Delhi 110059.
Contact No- +91- 9340118309

NAME CHANGE

I NAZIM S/O LAIK AHMED R/O NEW F-159 RAGHUBIR NAGAR DELHI-110027,I have changed my name to NAZIM KHAN Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I AAFTAB AHMED ABRAR AHMED S/O ABRAR AHMED R/O H.NO F-148/1 SHAHEEN BAGH JAMIA NAGAR DELHI-110025,I have changed my name to AAFTAB AHMED Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I RITIKA RAMDAY W/O SUMIT RAMDAY R/O FLAT NO 601 EAST WEST SOCIETY PLOT NO-99 SECTOR 54 GURGAON 122001,I have changed my name to RITIKA SHARMA Permanently for all Future purpose

सार्वजनिक सूचना

कि, मिसेज नीरू हसीजा, मेसर्स कैन फिन होम्स लिमिटेड से रेजिडेंशियल हाउस नंबर 421/11, जिसका साइज़ 40 Sq. Yards है, के लिए लोन मांग रही हैं। यह रेजिडेंशियल कॉलोनी अर्जुन नगर/वीर नगर, गुरुग्राम तहसील और डिस्ट्रिक्ट गुरुग्राम (हरियाणा) में है; जिसे आगे कहीं दी गई प्रॉपर्टी कहा जाएगा; कि मिसेज नीरू हसीजा ने हमें बताया है कि उन्होंने नीचे दिया गया डॉक्यूमेंट यानी करेक्शन/टार्टिमा डीड 5474, जो मिसेज नीरू हसीजा के फेवर में 21.08.2023 के जरिए था जिसका LR नंबर 132270992600080 यह है, कहीं खो दिया है या गलत जगह रख दिया है, जो ट्रेस नहीं हो रहा है या मिल नहीं रहा है। अगर किसी व्यक्ति को ऊपर दिए गए डॉक्यूमेंट्स पर कानूनी वारिसों, मॉर्गेज, गिफ्ट, लीज़, विरासत, लियन या किसी और तरह से कोई दावा मिला है या ऊपर दिए गए डॉक्यूमेंट्स पर कोई एतराज़ है, तो वे इसे छपने की तारीख से 7 दिनों के अंदर नीचे दिए गए दिल्ली ऑफिस के पते पर लिखकर बताएं। इन डॉक्यूमेंट्स को ऐसे दावों के लिए अमान्य घोषित कर दिया जाना चाहिए और अगर कोई दावा है, तो उसे माफ कर दिया जाएगा और ऐसा न करने पर, ऊपर दिए गए मालिकों के साथ बिक्री का सौदा पूरा किया जाएगा, जैसे कि प्रॉपर्टी के बारे में कोई तीसरे पक्ष का दावा/एतराज़/विवाद न हो और उसके बाद किसी भी दावे/एतराज़/विवाद पर विचार नहीं किया जाएगा।

मेसर्स पास एंड एसोसिएट्स , एलएलपी
बी-132, मालवीय नगर,
नई दिल्ली-110017
मोबाइल नंबर - 9991119392

NAME CHANGE

I hitherto known as SUMAN W/O RAJESH KUMAR R/O RZ F 15, GALI NO-3, MAHAVIR ENCLAVE, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110045 have changed my name and shall hereafter be known as SUMER.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, Mantasha D/o Aftab Ali, R/o Q-40, Gali no. 19, Brahampuri, Garhi Mendu, PO: Bhajan pura, DIST: North East Delhi, Delhi - 110053, declare that name of my Father and Mother have been Wrongly written as Aftab and Asiya in my 10th and 12th Class Educational Documents. The actual name of my Father and Mother are Aftab Ali and Asiya Begum

NAME CHANGE

I Subhash Baghel S/o Mahavir Singh Baghel, R/o Village patiwara, Rajaudha, PO: Rajodha, DIST: Morena, Madhya Pradesh - 476115 have changed my name Subhash Singh Baghel for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

Public at large is hereby informed that my client Smt. Kavita, wife of Shri Anil, resident of A-372, A-Block Huts, Dhobi Ghat, Kirbi Place, Delhi Cantt, South West Delhi, Delhi - 110010, has disowned her daughter Ritika, daughter of Smt. Kavita, resident of A-372, A-Block Huts, Dhobi Ghat, Kirbi Place, Delhi Cantt, South West Delhi, Delhi - 110010, from all her movable and immovable properties and has severed all relations with her in every respect with immediate effect. It is further notified that the above-named Ritika shall have no right, title, interest, or claim whatsoever in any present or future movable or immovable assets, properties, or estate of my client. Any person dealing with the above-named Ritika shall do so at his/her own risk, cost, and consequences, and my client shall not be responsible or liable for the same in any manner whatsoever.

S. Mohit Advocate
CHAMBER NO. 283
LAWERYS CHAMBER COMPLEX,
PATIALA HOUSE COURTS,
NEW DELHI-110001
MOBILE NO.-
9311412727,9811412727

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/84 भा.न.स.स.देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अमीर** पुत्र अब्दुल नवी, निवासी- गली नंबर 10, अखाड़े वाला रोड, बाबू होटल के पास, अशोक विहार, लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 169/2020 धारा 392/411/34 भा.द.स, थाना मानसरोवर पार्क, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अमीर** मिल नहीं रहा और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है की उक्त अभियुक्त **अमीर** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इस लिए इस के द्वारा उद्घोषणा कि जाती है की उक्त अभियुक्त **अमीर, प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 169/2020 धारा 392/411/34 भा.द.स, थाना मानसरोवर पार्क, दिल्ली** न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **27.03.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेश से
सुश्री ऐश्वर्या सिंह कश्यप
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी
पहली मंजिल, शाहदरा जिला
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/1803/SHD/2026

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्तः **मुनीश**, पुत्रः **मोहम्मद शाहिद**, निवासीः **गौरव मार्केट, राम पार्क गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) **FIR No. 04/2019 U/S 279/338 IPC, 3/181, 146/196 NI ACT** के तहत एक मामला **थाना खजूरी खास, पूर्वी जिला, दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया कि अभियुक्त **मुनीश** नहीं मिला या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि अभियुक्त **मुनीश** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा कि **FIR No. 04/2019 U/S 279/338 IPC, 3/181, 146/196 NI ACT, थाना खजूरी खास, पूर्वी जिला, दिल्ली** के अभियुक्त **मुनीश** को उक्त परिवाद का जवाब देने के लिए **दिनांक 30.03.2026** को या उससे पहले अदालत के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

आदेशानुसार, सुश्री श्रुति सारस्वत,
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-03
कमरा नंबर 22, प्रथम तल, उत्तर पूर्व जिला,
कड़कड़डूमा कोर्ट्स, दिल्ली।

DP/2162/NE/2026
(अदालती मामला)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी / 84 बीएनएसएस देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **1. वसीम पुत्रः हनीफ अहमद पताः मोहल्ला नया नूर गंज, मुराद नगर, जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश और 1151-ए, तुलसी निकेतन, भोपुरा, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 2. नदीम पुत्रः हनीफ अहमद 3. बालियान पत्नीः हनीफ अहमद दोनों अभियुक्त (2 और 3) निवासीः 1151-ए, तुलसी निकेतन, भोपुरा, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने case **FIR No. 463/2015 U/s 498-A/406/34 IPC, थानाः नन्द नगरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होंने किया है) और उन पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **1. वसीम 2. नदीम 3. बालियान** मिल नहीं रहे हैं और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **1. वसीम 2. नदीम 3. बालियान** फरार हो गए हैं (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहे हैं।)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि case **FIR No. 463/2015 U/s 498-A/406/34 IPC, थानाः नन्द नगरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **1. वसीम 2. नदीम 3. बालियान** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद / मुकदमा का उत्तर देने के लिए **दिनांक 20.03.2026** को या उससे पूर्व हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री निधि बाला
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, महिला कोर्ट-03
कमरा नं. 08, दूसरी मंजिल, शाहदरा
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/2015/NE/2026 (Court Matter)

NAME CHANGE

I Sushil Kanth S/o Dirgh Narayan Kanth R/o - E 1803, MAPSKO MOUNT VILLE, NEAR NAURANGPUR, SECTOR -79, Navrang(157), PO: Sikohpur, DIST:Gurgaon Haryana-122004 have changed my name to Sushil Kumar Kanth for all future purposes.

NAME CHANGE

I Kanchan Kumari Kanth W/o SUSHIL KUMAR KANTH, R/o - E 1803, MAPSKO MOUNT VILLE, NEAR NAURANGPUR, SECTOR - 79, Navrang(157), PO: Sikohpur, DIST:Gurgaon Haryana-122004 have changed my name to Kanchan Kanth for all future purposes.

NAME CHANGE

I hitherto known as Sanjeeda D/o Shamim R/o Khasra No 457, Sablu Garhi Road, Near Aaisha Masjid, Royal city, Loni Dehat, Loni, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102 have changed my name and shall hereafter be known as Bushra.

NAME CHANGE

I AJAY CHOUDHARY S/O VISHAN CHOUDHARY R/O H.NO-275, NEAR M M PUBLIC SCHOOL, PASONDA, SAHIBABAD, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201005 have changed the name of my minor son RITESH aged 5 years and he shall hereafter be known as DAKSH CHOUDHARY.

Public Notice

It is for general information that I, Himanshu Singh S/o Naresh Singh R/o 70 C, SK-2, Sector-93, Noida, Maharishi Nagar, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201304 declare that name of my mother has been wrongly written as Sangeeta Devi in my 12th Class Educational Documents. The actual name of my mother is Sangita Devi.

NAME CHANGE

I, NO-2503328F Rank- NK Name--NARINDER SINGH residing at VILL-RUREWAL PO-JODHWAL, TEHSIL-SAMRALA, DISTT-LUDHIANA, PUNJAB-141115, have changed my minor son's name from GURBAJ SINGH NAGRA to GURBAJ SINGH for all future purposes vide affidavit dated 18/02/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, No-2617293W, Rank-LNK, Name-MURUGAN S Father of ANANYA Presently residing at 5/30, SCHOOL STREET, VILL & PO-URMELALAGIAN, TALUK-TENKASI, DIST-TIRUNELVELI, TAMIL NADU-627852, have changed my minor daughter's name from ANANYA to ANANYA M for all future purposes vide Affidavit dated 18/02/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, KINTHADA NAGESWARA RAO S/o KINTHADA NOOKA RAJU Presently residing at FLAT NO-513, 5th FLOOR, MVV SILVER HOMES, DASPALLA LAYOUT, BEACH ROAD, YENDADA, VISAKHAPATNAM (RURAL), PO-YENDADA, DIST- VISAKHAPATNAM, ANDHRA PRADESH-530045, have changed my wife's name from K JAYATA to KINTHADA JAYATA for all future purposes and in my service records my wife's date of birth wrongly mentioned as 09/07/1983 instead of her correct date of birth as 03/07/1983 vide Affidavit dated 05/02/2026 before Notary Public, Visakhapatnam.

NAME CHANGE

I, KINTHADA NAGESWARA RAO S/o KINTHADA NOOKA RAJU Presently residing at FLAT NO-513, 5th FLOOR, MVV SILVER HOMES, DASPALLA LAYOUT, BEACH ROAD, YENDADA, VISAKHAPATNAM (RURAL), PO-YENDADA, DIST- VISAKHAPATNAM, ANDHRA PRADESH-530045, have changed my daughter's name from BILVIKA INDALA to KINTHADA BILVIKA for all future purposes vide Affidavit dated 05/02/2026 before Notary Public, Visakhapatnam.

NAME CHANGE

I, KINTHADA NAGESWARA RAO S/o KINTHADA NOOKA RAJU Presently residing at FLAT NO-513, 5th FLOOR, MVV SILVER HOMES, DASPALLA LAYOUT, BEACH ROAD, YENDADA, VISAKHAPATNAM (RURAL), PO-YENDADA, DIST- VISAKHAPATNAM, ANDHRA PRADESH-530045, have changed my son's name from BALA VEER KISHORE INDALA to KINTHADA BALA VEER KISHORE for all future purposes vide Affidavit dated 05/02/2026 before Notary Public, Visakhapatnam.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा के आयुष अस्पतालों में जल्द होंगी भर्तियां : आरती सिंह राव

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा है कि प्रदेश के आयुष अस्पतालों में रिक्त पदों पर जल्द भर्ती की जाएगी। इस संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं, ताकि रिक्त पदों को शीघ्र भरा जा सके और स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत बनाया जा सके। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि भिवानी स्थित 25 बिस्तरों वाले सरकारी अस्पताल के लिए विभिन्न पदों को मंजूरी दे दी गई है। इन पदों पर भर्ती प्रक्रिया जल्द ही प्रारंभ की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस अस्पताल में पांच पदों को नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) के निर्धारित मानकों के अनुसार स्वीकृति दी गई है। इसके अतिरिक्त, योगा इंस्ट्रक्टर की नियुक्ति पार्ट-टाइम नियमों के तहत की जाएगी।

नगर परिषद की बैठक में एडीसी के फोन न उठाने पर भड़की पार्षद

झज्जर। नगर परिषद झज्जर की हुई बजट बैठक के दौरान उस समय माहौल गरमा गया जब भारतीय जनता पार्टी की महिला पार्षद भागवंती एडीसी द्वारा फोन न उठाने के मुद्दे पर भड़क गईं। बैठक में डीएमसी का अतिरिक्त कार्यभार देख रहे एडीसी भी मौजूद थे। बैठक के बीच पार्षद भागवंती ने आवेश में आकर एडीसी से सीधे सवाल-जवाब करते हुए कड़ी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठाए। एडीसी जगनिवास को कड़े शब्दों में घेरते हुए कहा कि जनता उनके वार्ड की समस्याओं को लेकर सीधे सवाल करती है और जवाब देना पार्षद की जिम्मेदारी होती है। वार्ड निवासियों की समस्याओं के समाधान के लिए वह अधिकारियों को संपर्क के लिए प्रयास करती हैं तो सही व्यवहार न होने पर बहुत कष्ट होता है। जब जिला उपायुक्त पार्षदों के फोन उठा लेते हैं, तो एडीसी को फोन उठाने में क्या परेशानी है।

सीबीएसई की परीक्षा में सुरक्षा व्यवस्था व निर्बाध बिजली आपूर्ति उपलब्ध करवाएं विभाग :डीसी अपराजिता

कैथल। डीसी अपराजिता ने कहा कि केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की 10वीं और 12 वीं की परीक्षा 11 अप्रैल तक जारी रहेंगी। परीक्षा के सफल आयोजन हेतु सभी परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था एवं निर्बाध बिजली आपूर्ति की व्यवस्था करने के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने पुलिस विभाग को परीक्षा हेतू जिला कैथल में स्थित सभी परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा, कानून और व्यवस्था बनाए रखने, यातायात के सुचारू प्रवाह तथा परीक्षा के सुरक्षित और शांतिपूर्ण संचालन के लिए व्यापक पुलिस बल की व्यवस्था करने के आदेश जारी किए गए हैं। डीसी ने एसडीएम कैथल, गुहला तथा कलायत को आदेश जारी किए गए हैं कि अपने-अपने अधीन क्षेत्र में बने परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा के सुरक्षित और शांतिपूर्ण संचालन एवं सफल आयोजन हेतु परीक्षा केंद्रों का समय-समय पर निरीक्षण करें तथा इसकी रिपोर्ट उपायुक्त कार्यालय में प्रस्तुत करें। उन्होंने उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के अधीक्षक अभियंता को निर्देश जारी करते हुए कहा कि सभी परीक्षा केंद्रों पर निर्बाध बिजली आपूर्ति उपलब्ध करवाई जाए।

पलवल को मिली चार सुपर सकर मशीनों की सौगात, सीवरेज व्यवस्था होगी सुदृढ़ : गौरव गौतम

पलवल। हरियाणा के खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने पलवल में सीवर लाइनों की सफाई के लिए लगभग तीन करोड़ रुपये की लागत से खरीदी गई चार सुपर सकर मशीनों का रिबन काटकर एवं नारियल फोड़कर शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष विपिन बैंसला सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति और विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। खेल राज्य मंत्री ने कहा कि पलवल में पहली बार प्रदेश सरकार द्वारा पब्लिक हेल्थ विभाग को आधुनिक सुपर सकर मशीनें उपलब्ध करवाई गई हैं। इन मशीनों की सहायता से शहर की सीवरेज व्यवस्था को अधिक प्रभावी और सुचारू बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह सीवर क्लीनिंग मशीन वैक्यूम और जेटिंग तकनीक का उपयोग कर सीवरेज लाइनों से गाद, कीचड़ और ठोस अपशिष्ट को बाहर निकालने में सक्षम है।उन्होंने जानकारी दी कि यह मशीन 2200 पीएसआई तक के हाई-प्रेशर जेट से अवरुद्ध सीवर लाइनों को खोल सकती है तथा

इसमें लगभग 10,000 लीटर तक कचरा संग्रहण की क्षमता है। इन मशीनों के संचालन से सफाई कार्य में तेजी आएगी और मैन्युअल सफाई की आवश्यकता में भी कमी आएगी। गौतम ने कहा कि सुपर सकर मशीनों के उपयोग से पलवल की सीवरेज और ड्रेनेज प्रणाली सुदृढ़ होगी तथा शहर को जलभराव की समस्या से राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि पलवल के सौंदर्यीकरण के लिए चौक-चौराहों का विकास किया जा रहा है और करोड़ों रुपये की लागत से सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है।उन्होंने विश्वास दिलाया कि पलवल के विकास को गति देने के लिए सरकार सकारात्मक सोच के साथ कार्य कर रही है और जनता से किए गए सभी वादों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा। आगामी बजट में भी पलवल के विकास को विशेष महत्व दिया जाएगा।

पहले बजट की 248 में से 77 घोषणाएं पूरी : नायब सैनी

-मुख्यमंत्री ने बजट सत्र से पहले जारी किया रिपोर्ट कार्ड

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 20 फरवरी से शुरू होने जा रहा हरियाणा विधानसभा का बजट सत्र प्रदेश के विकास की दिशा को सशक्त आधार प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हरियाणा निवास चंडीगढ़ में पत्रकारों से रूबरू हो रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि 19 सितंबर 2024 को जारी किए गए संकल्प पत्र के 217 वादों में से 60 वादे पूरे किए जा चुके हैं और 120 वादों पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 17 मार्च 2025 को उन्होंने विधानसभा में बतौर वित्त मंत्री अपना पहला बजट प्रस्तुत किया था। उस बजट वर्ष में 248 घोषणाएं की गई थीं। इनमें से 77 बजट घोषणाएं पूरी कर ली गई हैं और 165 बजट घोषणाओं का कार्य अंतिम चरण में है, जिन्हें जल्दी ही पूरा कर लिया जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि वर्ष 2026-27 के लिए बजट बनाने की प्रक्रिया जारी है। अब तक प्री बजट कुल 13

बैठकें की हैं। इनमें उन्हें 2199 सुझाव प्राप्त हुए। इस बार प्रदेश सरकार ने ए.आई. चैटबॉट का नया प्रयोग किया। इसके माध्यम से भी लगभग 12 हजार 400 सुझाव प्राप्त हुए हैं। इन सभी पर मंथन जारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार कम से कम 4-5 हजार सुझावों को आगामी बजट वर्ष 2026-27 में सम्मिलित करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका हरियाणा की जनता से वादा है कि आगामी बजट वर्ष 2026-27 न केवल जनता की भावनाओं और आकांक्षाओं को भली-भांति पूरा करेगा, बल्कि उनके परिवारों, गांवों, शहरों, जिलों और समूचे हरियाणा के विकसित भविष्य की सुदृढ़ नींव रखेगा। उन्होंने हरियाणा की अर्थव्यवस्था और राजकोष की स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि 29 जनवरी, 2026 को योजना विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार राज्य का सकल घरेलू उत्पाद अर्थात जी.डी.पी. वर्ष 2025-26 के अग्रिम अनुमान आंकड़ों के अनुसार 13 लाख 67 हजार 769 करोड़ रुपये रही है। जबकि गत वर्ष के इन्हीं आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2024-25 में यह 12 लाख 13 हजार 951 करोड़ रुपये थी। ये आंकड़े दर्शाते हैं कि वर्ष 2025-26 में वर्ष 2024-25 के मुकाबले राज्य की जी.डी.पी. 12.67 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। 29 जनवरी, 2026 को योजना विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2024-25 में राज्य की प्रति व्यक्ति आय 3 लाख 58 हजार 171 रुपये रही है, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर प्रति व्यक्ति आय 2 लाख 19 हजार 575 रुपये है। हरियाणा की प्रति व्यक्ति आय देश के शीर्ष 5 राज्यों में शामिल है।मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में हरियाणा की प्रति व्यक्ति आय लगातार बढ़ी है। वर्ष 2014-15 में राज्य की प्रति व्यक्ति आय एक लाख 47 हजार 382 रुपये थी। इन आंकड़ों से यह पूर्णतः स्पष्ट होता है कि पिछले 10 वर्षों में राज्य की प्रति व्यक्ति आय में लगभग ढाई गुणा की वृद्धि हुई है। वर्ष 2024-25 में राज्य सरकार के सभी विभागों का वास्तविक खर्च 1 लाख 75 हजार 801 करोड़ रुपए था, जबकि वर्ष 2014-15 में यह केवल 61 हजार 904 करोड़ रुपए था। चालू वित्त वर्ष में 16 फरवरी, 2026 तक सभी विभागों का वास्तविक खर्च 1 लाख 59 हजार 747 करोड़ रुपये है। मार्च माह तक यह आंकड़ा लगभग 2 लाख करोड़ रुपये हो जाएगा, जो कि बजट का लगभग 98 प्रतिशत है।

अधिकारियों द्वारा विधायकों की अनदेखी का मुद्दा गर्माया

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने अधिकारियों द्वारा विधायकों की सुनवाई नहीं करने तथा अनदेखी किए जाने का मुद्दा एक बार फिर से उठ गया है। कैथल जिले में एक विधायक के खिलाफ एसडीएम से अभद्र व्यवहार करने के बाद पुलिस द्वारा मामला दर्ज किया गया है। यह मामला विधानसभा के सत्र में उठे इससे पहले ही विधान सभा सचिवालय में प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी के साथ बैठक कर चर्चा की।

इस दौरान उन्होंने विधायकों की ओर से प्राप्त उन शिकायतों पर भी कड़ा संज्ञान लिया है, जिनमें कुछ सरकारी अधिकारियों पर निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के साथ संतोषजनक एवं अपेक्षित शिष्टाचारपूर्ण व्यवहार नहीं करने के आरोप लगाए गए हैं।

विस अध्यक्ष ने निर्देश दिए कि जनप्रतिनिधियों के साथ शासकीय कार्यों में निर्धारित प्रक्रिया, मर्यादा और पारस्परिक सम्मान का पूर्ण पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रशासन और विधायकों के बीच आधिकारिक व्यवहार के संबंध में केंद्र सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों में स्पष्ट रूप से अपेक्षा की गई है कि अधिकारियों द्वारा जनप्रतिनिधियों के साथ विनम्र, समयबद्ध और उत्तरदायी व्यवहार किया जाए। उनके पत्रों, सुझावों और संदर्भों पर नियमानुसार प्राथमिकता के साथ कार्रवाई की जानी चाहिए तथा संवाद की प्रक्रिया पारदर्शी और सम्मानजनक होनी चाहिए।

बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने कुछ विधायकों द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों के साथ अलोकतांत्रिक भाषा का इस्तेमाल करने की बात भी विस अध्यक्ष के संज्ञान में डाली। इस पर विधान सभा अध्यक्ष ने यह भी उल्लेख किया कि लोक सभा की विशेषाधिकार समिति की रिपोर्ट में जनप्रतिनिधियों के लिए भी नैतिक आचरण के मानदंड निर्धारित किए गए हैं।

हरियाणा में आतंकवाद विरोधी दस्ते के गठन को मंजूरी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में बहुत जल्द आतंकवाद विरोधी दस्ता (एटीएस) का गठन किया जाएगा। गृह विभाग के प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री नायब सैनी ने बीती रात स्वीकृति प्रदान कर दी है। गृह विभाग ने प्रस्तावित एटीएस के गठन को लेकर प्रस्ताव भी सार्वजनिक कर दिया है। सीएम की मंजूरी के बाद प्रस्ताव को वित्त विभाग के पास भेज दिया गया है। गृह मंत्रालय की ओर से 2023 और 2024 में नई दिल्ली में आयोजित आतंकवाद विरोधी सम्मेलन में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा एक समान अखिल भारतीय आतंकवाद विरोधी दस्ते तैयार करने का निर्णय लिया गया था। इसी के तहत 17 जनवरी 2025 को एक पत्र हरियाणा सरकार को भी भेजा गया था। ड्राफ्ट योजना में प्रस्ताव में दिया गया है कि पंचकूला में मुख्यालय के साथ सीआईडी के अंतर्गत एक आतंकवाद-विरोधी दस्ता (एटीएस) सेंटर स्थापित किया जाए। एटीएस के उद्देश्य, संरचना और गठन गृह मंत्रालय द्वारा दिए गए मॉडल के अनुसार तैयार किए गए हैं। गुरुग्राम में एक अलग एटीएस पुलिस स्टेशन बनाया जाएगा। खास बात यह है कि एटीएस में शामिल होने वाले अधिकारी और कर्मचारियों के लिए स्पेशल अलाउंस को बेसिक वेतन के तहत 30 प्रतिशत तक बढ़ाया जाएगा। एटीएस का नेतृत्व पुलिस महानिरीक्षक करेंगे, जो सीआईडी चीफ के आदेश एवं नियंत्रण में कार्य करेंगे। हरियाणा के पुलिस महानिदेशक के समग्र पर्यवेक्षण के अधीन होंगे। एटीएस के भीतर कई विभाग बनाए जाएंगे।

जीवन में सत्य रूपी राम संयम रूपी हनुमान होंगें तभी रावण को जीत पाएंगें: कौशिक जी महाराज

एजेंसी

गुरुग्राम। गौतीर्थ तुलसी तपोवन गौशाला वृंदावन के संचालक एवं विश्व प्रसिद्ध कथावाचक पुराण मनीषी परम पूज्य श्री कौशिक जी महाराज ने समाज को गहरा संदेश देते हुए कहा कि धनवान बनों, कीर्तिवान बनों मगर घमंडी मत बनों। चाहे हिरण्यकश्यप हो, दशानन कंस हो। धरती पर घमंडियों का घमंड तोड़ दिया गया है। इनकी सत्ता कभी नहीं चली। देवता भी उसे ही स्वीकार करेंगें तो सहज, सरल होंगें। जो लोगों की तकलीफ को रोते रहेंगें, वो ही राम बनेंगें। जहां राम बन जाएगा, वहां रावण नहीं पनप पाएगा। यहां ओल्ड जेल कॉम्पलेक्स में चल रही श्री शिव महापुराण कथा एवं गोमहोत्सव के छठे दिन उन्होंने यह बात कही। प्रवक्ता अनिल शास्त्री ने बताया कि श्री कौशिक जी महाराज ने श्री शिवमहापुराण कथा एवं गोमहोत्सव के छठे दिन समाज को सुधारने से

लेकर देवताओं की कृपा पर विस्तार से श्रोताओं का ज्ञानवर्धन किया। पुराण मनीषी परम पूज्य श्री कौशिक जी महाराज ने गलत तरीके से धन अर्जित करने वालों को केंद्र में लेकर कहा कि आज उनके कुकर्मों की फाइलें खुल रही हैं। भला ऐसा धन किस काम का है। ऐसा धन कभी नहीं चाहिए। सदियों पहले महापुरुषों ने लिख दिया था कि ऐसा समय आएगा जब पैसे के पीछे आदमी अपराध और अन्यायी बनन जाएगा। आज समाज में यही हो रहा है। हम धन्य हैं कि हमारे भारत की संस्कृति आज भी जिंदा है। हमारे यहां आज भी संस्कारित लोगों की कमी नहीं है। श्री कौशिक जी महाराज ने कहा कि जीवन में सत्य और संयम होना चाहिए। राम जी सत्य हैं और संयम हनुमान जी हैं। जो इन दो चीजों को रखेगा, वही युद्ध जीत पाएगा। सत्य, संयम के बिना रावण को जीत नहीं पाएंगें। उन्होंने कहा कि हमें अभिमान रूपी धनुष को तोड़ना है। जब तक यह धनुष नहीं टूटेगा तब तक शांति रूपी सीता हरण नहीं करेगी। अभिमान किसी चीज का नहीं होना चाहिए। यह व्यक्ति को खत्म कर देता है। अभिमानी व्यक्ति किसी को कुछ नहीं समझता। यही उनके पतन का कारण बनता है। अपने मकानों पर अपना नाम लिखवाने वालों को संदेश में पूज्य कौशिक जी महाराज ने कहा कि मकान पर नाम हटाकर लिखवा दो-आपका अपना घर।

हरियाणा पुलिस के आधुनिकरण पर खर्च होंगे 300 करोड़ : नायब सैनी

- **पंचकूला में स्वैट कमांडो कोर्स के छठे बैच के समापन समारोह आयोजित**
- **मुख्यमंत्री ने 85 लाख से बने फायरिंग प्रशिक्षण केंद्र का किया उद्घाटन**

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हमारा संकल्प पुलिस बल को आधुनिक संसाधनों, बेहतर अवसंरचना और अत्याधुनिक प्रशिक्षण से सशक्त बनाकर हरियाणा की कानून-व्यवस्था को देश में एक मॉडल के रूप में स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि पुलिस बल के आधुनिकरण पर 300 करोड़ रुपये की राशि खर्च की जा रही है और 5500 नए पुलिस जवानों की भर्ती प्रक्रिया चल रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पंचकूला में स्वैट कमांडो कोर्स के छठे बैच के समापन समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस कोर्स में 88 जवानों, जिसमें 11 पी.एस.आई. और 77 अन्य रैंक के जवान शामिल हैं, को आधुनिक हथियारों का प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 85 लाख रुपये की लागत से निर्मित आभासी फायरिंग प्रशिक्षण केंद्र का भी उद्घाटन

किया। यह केंद्र जवानों को बिना जोखिम के जटिल परिस्थितियों में अभ्यास का अवसर देगा, उनकी प्रतिक्रिया समय को बेहतर बनाएगा और उनकी फायरिंग सटीकता को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कमांडो ट्रेनिंग सेंटर पंचकूला की स्थापना वर्ष 1984 में की गई थी और 4 मार्च, 1985 से यहां औपचारिक रूप से कमांडो प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अब तक यहां से 25 हजार 700 जवान प्रशिक्षण प्राप्त कर प्रदेश और देश की सेवा में समर्पित हो चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वैट कमांडो कोर्स के दौरान जवानों ने एंटी-टेरर ऑपरेशन, क्लोज क्वार्टर बैटल, ड्रोन ऑपरेशन, आईईडी हैंडलिंग और फायर फाइटिंग जैसी विशेष तकनीकों में दक्षता हासिल की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पुलिस बल के आधुनिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। आधुनिक हथियार, बेहतर बुलेटप्रूफ उपकरण, संचार प्रणाली का सुदृढ़ीकरण, साइबर लैब की स्थापना और प्रशिक्षण संस्थानों का उन्नयन, ये सभी कदम इसी दिशा में उठाए गए हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्वैट कमांडो कोर्स के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कमांडो को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने कहा कि मुख्यमंत्री की सोच है कि पुलिस के जवानों का मनोबल कभी कम नहीं होना चाहिए। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक सीआईडी सौरभ सिंह ने स्वैट कमांडो कोर्स पूरा करने वाले सभी जवानों को बधाई दी।के लोग बीमार होते हैं तो अचंभा होता हे। भारत की माटी में बहुत जड़ी बूटियां हैं। यहां सोना चांदी भी है और औषधियां भी हैं, जो इस कलयुग में भी 100-125 साल मरने नहीं देंगी। पूज्य श्री कौशिक जी महाराज ने कहा कि धोखे से, भूल से भी आराधना, साधना हो जाए तो कृपा अपरंपार है। उन्होंने महाराष्ट्र के सतारा के जंगल में महाबलेश्वर धाम का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि समुद्र कई किलोमीटर से चलकर आता है।

अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित होगी हांसी पुलिस : अमित यशवर्धन

एजेंसी

हिसार। हांसी पुलिस को आधुनिक एवं सक्षम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। इसके लिए हांसी पुलिस लाइन में तैनात पुलिस जवानों के प्रशिक्षण, शारीरिक फिटनेस तथा दक्षता को बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न प्रकार के आधुनिक उपकरण खरीदे गए हैं। इन उपकरणों में कैंप स्टूल, व्हाइट बोर्ड, योगा मैट सहित अन्य प्रशिक्षण संबंधी सामग्री शामिल है, जिनका उपयोग जवानों के नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में किया जा रहा है। पुलिस लाइन में मंगलवार को आयोजित प्रशिक्षण सत्र के दौरान जवानों द्वारा योगा मैट पर योगाभ्यास किया गया तथा प्रशिक्षित योगा शिक्षक द्वारा सूर्य नमस्कार सहित विभिन्न योग क्रियाएं करवाई गईं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य पुलिस कर्मियों को शारीरिक रूप से स्वस्थ, मानसिक रूप से संतुलित तथा बौद्धिक रूप से सशक्त बनाना है, ताकि वे अपनी ड्यूटी को और अधिक प्रभावी ढंग से निभा सकें। इसके साथ ही नए खरीदे गए आधुनिक उपकरणों का उपयोग करते हुए प्रशिक्षकों द्वारा पुलिस जवानों को हथियार संचालन का भी प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में एके-47, इंसास राइफल, पिस्तौल व कार्बाइन जैसे हथियारों के सुरक्षित उपयोग की बारीकियां सिखाई गईं। पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन ने बताया कि वर्तमान समय में अपराध की प्रकृति लगातार बदल रही है, इसलिए पुलिस को भी आधुनिक संसाधनों एवं तकनीकों से लैस करना अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि आधुनिक उपकरणों के उपयोग से पुलिस कार्यप्रणाली में दक्षता आएगी तथा जवानों की क्षमता और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी इसी प्रकार आधुनिक उपकरणों की खरीद जारी रखी जाएगी, जिससे हांसी पुलिस को पूर्ण रूप से हाईटेक एवं आधुनिक बनाया जा सके।

विकास कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं की जाएगी बर्दाश्त : नायब सैनी

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई हाई पावर परचेज कमेटी की बैठक

एजेंसी

चंडीगढ़,। हरियाणा सरकार ने राज्य में विकास कार्यों को और गति देने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए 40 से अधिक विभागों की विभिन्न खरीद प्रक्रियाओं को अंतिम रूप दिया है। यह निर्णय सोमवार को देर रात तक मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में चली हाई पावर परचेज कमेटी की बैठक में लिया गया। बैठक में बिजली, जनस्वास्थ्य, लोक निर्माण, सिंचाई, परिवहन, आईटी सहित अनेक विभागों की परियोजनाओं से जुड़े प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की गई तथा कई विकास कार्यों के टेंडर जारी किए गए। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य आमजन को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध करवाना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विकास परियोजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। विकास कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में पलवल शहर में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए अमृत-2 योजना के तहत दो रेनिवेल तथा एक बूस्टिंग स्टेशन के निर्माण की प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया गया। इस परियोजना पर लगभग 100 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इसी प्रकार महेंद्रगढ़ के गांव सिरोही बिहाली में 6 एमएलडी क्षमता के जलघर निर्माण की प्रक्रिया पूरी की गई, जिस पर 53.47 करोड़ रुपये व्यय होंगे। इस जलघर से आसपास के लगभग 39 गांवों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होगा। रेवाड़ी शहर में 27 करोड़ रुपये की लागत से 8 एमएलडी क्षमता का रॉ-वाटर स्टोरेज टैंक भी बनाया जाएगा, जिससे शहर की पेयजल आपूर्ति व्यवस्था सुदृढ़ होगी। झज्जर के गांव छुड़कवास - मातनहेल सड़क के सुदृढ़ीकरण के लिए 37.89 करोड़ रुपये की परियोजना को मंजूरी दी गई। टोहाना में धारसूल-रतिया सड़क के सुदृढ़ीकरण पर 46.20 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

इसके अतिरिक्त 9.37 करोड़ रुपये की लागत से राजकीय महिला महाविद्यालय, गुरुग्राम में शैक्षणिक ब्लॉक का निर्माण और 13.60 करोड़ रुपये की लागत से फतेहाबाद में आबकारी भवन का निर्माण किया जाएगा। एचएसआईआईडीसी द्वारा सोहना में उद्योगों के लिए 12.80 करोड़ रुपये की लागत से फेसिलिटेशन सेंटर का निर्माण भी किया जाएगा, जिससे औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि अंबाला में 13 करोड़ रुपये तथा हिसार में 14 करोड़ रुपये की लागत से इलेक्ट्रिक बस डिपो का निर्माण किया जाएगा। परिवहन विभाग के लिए 19 क्रेनों की खरीद को भी स्वीकृति प्रदान की गई है। फरीदाबाद में 16.50 करोड़ रुपये की लागत से जिमखाना क्लब का निर्माण किया जाएगा।

अधिकारियों पर आरटीआई का दो करोड़ 94 लाख जुर्माना बकाया

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत जवाबदेही बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए, हरियाणा सूचना का अधिकार आयोग द्वारा लगाए गए दंड की समयबद्ध वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों, बोर्डों एवं निगमों के मुख्य प्रशासकों एवं प्रबंध निदेशकों, मंडल आयुक्तों तथा उपायुक्तों को इस संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।राज्य सूचना आयोग द्वारा सूचना का अधिकार के अंतर्गत सूचना उपलब्ध कराने में विलंब के मामलों में दोषी राज्य जन सूचना अधिकारियों (एसपीआईओ) पर प्रति मामले 250 रुपये प्रतिदिन की दर से, अधिकतम 25,000 रुपये तक दंड लगाया जाता है। वर्तमान में विभिन्न विभागों से संबंधित एसपीआईओ पर लगाए गए दंड में से कुल दो करोड़ 94 लाख 87 हजार रुपये से अधिक की राशि लंबित है। सुव्यवस्थित अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने एकमुश्त वसूली के स्थान पर मासिक किस्तों में वसूली की स्वीकृति दी है, ताकि संबंधित अधिकारियों पर अत्यधिक आर्थिक बोझ न पड़े। संबंधित सार्वजनिक प्राधिकरण के आहरण एवं वितरण अधिकारी (डीडीओ) द्वारा संबंधित अधिकारियों के वेतन या पेंशन से मासिक कटौती की जाएगी। क्लास-ए अधिकारियों से सेवा के दौरान 10,000 रुपये प्रतिमाह तथा सेवानिवृत्त होने की स्थिति में 5,000 रुपये प्रतिमाह वसूले जाएंगे। क्लास-बी अधिकारियों से सेवा के दौरान 7,000 रुपये प्रतिमाह तथा सेवानिवृत्त होने पर 3,500 रुपये प्रतिमाह की दर से वसूली की जाएगी।

इसी प्रकार क्लास-सी कर्मचारियों से सेवा के दौरान 4,000 रुपये प्रतिमाह तथा सेवानिवृत्त होने पर 2,000 रुपये प्रतिमाह की दर से राशि वसूल की जाएगी। यह प्रक्रिया तत्काल प्रभाव से लागू होगी और संपूर्ण बकाया राशि की वसूली तक जारी रहेगी।

नारनौल बाईपास के विस्तार को उपायुक्त ने ली अधिकारियों की बैठक

एजेंसी

नारनौल। नारनौल में प्रस्तावित सिक्स लेन बाईपास को विस्तार देने की परियोजना को लेकर उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने लघु सचिवालय में संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक ली। उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप इस बाईपास का निर्माण होने से न केवल शहर के निवासियों को भारी वाहनों के दबाव और जाम से स्थायी राहत मिलेगी, बल्कि यह क्षेत्र के आर्थिक विकास के लिए भी एक नई जीवन रेखा बनेगा। यह परियोजना जिला के लिए गेम-चेंजर साबित होने वाली है।

उन्होंने बताया कि यह बाईपास नारनौल में बन रहे इंटीग्रेटेड मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक हब व महर्षि च्यवन मेडिकल कॉलेज के साथ सीधे जोड़ने का काम करेगा, जिससे भविष्य में औद्योगिक गतिविधियों में इजाफा होगा। बैठक के दौरान उपायुक्त ने भू-अधिग्रहण की प्रगति का जायजा लिया और बताया कि अमरपुर जोरासी, बशीरपुर, गहली, कोरियावास, कुलताजपुर, टहला, मकसूसपुर, थाना और रघुनाथपुरा

जैसे गांवों की जमीन अधिग्रहित करने की प्रक्रिया चल रही है।

उन्होंने बिजली निगम, सिंचाई विभाग और वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे आपस में समन्वय स्थापित कर रास्ते में आने वाली बाधाओं और बिजली लाइनों के स्थानांतरण का कार्य समय सीमा के भीतर पूरा करें। कैप्टन मनोज कुमार ने स्पष्ट किया कि लगभग 12 किलोमीटर लंबे बाईपास के बनने से यात्रा के समय में आधा घंटे तक की बचत होगी और शहर के चारों तरफ एक मजबूत रिंग रोड का जाल बिछ जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री के इस प्राथमिकता वाले प्रोजेक्ट में किसी भी प्रकार की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी औपचारिकताएं जल्द पूरी कर निर्माण कार्य शुरू करवाया जाएगा। इस दौरान जिला राजस्व अधिकारी राकेश कुमार तथा बिजली निगम के एक्सईएन सरताज सिंह के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

ऑनलाइन तबादला नीति के विरोध में आए स्वास्थ्यकर्मी, पॉलिसी वापस लेने की मांग

गुरुग्राम। हरियाणा सरकार की ऑनलाइन तबादला नीति (ट्रांसफर पॉलिसी) को लेकर स्वास्थ्यकर्मियों ने विरोध जताया है। यहां सेक्टर-10 स्थित नागरिक अस्पताल से ऑल पैरामेडिकल स्टाफ ने संयुक्त रूप से सिविल सर्जन डा. लोकवीर को ज्ञापन सौंपा। सरकार से मांग की है कि इस पॉलिसी को तुरंत प्रभाव से वापस लिया जाए। क्योंकि इसका पूरे हरियाणा के कर्मचारियों में रोष है। सेक्टर-10 अस्पताल परिसर में सेक्टर-10 नागरिक अस्पताल और जिला नागरिक अस्पताल के सभी पैरा मेडिकल स्टाफ के सदस्यों द्वारा ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी के विरोध में बैठक की गई। बैठक में सभी कर्मचारियों ने इस पॉलिसी का विरोध जताते हुए असहमति जताई। कहा गया कि हरियाणा सरकार मॉडल ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी-2025 के तहत ऑनलाइन तबादला अभियान के दूसरे चरण की शुरुआत करने की घोषणा की है। इस चरण में 29 विभागों एवं बोर्डों के 271 कैडरों को शामिल किया जाएगा। इसमें स्वास्थ्य विभाग भी शामिल है। इंट्रा हरियाणा पोर्टल पर 20 फरवरी तक अपनी जानकारी अपडेट करने को कहा है। सरकार के इस निर्णय को स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने अव्यवहारिक बताया है। इस पॉलिसी से पूरे हरियाणा के कर्मचारियों में रोष है।

बैठक में शामिल हुए कर्मचारियों ने सरकार से अनुरोध किया है कि जो कर्मचारी अपनी इच्छा से अपना तबादला करवाना चाहें, केवल उन्होंने कर्मचारियों का ऑनलाइन पॉलिसी के तहत तबादला किया जाए। तबादला करवाने वाले कर्मचारियों से ही ऑनलाइन आवेदन मांगें जाएं। कर्मचारियों ने विनम्र आग्रह किया कि सभी कर्मचारी संघों के साथ वार्ता करके एक व्यवहारिक और मानवीय नीति तैयार की जाए।

चीन और नॉर्थ अमेरिका में ईवी की मांग सबसे कमजोर, बिक्री में आई गिरावट

नई दिल्ली । दुनियाभर में जनवरी 2026 में इलेक्ट्रिक कारों की रजिस्ट्रेशन सालाना आधार पर करीब 3 प्रतिशत घटकर लगभग 12 लाख यूनिट पर आ गई। इसमें बैटरी इलेक्ट्रिक और प्लग-इन हाइब्रिड दोनों तरह की गाड़ियां शामिल हैं। यह आंकड़ा कंसल्टेंसी फर्म बेंचमार्क मिनरल इंटेलिजेंस और मीडिया रिपोर्ट से सामने आया है। साल 2026 इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए अच्छी शुरुआत नहीं लेकर आया। बिक्री में गिरावट की सबसे बड़ी वजह चीन और नॉर्थ अमेरिका जैसे बड़े बाजारों में कमजोर मांग बताई जा रही है, जहां नीतियों में बदलाव और सब्सिडी में कटौती ने सीधे खरीदारों का रुझान कम किया है। विशेषज्ञों के अनुसार इलेक्ट्रिक गाड़ियों पर मिलने वाले सरकारी इंसेंटिव कई देशों में कम या खत्म कर दिए गए हैं। चीन और यूरोपीय यूनियन ने भी पहले दिए जाने वाले कई नियम और लाभ वापस ले लिए, जिनसे ईवी बिक्री तेज़ी से बढ़ रही थी। जैसे-जैसे ये सुविधाएं कम हुईं, उपभोक्ताओं की रुचि भी घटने लगी।

वहीं हाइब्रिड कारों को लेकर लोगों की दिलचस्पी बढ़ी है, क्योंकि ये पेट्रोल-डीजल और पूरी तरह इलेक्ट्रिक वाहनों के बीच का संतुलित और अपेक्षाकृत किफायती विकल्प देती हैं। चीन में जनवरी महीने में ईवी रजिस्ट्रेशन लगभग 20प्रतिशत गिरकर 6 लाख यूनिट से नीचे पहुंच गया, जो करीब दो साल की सबसे कम मासिक बिक्री है। सब्सिडी कटौती और नई खरीद टैक्स नीतियों ने यहां बाजार को भारी प्रभावित किया। नॉर्थ अमेरिका की स्थिति और भी खराब रही, जहां ईवी रजिस्ट्रेशन में 33 प्रतिशत की बड़ी गिरावट दर्ज की गई। इसके उलट, यूरोप एकमात्र बड़ा क्षेत्र रहा जहां ईवी बिक्री में वृद्धि देखने को मिली। जनवरी में यहां इलेक्ट्रिक गाड़ियों की रजिस्ट्रेशन लगभग 24 प्रतिशत बढ़कर 3.20 लाख यूनिट से अधिक हो गई। हालांकि यह वृद्धि भी पिछले वर्ष की तुलना में सबसे धीमी रही। अन्य वैश्विक बाजारों में तस्वीर कुछ बेहतर रही। थाईलैंड में सरकारी इंसेंटिव, दक्षिण कोरिया और ब्राजील जैसे देशों में बढ़ती मांग के चलते ईवी रजिस्ट्रेशन 92 प्रतिशत उछलकर करीब 1.90 लाख यूनिट के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। कमजोर मांग का असर कंपनियों पर भी दिखाई दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी बाजार पर निर्भर बड़ी ऑटो कंपनियों को पिछले वर्ष में लगभग 55 अरब डॉलर का नुकसान झेलना पड़ा।

यूपीआई से लेन-देन में बढ़त....फिर भी तेजी से बढ़ रहा मुद्रा का चलन

मुंबई। देश में करेंसी सर्कुलेशन जनवरी 2026 के अंत तक बढ़कर रिकॉर्ड 40 लाख करोड़ के करीब पहुंच गया है। इसमें सालाना आधार पर 11.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो कि बीते साल समान अवधि में 5.3 प्रतिशत थी। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई। रिपोर्ट में बताया गया कि जनता के पास करेंसी (सीडब्ल्यूपी) की हिस्सेदारी कुल करेंसी सर्कुलेशन में 97.6 प्रतिशत (करीब 39 लाख करोड़ रुपए) हो गई है। रिपोर्ट में बताया गया कि देश में यूपीआई के कारण डिजिटल लेनदेन तेजी से बढ़ा है और इससे कैश-टू-जीडीपी रेश्यो में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। रिपोर्ट के मुताबिक,देश में एक महीने में होने वाले यूपीआई लेनदेन की वैल्यू करीब 28 लाख करोड़ रुपए है, जो कि देश के कुल करेंसी स्टॉक का करीब 70 प्रतिशत है, जो कि दिखाता है कि देश में बड़ी संख्या में लोग डिजिटल पेमेंट्स कर रहे हैं। वहीं, देश का कैश-टू-जीडीपी रेश्यो वित्त वर्ष 26 में कम होकर 11 प्रतिशत हुआ है, जो कि वित्त वर्ष 21 में 14.4 प्रतिशत पर था। रिपोर्ट में कहा गया है, करेंसी और जीडीपी में परिवर्तन की दिशा भले ही एक जैसी हो, लेकिन जीडीपी की वृद्धि को अब नकदी के बजाय यूपीआई के माध्यम से अधिक हो रही है। सीआरआर में कटौती के कारण चालू वित्त वर्ष में आरबीआई के पास बैंकर्स डिपॉजिट में 1.86 लाख करोड़ रुपए की कमी आई, जिसके परिणामस्वरूप रिजर्व मनी की वृद्धि घटकर 5.8 प्रतिशत रह गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2015 से वित्त वर्ष 2025 के बीच बैंकों में जमा और ऋण लगभग तीन गुना बढ़ गए, जो बैंकिंग प्रणाली के सुदृढ़ीकरण और ऋण मध्यस्थता में सुधार का संकेत है। वित्त वर्ष 2015 से वित्त वर्ष 2025 के दौरान जमा राशि 85.3 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 241.5 लाख करोड़ रुपए हो गई और ऋण 67.4 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 191.2 लाख करोड़ रुपए हो गई है।

कारों में फिजिकल स्विच को अनिवार्य बनाएगा चाइना

नई दिल्ली ।

कारों के लिए चाइनीज सरकार अब महत्वपूर्ण सेफ्टी फंक्शन्स के लिए फिजिकल स्विच को अनिवार्य बनाने की तैयारी कर रही है। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक यह कदम ड्राइवर की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया जा रहा है। हाल के वर्षों में टेस्ला, बीवायडी और शाओमी जैसी कंपनियों ने क्लीन, मिनिमलिस्ट और स्क्रीन-डॉमिनेटेड केबिन पेश किए हैं, जिनमें फिजिकल कंट्रोल्स बेहद कम होते हैं। कई मॉडल्स में तो इमर्जेंसी में इस्तेमाल होने वाला हैजर्ड लाइट बटन भी टचस्क्रीन पर दिया जा रहा है, जिससे सॉफ्टवेयर-आधारित सिस्टम पर निर्भरता काफी बढ़ गई है। यह प्रवृत्ति ड्राइविंग के दौरान ध्यान भटकने और दुर्घटनाओं की संभावनाओं को बढ़ाती है।

प्रस्तावित नियमों के अनुसार चीन का उद्योग और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय अब टर्न सिग्नल, हैजर्ड लाइट, गियर सेलेक्टर और इमर्जेंसी कॉलिंग जैसे फीचर्स के लिए अनिवार्य रूप से अलग और कम से कम 10 मिमी गुणा 10 मिमी आकार वाले फिजिकल बटन्स रखने को बाध्य करेगा। इससे कार निर्माताओं को अपने मॉडल्स का इंटीरियर फिर से डिजाइन करना होगा और टचस्क्रीन कंट्रोल्स को हटा कर पारंपरिक बटन वापिस जोड़ने पड़ेंगे। विशेषज्ञों का कहना है कि ड्राइविंग के दौरान टचस्क्रीन का उपयोग ड्राइवर के रिएक्शन टाइम को बढ़ा देता है, जो हाई-स्पीड ड्राइविंग में खतरनाक साबित होता है। सड़क से पलभर के लिए नजर हटाने से भी लेन में बने रहने की क्षमता प्रभावित होती है और स्टेबिलिटी कम होती है। अगर स्क्रीन धीमी चले या हैंग हो जाए, तो स्थिति और अधिक खतरनाक हो सकती है। इन्हीं जोखिमों को देखते हुए चीन में बड़े बदलाव की तैयारी चल रही है।

सरकार चाहती है कि तकनीक का उपयोग बढ़े, लेकिन ड्राइवर और यात्रियों की सुरक्षा किसी भी कीमत पर कम न हो। नए नियम लागू होने पर गाड़ियों में दोबारा से फिजिकल कंट्रोल्स का दौर लौटता दिख सकता है, जिससे ड्राइविंग और यात्राएं अधिक सुरक्षित बन सकेंगी। बता दें कि कार कंपनियों में तेजी से बढ़ रहा टचस्क्रीन-आधारित कंट्रोल्स का ट्रेंड अब सेफ्टी चिंताओं की वजह से सवालों के घेरे में आ गया है। कई नई कारों में एसी, क्लाइमेट कंट्रोल और जरूरी फंक्शन्स के फिजिकल बटन्स लगभग गायब हो चुके हैं। कुछ उपभोक्ताओं को टचस्क्रीन पसंद जरूर आती है, लेकिन सुरक्षा विशेषज्ञ मानते हैं कि फिजिकल बटन ज्यादा सुरक्षित और उपयोग में आसान होते हैं।

डीजल 7-सीटर एसयूवी बनी हुई है ग्राहकों की पहली पसंद

नई दिल्ली ।

एसयूवी सेगमेंट में डीजल 7-सीटर एसयूवी भारतीय ऑटो बाजार में आज भी ग्राहकों की पहली पसंद बनी हुई हैं। बाजार में कई विकल्प मौजूद हैं, जिनमें खरीददार अपनी जरूरत और बजट के हिसाब से चुनाव कर सकते हैं। लंबी दूरी की यात्राओं, परिवार के उपयोग और मजबूत परफॉर्मेंस की जरूरत को देखते हुए महिंद्रा और टाटा जैसी कंपनियां इस सेगमेंट में अपने मॉडल्स पर भरोसा बनाए हुए हैं। महिंद्रा बोलेरो लंबे समय से भरोसे और मजबूती का प्रतीक रही है। इसका 1.5 लीटर डीजल इंजन पर्याप्त पावर और अच्छा माइलेज देता है, जबकि इसका मजबूत डिजाइन खराब सड़कों पर भी बेहतरीन प्रदर्शन करता है।

वहीं बोलेरो नियो इस पारंपरिक डीएनए को आधुनिक लुक और फीचर्स के साथ नए रूप में पेश करती है। बेहतर इंटीरियर, ज्यादा पावर और शहरी ग्राहकों को ध्यान में रखकर किए गए बदलाव इसे संतुलित विकल्प बनाते हैं। टाटा सफारी प्रीमियम फैमिली एसयूवी के रूप में अपनी पहचान बनाए हुए है। इसका 2.0 लीटर डीजल इंजन, विशाल केबिन और आरामदायक तीसरी रो इसे पारिवारिक यात्राओं के लिए उपयुक्त बनाते हैं। इसी तरह महिंद्रा स्कॉर्पियो क्लासिक और स्कॉर्पियो एन रफ-टफ डिजाइन और मजबूत परफॉर्मेंस के साथ ऑफ-रोडिंग और ग्रामीण इलाकों के ग्राहकों को आकर्षित करती हैं। स्कॉर्पियो एन आधुनिक फीचर्स और पावरफुल इंजन के कारण युवाओं के बीच ज्यादा लोकप्रिय है। कम बजट और मजबूती चाहिए तो बोलेरो, मॉडर्न फीचर्स के लिए बोलेरो नियो, प्रीमियम फैमिली अनुभव के लिए सफारी, रफ-टफ और ऑफ-रोडिंग के लिए स्कॉर्पियो एन और हाई-टेक लग्जरी के लिए एक्सयूवी 700 सबसे उपयुक्त विकल्प हैं। महिंद्रा एक्सयूवी 700 सेगमेंट में टेक्नोलॉजी और लग्जरी का मिश्रण पेश करती है। इसका एडवांस्ड सेफ्टी पैकेज, ताकतवर इंजन और हाई-टेक इंटीरियर इसे प्रीमियम एसयूवी चाहने वालों के लिए बेहतरीन विकल्प बनाते हैं।

बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 283 अंक चढ़ा, निफ्टी 25800 के पार

नई दिल्ली।

हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन यानी बुधवार को शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। बैंक, धातु और एफएमसीजी शेयरों में अंतिम समय की खरीदारी के चलते बेंचमार्क इक्विटी सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी ने बुधवार को लगातार तीसरे सत्र में अपनी बढ़त जारी रखी। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में 283.29 अंक या 0.34 प्रतिशत बढ़कर 83,734.25 पर बंद हुआ। दिन के दौरान इसने 83,770.05 का उच्चतम स्तर छुआ। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 93.95 अंक या 0.37 प्रतिशत बढ़कर 25,819.35 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में टाटा स्टील, आईटीसी, एक्सिस बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, महिंद्रा एंड महिंद्रा, लार्सन एंड टुब्रो, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, हिंदुस्तान यूनिलीवर, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, अल्ट्राटेक सीमेंट, ट्रेंट, सन फार्मास्यूटिकल्स और कोटक महिंद्रा बैंक प्रमुख लाभ कमाने वाली कंपनियां थीं। दूसरी ओर, इटरनल, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, अदानी पोर्ट्स, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इंडिगो, एशियन पेंट्स, मारुति सुजुकी इंडिया पावरग्रिड और एचडीएफसी बैंक पिछड़ गए।

यूरोपीय बाजारों में दिखी बढ़त

एशियाई बाजारों में, जापान का निक्केई 225 बेंचमार्क 1 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ। इस बीच, चंद्र नव वर्ष की छुट्टियों के कारण चीन, हांगकांग और दक्षिण कोरिया के शेयर बाजार बंद रहे। सत्र के मध्य में यूरोपीय बाजारों में तेजी देखी गई। मंगलवार को अमेरिकी शेयर बाजार सकारात्मक दायरे में बंद हुआ।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया दो पैसे की गिरावट के साथ ही 90.69 पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस ये 90.67 पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि मजबूत डॉलर और विदेशी पूंजी की निकासी ने हालांकि स्थानीय मुद्रा की बढ़त को सीमित कर दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.72 पर खुला। हालांकि बाद में फिसलकर 90.73 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से एक पैसा की बढ़त दिखाता है। रुपया गत दिवस सोमवार को आठ पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.74 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.23 फीसदी की बढ़त के साथ 97.14 पर रहा।

अमेरिका में यूट्यूब प्लेटफॉर्म अचानक बंद, यूजर्स ने की शिकायतें

वाशिंगटन। अमेरिका में यूट्यूब प्लेटफॉर्म अचानक बंद हो गया, जिससे लाखों यूजर्स परेशान हुए। रिपोर्ट के मुताबिक 3,21,958 लोगों ने यूट्यूब पर दिक्कत होने की जानकारी दी। रिपोर्ट के मुताबिक मंगलवार को यूट्यूब टीवी पर 8,923 यूजर्स ने समस्या दर्ज की, जबकि गूगल से जुड़े 2,694 मामले सामने आए। उपयोगकर्ताओं ने वीडियो स्ट्रीमिंग, ऐप खोलने और लॉगिन करने में कठिनाई की शिकायत की। इस घटना के बाद सोशल मीडिया और अन्य प्लेटफॉर्म पर यूजर्स ने अपने अनुभव साझा किए, जिसमें कई लोग कह रहे थे कि वीडियो स्ट्रीम नहीं हो रहे थे और चैनल या सब्सक्रिप्शन पेज भी लोड नहीं हो रहे थे। इस समय गूगल ने इस आउटेज पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। विशेषज्ञों के मुताबिक ऐसी तकनीकी बाधाएं कभी-कभी सर्वर या नेटवर्क में अस्थायी गड़बड़ी के कारण होती हैं।

नई नोवा फुल-फेस हेलमेट सीरीज पेश

नई दिल्ली । वाहन चालकों की सुरक्षा के मददेनजर एसएमके हेलमेट्स ने अपनी नई नोवा फुल-फेस हेलमेट सीरीज पेश की है। कंपनी ने इसे किफायती कीमत पर उपलब्ध कराया है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग सेफ्टी को प्राथमिकता दे सकें। नोवा सीरीज दो वेरिएंट सॉलिड और ट्रैक में लॉन्च की गई है। सॉलिड मॉडल की शुरुआती कीमत 4,000 रुपये और ट्रैक वेरिएंट 4,300 रुपये से शुरू होता है। एक्सएस से एक्सएक्सएल तक के साइज में उपलब्ध ये हेलमेट देशभर के अधिकृत डीलर्स और एक्सेसरी स्टोर्स पर ग्लॉस और मैट फिनिश में खरीदे जा सकते हैं। हेलमेट को एनर्जी इम्पैक्ट रेसिस्टेंट थर्मोप्लास्टिक शेल से बनाया गया है, जो दुर्घटना के समय सिर को मजबूत सुरक्षा प्रदान करता है। मल्टी-डेंसिटी ईपीएस लाइनर झटकों को अवशोषित करने में मदद करता है। यह हेलमेट ईसीई 22.06, डीओटी और आईएसआई जैसे अंतरराष्ट्रीय व भारतीय सुरक्षा मानकों पर खरा उतरता है। वाइजर ऑप्टिकली करेक्ट और स्क्रैच-रेसिस्टेंट है, साथ ही फॉगिंग रोकने के लिए पिनलॉक 30 इंसर्ट दिया गया है। क्विक-रिलीज वाइजर सिस्टम और बेहतर वेंटिलेशन राइडिंग अनुभव को आरामदायक बनाते हैं। ब्रीदेबल, हाइपोएलर्जेनिक और वॉशेबल इंटीरियर इसे और सुविधाजनक बनाता है। भारत में आईएसआई मार्क वाला हेलमेट पहनना अनिवार्य है।

अटकलों पर विराम..........एआई इम्पैक्ट समिट में शामिल हो रहे बिल गेटस

नई दिल्ली । भारत में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बिल गेटस शामिल होने वाले है। उनके प्रवक्ता ने मंगलवार को यह साफ कर उनकी भागीदारी को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लगा दिया। इसके पहले ऐसी खबरें सामने आई थीं कि दिल्ली में चल रहे एआई समिट में गेट्स शामिल नहीं हो रहे हैं, क्योंकि कथित तौर पर उनका नाम कार्यक्रम की 'ग्लोबल विजनरीज' सूची से गायब था। हालांकि, अब आधिकारिक पुष्टि के बाद यह साफ हो गया है कि वे सम्मेलन का अहम हिस्सा बनने वाले है। इस बीच, गेट्स ने आंध्रप्रदेश के तेज विकास की सराहना की। अमरावती यात्रा के बाद उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक प्रौद्योगिकी के माध्यम से राज्य की प्रगति को गति मिलते देखना उत्साहजनक है। उन्होंने पोस्ट कर मुख्यमंत्री एन.चंद्रबाबू नायडू को गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए धन्यवाद दिया। गेट्स ने स्वास्थ्य, कृषि और शिक्षा के क्षेत्रों में राज्य द्वारा अपनाए जा रहे नवाचारों की विशेष प्रशंसा की। सोमवार को बिल गेट्स ने राजधानी क्षेत्र में कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। उन्होंने मुख्यमंत्री और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठकें कीं, तकनीक आधारित शासन पहलों की समीक्षा की तथा गुंटूर जिले के उंडावल्ली गांव में कृष्णा नदी के किनारे स्थित एक केले के बागान का दौरा भी किया। यह शिखर सम्मेलन ग्लोबल साउथ में आयोजित पहला अंतर्राष्ट्रीय एआई समिट है। 70,000 वर्ग मीटर में फैले 10 एरेना में आयोजित इस एक्सपो में 13 देशों के पवेलियन शामिल हैं, जो एआई पारिस्थितिकी तंत्र में वैश्विक सहयोग को प्रदर्शित कर रहे हैं। सम्मेलन को नीति, नवाचार और व्यापक कार्यान्वयन के लिए एक राष्ट्रीय मंच के रूप में देखा जा रहा है।

मोटरसाइक्लिंग प्रेमियों के लिए आकर्षक डेस्टिनेशन बना कच्छ का रण

नई दिल्ली ।

गुजरात के कच्छ का रण अब मोटरसाइक्लिंग प्रेमियों के लिए भी आकर्षक डेस्टिनेशन बन गया है। लगातार दूसरे साल टीवीएस मोटर कंपनी ने रान उत्सव के साथ साझेदारी को मजबूत करते हुए इसे मोटरसाइक्लिंग आधारित एक्सपीरिएंशियल टूरिज्म के बड़े मंच के रूप में स्थापित किया है। इस पहल का उद्देश्य राइडिंग, मोटरस्पोर्ट और कम्युनिटी एंगेजमेंट के मिश्रण से कच्छ के रण को एक ग्लोबल मोटरसाइक्लिंग डेस्टिनेशन के तौर पर पहचान दिलाना है। इस आयोजन में देश-विदेश से 100 से ज्यादा राइडर्स ने हिस्सा लिया। इटली और मैक्सिको जैसे देशों से आए इंटरनेशनल राइडर्स ने क्यूरेटेड राइड्स के जरिए रण की विशाल सफेद धरती पर रोमांचक सफर का अनुभव किया। 'रोड टू हेवन' जैसे लोकप्रिय रूट्स पर की गई राइडिंग ने इस आयोजन को और खास बना दिया। कार्यक्रम में टीवीएस अपाचे ओनर्स ग्रुप और टीवीएस रोनिन कुल टी कम्युनिटी की पहली वेस्ट चैप्टर राइड भी आकर्षण का केंद्र रही। मुंबई, पुणे, कोल्हापुर, जयपुर और अहमदाबाद से आए राइडर्स ने विभिन्न रास्तों से होते हुए रण तक पहुंचकर अपनी यात्रा के अनुभव साझा किए, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि यह इलाका मोटरसाइक्लिंग के लिए बेहद उपयुक्त है। टीवीएस के प्रीमियम एरीना में कंपनी की रेसिंग विरासत के साथ अपाचे और रोनिन रेंज की बाइक्स प्रदर्शित की गईं। स्टंट शो, फ्लैट ट्रैक ट्रेनिंग, एफएमएक्स प्रदर्शन और वुमेंस ड्रिफ्ट-आर चैंपियनशिप ने लोगों को खूब आकर्षित किया। सबसे खास रही टीवीएस रान उत्सव कस्टम सीरिज, जिसमें कच्छ की संस्कृति और प्राकृतिक रंगों से प्रेरित रोनिन और अपाचे मॉडल्स के विशेष संस्करण पेश किए गए।

टाटा संस बोर्ड की बैठक अगले सप्ताह, एन चंद्रशेखरन के तीसरे कार्यकाल पर होगी चर्चा

टाटा समूह में अधिकारी आमतौर पर 65 साल की आयु में होते हैं सेवानिवृत्त

नई दिल्ली।

टाटा संस के निदेशक मंडल की अगले सप्ताह प्रस्तावित बैठक टाटा समूह के भविष्य के लिए अहम होगी। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन का दूसरा कार्यकाल खत्म होने में एक साल का समय है लेकिन संभावना है कि 24 फरवरी को टाटा संस बोर्ड द्वारा उनके तीसरे पांच साल की कार्यकाल की मंजूरी पर विचार किया जा सकता है। टाटा संस के सबसे बड़े शेयरधारक टाटा ट्रस्ट्स ने चंद्रशेखरन के तीसरे कार्यकाल की सिफारिश करते हुए पिछले साल एक प्रस्ताव पारित किया था। उस बैठक में टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा और वाइस चेयरमैन वेणु श्रीनिवासन ने टाटा संस के कार्यकारी चेयरमैन के रूप में चंद्रा के कार्यकाल को अगले पांच सालों के लिए बढ़ाने का प्रस्ताव रखा था।

मीडिया रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से बताया गया है कि जब टाटा संस के बोर्ड में चंद्रा के कार्यकाल को बढ़ाने पर चर्चा की जाएगी तब उन्हें इससे खुद को अलग रखना होगा। साल 2022 में जब चंद्रा के कार्यकाल का नवीनीकरण किया गया था तब टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन और समूह के मानद चेयरमैन रतन टाटा ने टाटा संस की बोर्ड बैठक में 'विशेष आमंत्रित सदस्य' के रूप में शिरकत की थी और अगले पांच सालों के लिए चंद्रा के नाम की सिफारिश की थी।

रिपोर्ट के मुताबिक साइरस मिस्त्री को पद से हटाए जाने के चार महीने बाद चंद्रा ने 21 फरवरी, 2017 को टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस की कमान संभाली थी। टाटा संस के बोर्ड द्वारा चंद्रा को तीसरे कार्यकाल की मंजूरी मिलती है तो वह 2032 तक समूह का नेतृत्व कर सकते हैं। टाटा समूह में अधिकारी आमतौर पर 65 साल की आयु में सेवानिवृत्त हो जाते हैं जबकि गैर-कार्यकारी भूमिकाओं में 70 साल तक पद पर रहा जा सकता है। कार्यकारी चेयरमैन के रूप में चंद्रा को एक और कार्यकाल मिलता है तो तीसरे कार्यकाल के अंत में वह 68 साल के होंगे।

सूत्र ने कहा कि चंद्रा के नवीनीकरण के समय कार्यकारी भूमिकाओं के लिए आयु में छूट दी जा सकती है। साइरस मिस्त्री को हटाने के बाद रतन टाटा द्वारा कुछ समय के लिए कार्यकारी भूमिका संभालने के समय ऐसा ही किया गया था। जानकारों का कहना है कि चंद्रा के कार्यकाल का नवीनीकरण टाटा संस की सूचीबद्धता के मुद्दे पर भी स्पष्टता ला सकता है। टाटा ट्रस्ट्स का विचार है कि टाटा संस को सार्वजनिक सूचीबद्धता के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए। सितंबर 2022 में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा टाटा संस को ऊपरी स्तर की गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी के रूप में नामित किया गया था।

ब्रोक्रेज फर्म ने क्यों कहा...........ओल इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के शेयर बेचकर निकल जाएं

मुंबई । अगर आपके पास ओल इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के शेयर हैं, तब उन शेयरों को बेचकर निकलने जाने में ही भलाई है। ऐसा हम नहीं कह रहे, बल्कि यह राय ब्रोक्रेज फर्मों ने दी हैं। ब्रोक्रेज फर्मों ने ओला इलेक्ट्रिक पर अपनी रेटिंग घटाकर बाय से सेल कर दी है और अपने प्राइस टार्गेट में 51 प्रतिशत की कटौती कर 55 से घटाकर 27 रुपये कर दिया है। एक अन्य बाजार जानकार फर्म ने सबसे कम 20 रुपये का प्राइस टार्गेट दिया है। बता दें ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के शेयरों में मंगलवार, 17 फरवरी को शुरुआती कारोबार में 3 प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखी गई, जो लगातार चौथे सत्र में जारी रही। पिछले छह कारोबारी दिनों में से केवल एक दिन ही इस स्टॉक में तेजी रही है। कंपनी के शेयर अब अपने 52-सप्ताह के निचले स्तर के आसपास मंडरा रहे हैं, और पिछले दो महीनों में इनमें 22 प्रतिशत की गिरावट आई है।

रिपोर्ट के मुताबिक हाल ही में ब्रोकरेज फर्मों द्वारा रेटिंग घटाए जाने से कंपनी पर दबाव और बढ़ गया है। ब्रोकेज ने भारत के दोपहिया वाहन सेगमेंट में इलेक्ट्रिक वाहनों की पैठ उम्मीद से धीमी होने का हवाला दिया है। उनका कहना है कि पेट्रोल वाहनों पर जीएसटी कटौती ने कीमतों के अंतर को कम किया है, जिससे विद्युतीकरण की रफ्तार धीमी हुई है।= ब्रोक्रेज फर्मों ने सेवा से जुड़ी चुनौतियों, कड़ी प्रतिस्पर्धा और कमजोर ग्राहक धारणा के कारण कंपनी के बाजार हिस्सेदारी खोने का भी जिक्र किया। नकारात्मक परिचालन लाभ के चलते दिसंबर तिमाही (क्यू 3) का प्रदर्शन भी अनुमान से कम रहा। हालांकि, ब्रोकरेज ने बेहतर होते सकल मार्जिन और बेहतर परिचालन लाभ बढ़ाने की संभावना को स्वीकार किया, लेकिन साथ ही आगाह किया कि प्रबंधन के उत्पाद और सेवा की गुणवत्ता सुधारने के प्रयासों को नतीजे दिखाने में समय लग सकता है।

कोटक लाइफ ने लॉन्च किया 'कोटक सिग्नेचर लेगेसी' प्लान

99 वर्ष की आयु तक मिलेगा बढ़ता सुरक्षा कवच

मुंबई । कोटक महिंद्रा लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (कोटक लाइफ) ने आज अपने नए लाइफ टर्म प्लान 'कोटक सिग्नेचर लेगेसी' के शुभारंभ की घोषणा की है। यह अभिनव योजना ग्राहकों को 99 वर्ष की आयु तक बढ़ता हुआ लाइफ कवर प्रदान करती है, जो परिवारों की दीर्घकालिक वित्तीय सुरक्षा और एक स्थायी विरासत सुनिश्चित करने के उद्देश्य से तैयार की गई है। यह प्लान मुख्य रूप से 40 वर्ष और उससे अधिक आयु के उन व्यक्तियों की जरूरतों को पूरा करता है, जिनकी बढ़ती जिम्मेदारियों और वित्तीय प्रतिबद्धताओं के बीच वर्तमान बीमा कवर अपर्याप्त साबित हो रहा है। कोटक लाइफ के प्रबंध निदेशक महेश बालासुब्रमण्यम ने लॉन्च के अवसर पर कहा कि यह उत्पाद ग्राहकों की बदलती सुरक्षा जरूरतों के साथ निरंतर आगे बढ़ता है और परिवारों को मानसिक शांति प्रदान करने में अहम भूमिका निभाएगा। यह योजना दो विकल्पों में उपलब्ध है, जिसमें लेगेसी प्लान के तहत 99 वर्ष तक बढ़ता हुआ होल लाइफ कवर मिलता है, वहीं लेगेसी प्लस विकल्प में बढ़ते कवर के साथ प्रीमियम वापसी की सुविधा भी शामिल है। इसके अतिरिक्त, उत्पाद में लाइलाज बीमारियों के कवरेज, एक्सीडेंटल डेथ बेनिफिट और गंभीर बीमारियों के लिए विशेष लाभ दिए गए हैं।

छत्रपति शिवाजी की अमर विरासत और आधुनिक भारत की दिशा

ललित गर्ग

छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती हमें यह स्मरण कराती है कि राष्ट्र निर्माण केवल तलवार से नहीं, बल्कि नीति, नैतिकता और जनविश्वास से होता है। उन्होंने दिखाया कि सीमित संसाधनों के बावजूद यदि नेतृत्व दृढ़ हो तो असंभव भी संभव हो सकता है। आज आवश्यकता है कि हम उनके आदर्शों को केवल उत्सव तक सीमित न रखें, बल्कि उन्हें अपने आचरण और राष्ट्रीय जीवन में उतारें।

19 फरवरी भारत के इतिहास का वह गौरवपूर्ण दिवस है, जब हम छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती मनाते हैं। यह केवल एक जन्मतिथि का स्मरण नहीं, बल्कि भारतीय अस्मिता, स्वाभिमान और सांस्कृतिक पुनर्जागरण के उस अद्भुत अध्याय का उत्सव है, जिसने पराधीनता के अंधकार में स्वराज्य का दीप प्रज्वलित किया। सत्रहवीं शताब्दी में जब भारत का बड़ा भूभाग मुगल सत्ता, विशेषतः औरंगजेब के कठोर शासन के अधीन था, तब सह्याद्रि की पर्वतमालाओं से एक युवा योद्धा ने यह उद्घोष किया कि 'हिंदवी स्वराज्य' केवल स्वप्न नहीं, बल्कि संकल्प है-और उस संकल्प को साकार कर दिखाया।

शिवाजी महाराज का जन्म 1630 में शिवनेरी दुर्ग पर हुआ। उनका नाम भगवान शिव पर नहीं, बल्कि देवी शिवई के नाम पर रखा गया-यह तथ्य ही बताता है कि उनके जीवन की प्रेरणा शक्ति और साहस की आराधना में निहित थी। उनकी माता जीजाबाई ने उन्हें रामायण, महाभारत और पुराणों की कथाओं के माध्यम से धर्म, नीति और राष्ट्रधर्म का संस्कार दिया। दादाजी कोंडदेव के मार्गदर्शन में उन्होंने शास्त्र और शस्त्र दोनों का संतुलित ज्ञान प्राप्त किया। यही संतुलन आगे चलकर उनके व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता बना-वे केवल तलवार के धनी नहीं, बल्कि नीति और दूरदर्शिता के भी अद्वितीय उदाहरण थे।

शिवाजी महाराज का सबसे बड़ा योगदान हिंदू साम्राज्य की स्थापना है, जिसे उन्होंने 'हिंदवी स्वराज्य' कहा। यह किसी एक संप्रदाय का राज्य नहीं था, बल्कि भारतीय जनमानस की स्वतंत्रता और सम्मान का प्रतीक था। उन्होंने छोटे-छोटे किलों से शुरूआत कर एक संगठित मराठा शक्ति का निर्माण किया। तोरणा, रायगढ़, प्रतापगढ़ जैसे दुर्ग केवल पत्थरों की संरचनाएँ नहीं थे, बल्कि स्वराज्य के प्रहरी थे। गुरिल्ला युद्धकला में उनकी दक्षता अद्भुत थी। मुगल सेनापति उन्हें 'पहाड़ी चूहा' कहकर उपहास करना चाहते थे, परंतु वही रणनीति मुगलों की सबसे बड़ी कमजोरी बन गई। वे भूगोल को अपनी शक्ति में बदलने की कला जानते थे-तेजी से आक्रमण, अचानक प्रहार और सुरक्षित वापसी उनकी युद्धनीति का आधार था।

उनकी वीरता का शिखर तब दिखाई देता है जब उन्होंने औरंगजेब की विशाल साम्राज्यवादी शक्ति को खुली चुनौती दी। आगरा में बंदी बनाए जाने के बाद उनका साहसिक पलायन केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि मुगल सत्ता के अहंकार पर करारा प्रहार था। इसके पश्चात उन्होंने 1674 में रायगढ़ में विधिवत राज्याभिषेक कर स्वयं को

'छत्रपति' घोषित किया। यह घटना केवल राजनीतिक नहीं, सांस्कृतिक पुनर्स्थापन का भी प्रतीक थी-सदियों बाद किसी हिंदू राजा का वैदिक विधि से राज्याभिषेक हुआ था।

शिवाजी महाराज की शासन व्यवस्था भी उतनी ही प्रभावशाली थी जितनी उनकी युद्धनीति। उन्होंने अष्टप्रधान मंडल की स्थापना की, जिसमें विभिन्न विभागों के मंत्री नियुक्त थे। प्रशासन में पारदर्शिता, न्याय और जनकल्याण को प्राथमिकता दी गई। भूमि राजस्व व्यवस्था को सुव्यवस्थित किया गया ताकि किसानों पर अत्याचार न हो। महिलाओं के सम्मान की रक्षा उनके शासन का मूल सिद्धांत था-युद्ध में पकड़ी गई महिलाओं को सम्मानपूर्वक उनके घर भेजने की परंपरा उन्होंने स्थापित की। धार्मिक सहिष्णुता उनके शासन की आधारशिला थी, उनकी सेना और प्रशासन में मुस्लिम अधिकारी भी महत्वपूर्ण पदों पर थे। उन्होंने किसी भी मस्जिद या पूजा स्थल को क्षति पहुँचाने की अनुमति नहीं दी। इस प्रकार उनका हिंदू स्वराज्य संकीर्ण नहीं, बल्कि उदार और समावेशी था।

शिवाजी महाराज भारत के उन शुरूआती शासकों में थे जिन्होंने समुद्री शक्ति के महत्व को समझा। उन्होंने एक सशक्त नौसेना का निर्माण किया और कोंकण तट की सुरक्षा सुनिश्चित की। विदेशी आक्रमणकारियों-विशेषतः पुर्तगालियों और सिद्धियोंकृके विरुद्ध यह रणनीति अत्यंत प्रभावी सिद्ध हुई। यह दूरदर्शिता दशार्ती है कि वे केवल तत्कालीन संघर्षों तक सीमित नहीं थे, बल्कि भविष्य की चुनौतियों को भी भांपने की क्षमता रखते थे।

भारतीय संस्कृति और अस्मिता के लिए उनका त्याग अतुलनीय है। उन्होंने विलासिता का जीवन त्यागकर कठिन संघर्ष का मार्ग चुना। निरंतर युद्ध, षड्यंत्र और चुनौतियों के बीच भी उन्होंने राष्ट्रधर्म को सर्वोपरि रखा। उनका जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि स्वराज्य केवल राजनीतिक स्वतंत्रता नहीं, बल्कि सांस्कृतिक स्वाभिमान का भी प्रश्न है। उन्होंने जनमानस में यह विश्वास जगाया कि विदेशी सत्ता अजेय नहीं है और संगठित प्रयास से स्वतंत्रता प्राप्त की जा सकती है।

आधुनिक संदर्भ में यदि हम इस विरासत को देखें, तो यह प्रश्न स्वाभाविक है कि आज के भारत में शिवाजी के आदर्श कितने प्रासंगिक हैं। वर्तमान समय में जब भारत वैश्विक मंच पर अपनी भूमिका सुदृढ़ कर रहा है, तब राष्ट्रीय सुरक्षा, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और सुशासन की अवधारणाएँ पुनः केंद्र में हैं। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने आत्मनिर्भरता, सशक्त रक्षा नीति और सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण पर विशेष बल दिया है। यहाँ तुलनात्मक विवेचना की जा सकती है, यद्यपि दोनों युगों की परिस्थितियाँ भिन्न हैं।

शिवाजी महाराज ने स्वदेशी सैन्य शक्ति पर भरोसा किया और स्थानीय संसाधनों के माध्यम से साम्राज्य खड़ा किया। आधुनिक भारत में आत्मनिर्भर भारत अभियान उसी भावना का आधुनिक रूप प्रतीत होता है, जहाँ रक्षा उत्पादन और आर्थिक सशक्तिकरण पर बल दिया जा रहा है। शिवाजी ने किलों और नौसेना के माध्यम से सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की, आज भारत आधुनिक तकनीक और रणनीतिक साझेदारियों के माध्यम से अपनी सीमाओं को सुरक्षित रखने का प्रयास कर रहा है। शिवाजी का प्रशासन जनकल्याण और पारदर्शिता पर आधारित थाय समकालीन शासन में डिजिटल पारदर्शिता, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण और भ्रष्टाचार-नियंत्रण की पहलें उसी आदर्श की झलक देती हैं।

सांस्कृतिक पुनर्जागरण की दृष्टि से भी समानता देखी जा सकती है। शिवाजी महाराज ने हिंदू परंपराओं और प्रतीकों को पुनर्स्थापित कर जनमानस में आत्मगौरव जगाया। आज भी भारत में सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण, तीर्थस्थलों के विकास और ऐतिहासिक विरासत के पुनरोद्धार पर बल दिया जा रहा है। अंतर केवल इतना है कि शिवाजी का संघर्ष प्रत्यक्ष सैन्य टकराव का था, जबकि आधुनिक भारत का संघर्ष वैश्विक प्रतिस्पर्धा और कूटनीतिक संतुलन का है।

फिर भी, तुलनात्मक विवेचना करते समय यह स्मरण रखना चाहिए कि शिवाजी महाराज का युग पूर्णतः भिन्न राजनीतिक-सामाजिक परिस्थितियों में था। वे एक उभरते हुए स्वराज्य के संस्थापक थे, आज का भारत एक स्थापित लोकतांत्रिक गणराज्य है। अतः समानताओं को प्रेरणा के रूप में देखना चाहिए, न कि पूर्ण समानता के रूप में। शिवाजी की सबसे बड़ी सीख है-साहस, संगठन, दूरदर्शिता और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखना। यही मूल्य किसी भी युग में प्रासंगिक रहते हैं।

छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती हमें यह स्मरण कराती है कि राष्ट्र निर्माण केवल तलवार से नहीं, बल्कि नीति, नैतिकता और जनविश्वास से होता है। उन्होंने दिखाया कि सीमित संसाधनों के बावजूद यदि नेतृत्व दृढ़ हो तो असंभव भी संभव हो सकता है। आज आवश्यकता है कि हम उनके आदर्शों को केवल उत्सव तक सीमित न रखें, बल्कि उन्हें अपने आचरण और राष्ट्रीय जीवन में उतारें। भारतीय अस्मिता का अर्थ किसी के प्रति द्वेष नहीं, बल्कि अपने स्वत्व का सम्मान है-और यही संदेश शिवाजी महाराज के जीवन से हमें मिलता है। उनकी 394वीं जयंती पर उन्हें नमन करते हुए हम संकल्प लें कि स्वराज्य की उस भावना को, जिसे उन्होंने सह्याद्रि की घाटियों से जगाया था, हम आधुनिक भारत की प्रगति और वैश्विक नेतृत्व में रूपांतरित करेंगे। यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

सुरक्षा कवच में छिद्र

एक दशक पूर्व प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना यानी पीएमएफबीवाई इस मकसद से शुरू की गई थी कि देश के अन्नदाता के हित तमाम ऊंच-नीच में सुरक्षित रह सकें। सदियों से प्राकृतिक आपदाओं का त्रास पीढ़ी-दर-पीढ़ी भुगतते किसानों को सुरक्षा कवच प्रदान करने का प्रयास मोदी सरकार ने किया था। मकसद था किसान हितों को प्राथमिकता दी जाए। लेकिन जिस पीएमएफबीवाई के आज दस साल पूरे हो रहे हैं, वह आज एक चुनौतिपूर्ण मोड़ पर खड़ी है। जिसके वास्तविक लाभों पर मंथन करने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। दरअसल, मोदी सरकार ने वर्ष 2016 में खेती-किसानी में एक बड़े जोखिम को कम से कम करने का प्रयास किया था। फसल बीमा से किसानों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। दरअसल, इस योजना का प्राथमिक उद्देश्य किसानों को जलवायु और बाजारों की बढ़ती अस्थिरता से बचाना था। लेकिन विडंबना यही है कि इस योजना के अपेक्षित लाभ किसानों को नहीं मिल पाये। बल्कि यह योजना बीमा कंपनियों के लिये दुधारू गाय बनकर रह गई। यहां तक कि भाजपा शासित राज्यों हरियाणा और राजस्थान से मिली प्राथमिक जानकारी से पता चला है कि इस योजना का लाभ किसान के बजाय बीमा कंपनियां जमकर उठा रही हैं। वर्ष 2023 से 2025 के बीच, हरियाणा में बीमा कंपनियों ने पीएमएफबीवाई के तहत 2,827 करोड़ रुपये का सकल प्रीमियम एकत्र किया था। लेकिन जहां तक फसलों को हुई क्षति के लिये दावों के भुगतान का प्रश्न है, केवल 731 करोड़ रुपये का ही भुगतान किया गया है। यानी बीमा कंपनियों को सीधे-सीधे 2,000 करोड़ से अधिक का लाभ हुआ है। इतना ही नहीं, शेष देश के आंकड़े भी कम चौंकाने वाले नहीं हैं। केवल तीन वर्षों में ही 82,015 करोड़ रुपये बीमा कंपनियों द्वारा प्रीमियम के रूप में एकत्रित किए गए। जबकि किसानों को क्षतिपूर्ति के लिये मात्र 34,799 करोड़ रुपये ही वितरित किए गए। बीमा कंपनियों को 47,000 करोड़ रुपये से अधिक का लाभ हुआ। यह विडंबना ही है कि जिस महत्वाकांक्षी फसल बीमा योजना को किसानों को सुरक्षा कवच प्रदान करने के लिये लाया गया था, वो बीमा कर्पनियों की मुनाफाखोरी का जरिया बन गई है। निश्चय ही देश की खाद्य सुरक्षा व किसान हित में योजना को बीमा कंपनियों के मुनाफे का जरिया बनने से रोकने की जरूरत है। बल्कि फसल बीमा योजना के क्षेत्र में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित की जानी चाहिए ताकि किसान को अधिक लाभ मिल सके। हरियाणा के कुछ हिस्सों में किसानों के दावों में की जाने वाली देरी अथवा किसानों के दावे खारिज किए जाने के खिलाफ धरना देने की बात भी सामने आई है। वहीं दूसरी ओर राजस्थान में फसल बीमा योजना में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। अनुचित लाभ उठाने के लिये जाली फॉर्म और फर्जी बैंक खातों का उपयोग किया गया है। निस्संदेह, यदि बीमा कंपनियां सिर्फ मुनाफा कमाती रहीं और किसान को योजना का लाभ पर्याप्त रूप से न मिला, तो निश्चित रूप से किसानों का इस योजना से भरोसा उठ जाएगा। ऐसे में यदि किसान अनियमित मौसम की मार, बढ़ते कर्ज के बोझ और नौकरशाही की बाधाओं से जूझते रहे तो वे योजना का लाभ पाने से वंचित हो जाएंगे।

चिंतन-मनन

दीर्घजीवी होती है विनम्रता

एक साधु बहुत बूढ़े हो गए थे। उनके जीवन का आखिरी क्षण आ पहुंचा। आखिरी क्षणों में उन्होंने अपने शिष्यों और चेलों को पास बुलाया। जब सब उनके पास आ गए, तब उन्होंने अपना पोपला मुंह पूरा खोल दिया और शिष्यों से बोले- 'देखो, मेरे मुंह में कितने दांत बच गए हैं?' शिष्यों ने उनके मुंह की ओर देखा। कुछ टटोलते हुए वे लगभग एक स्वर में बोल उठे- 'महाराज आपका तो एक भी दांत शेष नहीं बचा। शायद कई वर्षों से आपका एक भी दांत नहीं है' साधु बोले-'देखो, मेरी जीभ तो बची हुई है' सबने उत्तर दिया- 'हां, आपकी जीभ अवश्य बची हुई है'

इस पर साधू ने कहा- 'पर यह हुआ कैसे? मेरे जन्म के समय जीभ थी और आज मैं यह चोला छोड़ रहा हूं तो भी यह जीभ बची हुई है। ये दांत पीछे पैदा हुए, ये जीभ से पहले कैसे विदा हो गए? इसका क्या कारण है, कभी सोचा?' शिष्यों ने उत्तर दिया-'हमें मालूम नहीं। महाराज, आप ही बतलाइए' उस समय मृदु आवाज में संत ने समझाया - यही रहस्य बताने के लिए मैंने तुम सबको इस बेला में बुलाया है। इस जीभ में माधुर्य था, मृदुता थी और खुद भी कोमल थी, इसलिए वह आज भी मेरे पास है, परंतु मेरे दांतों में शुरू से ही कठोरता थी, इसलिए वे पीछे आकर भी पहले खत्म हो गए, अपनी कठोरता के कारण ही ये दीर्घजीवी नहीं हो सके। दीर्घजीवी होना चाहते हो तो कठोरता छोड़ो और विनम्रता सेखो।

इबादत का पाक महिना है रमजान!

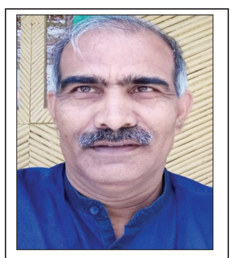
डॉ. श्रीगोपाल नारसन

इस्लाम धर्म को मानने वाला हर मुस्लमान रमजान का बेसब्री से इन्तजार करता है। रमजान शुरू होते है तो हर रोजेदार की दिनचर्या बदल जाती है। बडे सवेरे उठना और अल्लाह को याद करने के साथ ही पांचो वक्त की नमाज रोजेदार को अल्लाह की इबादत का मौका दिलाती है। रमजान की शुरूआत भी चांद से ही होती है और रमजान पूरे होने पर ईद का जब चांद निकलता है तो सबके चेहरे पर खुशी छा जाती है। दरअसल रमजान के सकुशल बीतने की खुशी में ही अल्लाह को शुक्रिया अदा करने के लिए ही ईद उल फितर का त्यौहार मनाया जाता है। वही रमजान अल्लाह के नेक बन्दो की खिदमत का भी मुबारक मौका भी है । नमाज के बाद अल्लाह ने जो दूसरी इबादत मुसलमानों के लिए अनिवार्य की है वह है रोजा। रोजे से मुराद ये है कि रमजान के महीने में 30 दिन तक सुबह से शाम तक खाना-पीना नहीं होता। नमाज की तरह ही इबादत रोजा भी अल्लाह के भेजे सभी पैगंबरों के मानने वालों पर फर्ज हैं और आज भी अधिकतर धर्मों में किसी न किसी रूप में मौजूद हैं।

वास्तव में इस्लाम का रोजे से तात्पर्य यह है कि बंदा अपना जीवन रब की इच्छा और उसके आदेशों को मानते हुए गुजार दे। साल भर में रमजान महीने के रोजे इसी मकसद का प्रशिक्षण हैं।इस्लामिक कैलेंडर के नौवें महीने को रमजान का महीना कहा जाता है। इस महीने में तीस दिनों तक रोजा रखना प्रत्येक मुस्लिम के लिए अनिवार्य बताया गया है। मुसलमानों के लिए यह पाक रोजा का महीना होता है। रोजा के लिए जो अरबी शब्द बोला जाता है, उसे 'सॉम' कहते है,इसका शाब्दिक अर्थ है 'संयम करना।' सॉम शब्द रमजान के महीने की सच्ची भावना को दशार्ता है। जिसमें सूर्योदय से सूर्यास्त होने तक रोजा रखना होता है।

रोजे का मतलब होता है व्यक्ति के मन को अध्यात्म से जोड़ना। जिससे उसके अंदर कृतज्ञता और स्नेह का ऐसा भाव उत्पन्न हो। जिससे व्यक्ति पूरे वर्ष संयम और नियम से चल पाए। सूर्यास्त के एक दम बाद रोजा खोला जाता है। रोजेदार खजूर और पानी के साथ इफ़्तार करते हैं। क्योंकि हजरत मुहम्मद साहब अपना रोजा खजूर और पानी से खोलते थे।

रमजान में मुस्लिम समाज एक अतिरिक्त नमाज पढ़ते हैं जिन्हें तरावीह कहा जाता है। तरावीह की नमाज रात की नमाज के बाद मस्जिद में सामूहिक रूप से पढ़ी जाती है। इस नमाज में पूरा कुरआन रमजान के महीने के अंदर पढ़ा जाता है। रमजान में कुरआन पढ़ने पर अत्यधिक जोर दिया गया है। ताकि प्रत्येक रोजेदार इस पर चिंतन कर सके। आज कल के हालात के चलते विश्वभर के मुस्लिम चिंतित हैं कि वे तरावीह की नमाज कैसे अदा करेंगे। लेकिन यह कोई चिंता का विषय नहीं। हदीस की किताब अल-बुखारी में आता है की इस्लाम के पैगंबर तरावीह की नमाज अकेले घर पर पढ़ते थे, मस्जिद में नहीं।एक माह तक रोजा रख चुके लोग नये नये कपडे पहनकर ईद की नमाज अदा करने के लिए ईदगाह जाते है। ईदगाह में नमाज के बाद एक दूसरे के गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी जाती है।लेकिन इस बार कोरोना के चलते बिना गले मिले ही दिल से एक दूसरे को दुआएं देंगे तो अच्छा रहेगा। रमजान के बाद आने वाली ईद उल फितर की शुरूआत जगं ए बदर के बाद सन 624 ईसवी के पैगम्बर मौहम्मद साहब द्वारा ईद उल फितर मनाने से मनाने से हुई थी। रमजान साल का एक अनूठा महिना होता है। इस महिने में हर मुस्लमान जंहा ज्यादा से ज्यादा समय अल्लाह की रहमत में गुजारना चाहता है। वही वह स्वयं को सुधारने व खुदा के बन्दो के चेहरो पर रौनक लाने के लिए उनके हर गम में शरीक होता है। जो खुदा के बन्दे पैसो से मोहताज है, भूखे है ,लाचार है उनकी हर हाल में मदद कर उन्हे बराबरी पर लाने की कौशिश की जाती है।

रमजान के महिने में हर दिन पाक साफ रहने की हिदायत है ताकि रोजेदार हर तरह के गुनाहो से दूर रहे। आपसी भाईचारे से रहना सीखे। खुदा की इबादत करे। नेकी करे लेकिन ईद उल फितर की खुशी के मौके पर कैसे हो दिन की शुरूआत यह भी इस्लाम में बताया गया है । इस्लाम धर्म से जुड़े फिरोज अहमद बताते है कि ईद उल फितर के दिन की शुरूआत फजर की नमाज के साथ होती है। रमजान में तीस दिनो तक रोजा रख चुके रोजेदारो एवं उनको भी जो बीमारी या फिर किसी अन्य वजह से रोजा नही रख पाए ,को मिस्वाक दातून करने के बाद गुसल नहाना करना चाहिए। फिर साफ कपडे पहनकर कपडो पर इतर की खुशबू के साथ कुछ खाकर ईदगाह जाना चाहिए। ध्यान रहे ईद की नमाज से पहले फितरा और जकात की जरूरी रस्म नही भूलनी चाहिए। यही वह रस्म है जो गरीब और मोहताज पडौसी के चेहरे पर सहायता की रौनक लाती है।

इस्लाम मानता है कि मनुष्य में वासनाएं,इच्छाएं,और भावनाएं प्राकृतिक रूप से समाहित है इसी कारण उसके स्वभाव में तेजी,उत्तेजना और जोश होता है। जिसे जड से तो समाप्त नही किया जा सकता लेकिन नियन्त्रित जरूर किया जा सकता है। इस नियन्त्रण के लिए ही रमजान में रोजो की व्यवस्था की गई है। ताकि मनुष्य अल्लाह को याद करने के साथ साथ अपने अन्दर की बुराईयों को दूर करते हुए आत्म नियन्त्रण करना सीखे और एक अच्छे भले इंसान के रूप में अपने जीवन का यापन करे। वैसे तो इस्लाम में हर रोज पांच वक्त की नमाज पढने की हिदायत दी गई है। लेकिन रमजान में एक विशेष नमाज भी अता की जाती है। लेकिन रमजान के दिनो में चूंकि हर रोजेदार अल्लाह के करीब होता है इसलिए पांचो वक्त की नमाज पढना वह अपना फर्ज समझता है। रोजा रखने से जहां पेट बिलकुल ठीक रहता है और शरीर का शुद्धिकरण हो जाता है। वही पांचो वक्त की नमाज पढने से उसकी योगिक क्रियाएं भी हो जाती है। नमाज की शरीरिक स्थिति इस तरह की होती है कि सभी तरह के आसन और प्राणायाम अल्लाह की इबादत में पूरे हो जाते है। ईदगाह में ईद की नमाज अदा करते

समय तकबीर पढे,अल्लाह हु अकबर अल्लाह हु अकबर लाईलाह इल्लाह अल्लाह हु अकबर बडा है अल्लाह के सिवा कोई इबादत के लायक नही । सारी तारीफे अल्लाह के लिए है।

ईदगाह की नमाज अदा करने के बाद एक दूसरे को ईद की बधाई देने व लेने में जो खुशी मिलती है उसको जरूर प्राप्त करना चाहिए। ईद की बधाई में सिर्फ मुस्लमान ही नही हिन्दू,सिख और ईसाइ भी शरीक होते है। यह वह त्योहार है जो हमे इंसानियत की सीख देता है। जो दूसरो की भलाई का जज्बा देता है और मुल्क की तरक्की व हिफाजत का जुनून देता है। ईद की खुशी रोजेदारो को तभी से मिलनी शुरू हो जाती है। जब रमजान में रोजेदार मुस्लमानो के साथ साथ दूसरे धर्मो से जुडे लोग भी रोजा इफतार की रस्म में शरीक होकर आपसी भाईचारे व एकता का पैगाम देते है। रोजा इफतार कार्यक्रमो का सिलसिला रमजान में लगातार चलता है। राजनीतिक पार्टियों से लेकर स्वयंसेवी संस्थाएं भी रोजा इफतार के कार्यक्रम करके रोजेदारो की रोजा ईफतारी कराकर शबाब कमाती है। हमे केवल ओर केवल धार्मिक भावना के तहत ही रोजा इफतारी कराकर रोजेदारो की खिदमत करनी चाहिए और उन्हे तहेदिल से मुबारकबाद देकर भाईचारे में इजाफे की शुरूआत करनी चाहिए। तभी रमजान की खुशी दोगुनी हो सकती है ।

(लेखक आध्यात्मिक चिंतक व वरिष्ठ साहित्यकार है)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

भारत के लिए बड़ा सबक है गलगोटिया यूनिवर्सिटी विवाद

संतोष कुमार पाठक

20 से अधिक देशों के राष्ट्राध्यक्ष, 60 मंत्री और 500 के लगभग वैश्विक एआई अग्रणी भारत की राजधानी दिल्ली में अपनी तरह के पहले वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन में शामिल हो रहे हैं। वैश्विक स्तर पर अपनी नई भूमिका की तलाश कर रहा भारत, दुनिया के सबसे बड़े आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इवेंट 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' की मेजबानी कर रहा है। यह पहली बार है जब एआई पर इस स्तर का वैश्विक सम्मेलन ग्लोबल साउथ में आयोजित किया जा रहा है। सरकार ने इसे लेकर दावा भी किया है कि इस शिखर सम्मेलन में राष्ट्राध्यक्ष और सरकार प्रमुख, मंत्रीगण, वैश्विक प्रौद्योगिकी अग्रणी, प्रख्यात शोधकर्ता, बहुपक्षीय संस्थान और उद्योग जगत के हितधारक एक साथ आएंगे और समावेशी विकास को बढ़ावा देने, सार्वजनिक प्रणालियों को मजबूत करने और सतत विकास को सक्षम बनाने में एआई की भूमिका पर विचार-विमर्श करेंगे।

राजधानी दिल्ली स्थित भारत मंडपम में अभूतपूर्व वैश्विक भागीदारी के साथ चल रहा इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 अपने आप में यह बताता नजर आ रहा है कि भारत आज की तारीख में वैश्विक एआई संवाद का नेतृत्व कर रहा है और आने वाले दिनों में कोई भी देश भारत की भूमिका को नजरअंदाज नहीं कर सकता। क्योंकि इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 वैश्विक एआई एजेंडा को आकार देने के लिए एक प्रमुख मंच के रूप में भारत की भूमिका को मजबूत करता है।

दुनियाभर के दिग्गजों के साथ-साथ इस समिट में भारत के भी कई विश्विद्यालय, कॉलेज और स्टार्टअप्स शामिल हो रहे हैं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने तो एआई को 5वीं औद्योगिक क्रांति की संज्ञा देते हुए यहां तक दावा किया कि, 3 लाख से ज्यादा छात्रों और रिसर्चर्स ने रजिस्ट्रेशन किया है। देशभर के कई विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और स्टार्टअप ने समिट में एआई मॉडल्स की प्रदर्शनी भी लगाई गई है। जाहिर सी बात है कि इस समिट के जरिए जहां चर्चा भारत के युवाओं की बौद्धिक क्षमता और टैलेंट की होनी चाहिए थी, वहीं गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने पूरी दुनिया के सामने भारत को शर्मसार कर दिया है। गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने चीन में बने रोबोट को अपना इनोवेशन बताकर दिल्ली एआई समिट में पेश कर दिया। मीडिया से बात करते हुए एक प्रोफेसर ने बड़े ही गर्व के साथ चार पैरों वाले इस रोबोडॉग की खासियत भी कैमरे पर बताई। सोशल मीडिया पर वायरल हुए इस वीडियो में गलगोटिया यूनिवर्सिटी की इस प्रतिनिधि के हाव-भाव देखने लायक है।इसका नाम 'ओरियन' बताते हुए उन्होंने दावा किया कि इसे यूनिवर्सिटी के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' ने तैयार किया है। सरकारी चैनल सहित देश के कई मीडिया संस्थानों ने इसे एक बड़ी उपलब्धि के तौर पर जोर-शोर से चलाया और छापा भी। लेकिन चीन की तरफ से बयान आते ही पूरा मामला पलट गया। इसके बाद यह पता लगा कि वास्तव में यह गलगोटिया यूनिवर्सिटी द्वारा नहीं बल्कि चीन की एक कंपनी द्वारा बनाया गया एआई-पावर्ड रोबोटिक डॉग है, जो अपनी फुर्ती और एडवांस सेंसर्स के लिए दुनियाभर में मशहूर है।

विवाद बढ़ने और सोशल मीडिया पर लगातार ट्रोल होने के बाद गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने भी अपने झूठ को स्वीकार कर लिया। यूनिवर्सिटी ने एक लंबा चौड़ा बयान जारी कर यह स्वीकार किया कि यह रोबोडॉग उन्होंने नहीं बनाया है। लेकिन इसके साथ ही उन्होंने एक बार फिर से झूठ का सहारा लेते हुए यह भी कह दिया कि गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने इसे बनाने का दावा नहीं किया। जबकि उनके प्रोफेसर का वायरल वीडियो ही उनके झूठ का पदार्फाश कर रहा है।

ऐसे में एक बार फिर से सरकार के विजन, नीति और फंड की व्यवस्था पर गहरे सवाल खड़े हो गए हैं। सरकार प्राइवेट विश्विद्यालय और कॉलेजों के सहारे

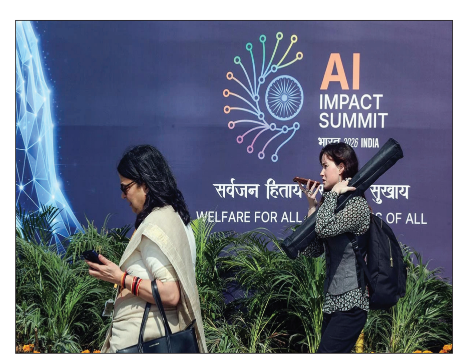

देश में नई, बड़ी और स्पेशल रिसर्च नहीं करवा सकती क्योंकि इनकी भूमिका और इनके कामकाज का पूरा ढांचा ही संदिग्ध है। एडमिशन से लेकर क्लास और शिक्षा की गुणवत्ता पर भी कई बार गहरे सवाल खड़े हो चुके हैं। भारत सरकार रिसर्च, इनोवेशन और पेटेंट फाइल करने के नाम पर निजी विभविद्यालयों को जो मोटा फंड देती है, उसकी न्यायिक जांच करवाने का भी समय आ गया है।

दरअसल, यह बिल्कुल सही समय आ गया है कि सरकार पहले की तरह सरकारी स्कूल, कॉलेज और विश्विद्यालयों में शिक्षा हासिल कर रही प्रतिभाओं को हर तरह से उभारने में मदद करें। इन संस्थानों में फीस और लालफीताशाही दोनों कम होनी चाहिए, जिम्मेदारी तय होनी चाहिए और करप्शन पर हर हाल में लगाम होनी चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

सूडान के कोरडोफान इलाके में बाजार पर हुए हमले में कम से कम 28 लोगों की मौत

कोरडोफान, एजेंसी। मानवाधिकार समूह ने सोमवार को बताया कि सूडान के कोरडोफान क्षेत्र में एक बाजार पर हुए हमलों में कम से कम 28 लोग मारे गए और दर्जनों घायल हो गए। सूडान में सेना और एक अर्धसैनिक समूह के बीच युद्ध अपने तीन साल पूरे करने के करीब पहुंच रहा है। नागरिकों के खिलाफ हिंसा पर नजर रखने वाले मानवाधिकार समूह इमरजेंसी लॉयर्स ने एक बयान में कहा कि रविवार को उत्तरी कोरडोफान प्रांत के सुदरी इलाके में एक बाजार पर ड्रोन से बमबारी की गई। उस समय बाजार में काफी भीड़ थी, जिससे मानवीय त्रासदी और भी बढ़ गई। समूह ने कहा कि हताहतों की संख्या बढ़ने की संभावना है।

न्यूजीलैंड में तूफान से उड़ानें बाधित, स्कूल बंद

वेलिंग्टन, एजेंसी। न्यूजीलैंड के उत्तरी द्वीप के कई हिस्सों में सोमवार को भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण हवाई जहाज, रेल और नौका सेवाएं बाधित हुई हैं। कई जगहों पर सड़कें बंद करनी पड़ीं। साथ ही हजारों निवासियों की बिजली गुल हो गई। हवाई अड्डे के मुताबिक, राजधानी वेलिंगटन से आने-जाने वाली अधिकांश उड़ानें रद्द या विलंबित रहीं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, एयर न्यूजीलैंड ने वेलिंगटन, नेपियर और पामर्स्टन नॉर्थ हवाई अड्डों पर अपनी सेवाएं रोक दीं हैं। अधिकारियों ने बताया कि 30,000 से अधिक घरों में बिजली नहीं थी, जिनमें वेलिंगटन के लगभग 10,000 ग्राहक शामिल हैं। वेलिंगटन क्षेत्र के वाहन चालकों से सड़कों पर न निकलने का आग्रह किया गया है, जबकि व्यापक क्षति के बाद आपात दल राहत कार्य में जुटे रहे और अधिकांश स्कूल बंद हैं। एयर न्यूजीलैंड ने वेलिंगटन, नेपियर और पामर्स्टन नॉर्थ हवाई अड्डों पर अपनी सेवाएं रोकीं।

ग्वाटेमाला में एक माह बाद समाप्त आपातकालीन शक्तियां

ग्वाटेमाला , एजेंसी। ग्वाटेमाला ने सोमवार को आपातकालीन स्थिति समाप्त कर दी, जो एक माह पहले राष्ट्रपति बर्नार्डो अरेवालो द्वारा लागू की गई थी। इस कदम के पीछे 10 पुलिसकर्मियों की हत्या थी, जिसे कथित गैंग सदस्यों द्वारा अंजाम दिया गया था। आपातकालीन स्थिति के दौरान कुछ संवैधानिक अधिकारों पर रोक लगाई गई थी। अधिकारियों को बिना न्यायाधीश के वारंट के गिरफ्तारी करने की अनुमति मिली थी। यह सुविधा अब मंगलवार से लागू होने वाले नए नियमों में नहीं रहेगी, हालांकि राष्ट्रपति अरिवालो ने नए उपायों का विस्तार से विवरण नहीं दिया। उन्होंने रविवार को बताया कि आपातकालीन अवधि में 83 गैंग सदस्यों को गिरफ्तार किया गया और हत्या और वसूली की घटनाओं में पिछले साल की तुलना में गिरावट आई। हालांकि उन्होंने सटीक आंकड़े साझा नहीं किए।

'सहयोगियों पर चीन से दूरी का दबाव नहीं डालेगा अमेरिका', विदेश मंत्री रुबियो बोले- राष्ट्रीय हित सर्वोपरि

बुडापेस्ट, एजेंसी। अमेरिका ने साफ कर दिया है कि वह अपने सहयोगी देशों से चीन से दूरी बनाने की कोई वैचारिक शर्त नहीं रखेगा। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका की प्राथमिकता यह है कि दुनिया का हर देश अपने राष्ट्रीय हित में निर्णय ले। हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में संयुक्त प्रेस वार्ता के दौरान रुबियो ने कहा 'हम किसी भी देश से यह नहीं कह रहे कि वे खुद को किसी से अलग-थलग करें, चाहे वह चीन ही क्यों न हो।' यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका और चीन के बीच रणनीतिक प्रतिस्पर्धा तेज है। हालांकि, रुबियो ने स्पष्ट किया कि प्रतिस्पर्धा का मतलब संबंध खत्म करना नहीं है। उन्होंने कहा कि यह पागलपन होगा कि अमेरिका और चीन आपस में बातचीत या संबंध न रखें। रुबियो ने संकेत दिया कि ट्रंप प्रशासन की विदेश नीति वैचारिक दबाव के बजाय व्यावहारिक दृष्टिकोण पर आधारित है। उन्होंने कहा कि हर देश को अपनी भौगोलिक, आर्थिक और ऐतिहासिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर फैसले लेने होते हैं। इस दौरे के दौरान अमेरिका और हंगरी के बीच नागरिक परमाणु कार्यक्रम में सहयोग बढ़ाने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर हुए। हंगरी, जो नाटो और यूरोपीय संघ का सदस्य है, हाल के वर्षों में चीन के निवेश को बढ़ावा देता रहा है। रुबियो ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप और हंगरी केप्रधानमंत्री विक्टर ऑर्बन के बीच बहुत करीबी व्यक्तिगत और कार्य संबंध हैं, जिसने द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत किया है। ऑर्बन ने मौजूदा दौर को अमेरिका-हंगरी संबंधों का स्वर्ण युग बताया। हालांकि अमेरिका चीन से रिश्ते बनाए रखने की बात कर रहा है, लेकिन रुबियो ने आर्थिक निर्भरता को लेकर स्पष्ट चेतावनी भी दी।

ट्रंप ने नाइजीरिया में भेज दिए 100 अमेरिकी सैनिक, यहां रोज होता है खून-खराबा; अब तेज होगी जंग

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका ने नाइजीरिया में अपनी सैन्य मौजूदगी को और मजबूत किया है। हाल ही में लगभग 100 अमेरिकी सैनिक और संबंधित उपकरण नाइजीरिया पहुंचे हैं। यह पहली खेप है, जिसमें कुल 200 सैनिकों की तैनाती का प्लान है। नाइजीरियाई सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल समाइला उबा ने पुष्टि करते हुए कहा है कि ये सैनिक ट्रेनिंग, तकनीकी सहायता और खुफिया जानकारी शेयर करने के लिए आए हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि अमेरिकी सैनिक सीधे युद्ध में हिस्सा नहीं लेंगे और पूरी कमान नाइजीरियाई सेना के पास ही रहेगी। बताया जा रहा है कि यह तैनाती नाइजीरिया सरकार की औपचारिक मांग पर हुई है, जो देश में बढ़ते आतंकवादी हमलों से जूझ रही है। नाइजीरिया में बोको हराम, इस्लामिक स्टेट वेस्ट अफ्रीका प्रॉविंस (आई एस डब्ल्यू एपी), लकुरावा जैसे इस्लामिक आतंकी समूह और अन्य सशस्त्र गिरोहों (बैंडिट्स) का आतंक लगातार बढ़ रहा है। उत्तर-पूर्वी इलाकों जैसे बोर्नो, योबे और अडामा में रोजाना हमले, अपहरण और हत्याएं हो रही हैं। हाल के महीनों में सैकड़ों लोग मारे गए हैं, हजारों विस्थापित हुए हैं। अमेरिकी सैनिकों की यह तैनाती ऐसे समय में हुई है जब देश में हिंसक हमले चरम पर हैं। पिछले सप्ताह के अंत में मोटरसाइकिलों पर आए बंदूकधारियों ने तीन गांवों में तांडव मचाया, जिसमें कम से कम 46 लोग मारे गए। सबसे भीषण हमला नाइजर राज्य के कोंकोसो गांव में हुआ, जहां 38 लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गई। नाइजीरिया वर्तमान में बोको हरम, आई एस डब्ल्यू एपी, और 'लाकुरावा' जैसे कई आतंकी गुटों से जूझ रहा है। इसके अलावा, 'डाकू' समूह भी सक्रिय हैं जो फिरौती के लिए अपहरण और अवैध खनन में शामिल हैं।

ट्रंप का नाइजरिया पर दबाव : ट्रंप ने 2025 के अंत में नाइजीरिया पर खासा दबाव बनाया था। उन्होंने आरोप लगाया कि नाइजीरिया में ईसाइयों का नरसंहार हो रहा है और सरकार उन्हें पर्याप्त सुरक्षा नहीं दे रही। दिसंबर 2025 में क्रिसमस के दिन अमेरिकी सेना ने उत्तर-पश्चिमी नाइजीरिया में इस्लामिक स्टेट से जुड़े ठिकानों पर मिसाइल हमले किए थे। ट्रंप ने इसे आईएसआईएस के आतंकवादियों पर सीधा प्रहार बताया था। इसके बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा, लेकिन बातचीत से स्थिति सुधरी। नाइजीरिया ने अमेरिका से ट्रेनिंग और इंटेलिजेंस सपोर्ट मांगा, जिसके जवाब में यह तैनाती हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप की नीति में धार्मिक उत्पीड़न (खासकर ईसाइयों की सुरक्षा) को प्राथमिकता मिल रही है, जो उनकी विदेश नीति का अहम हिस्सा बन चुकी है। नाइजीरिया की 24 करोड़ की आबादी ईसाई और मुस्लिम समुदायों के बीच लगभग समान रूप से बंटी हुई है। विश्लेषकों का कहना है कि हिंसा का शिकार केवल ईसाई नहीं, बल्कि सभी धर्मों के लोग हो रहे हैं। वास्तव में, अधिकांश हमले मुस्लिम बहुल उत्तरी क्षेत्र में होते हैं, जिससे हताहत होने वालों में मुस्लिम नागरिकों की संख्या अधिक है। क्षेत्रीय सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय सहयोग हाल के महीनों में यह संकट और गहरा गया है क्योंकि पड़ोसी साहेल क्षेत्र के आतंकी समूह भी नाइजीरिया में घुसपैठ कर रहे हैं। 'जमात नुसरत अल-इस्लाम वल-मुस्लिमीन' जैसे समूहों ने पिछले साल पहली बार नाइजीरियाई धरती पर हमले की जिम्मेदारी ली थी। दिसंबर में अमेरिकी सेना ने उत्तर-पश्चिम में ISIL से जुड़े लड़ाकों पर हवाई हमले किए थे। अब 100 सैन्य कर्मियों की यह नई तैनाती दर्शाती है कि वाशिंगटन और अबुजा के बीच सैन्य सहयोग फिर से मजबूत हो रहा है। यह तैनाती जंग को तेज करने का संकेत दे सकती है, लेकिन सीमित रूप से। अमेरिकी सैनिक सीधे फायरिंग में नहीं उतरेंगे, बल्कि नाइजीरियाई सेना को बेहतर ट्रेनिंग, ड्रोन इंटेलिजेंस, टारगेट पहचान और आधुनिक हथियारों के इस्तेमाल की ट्रेनिंग देंगे। इससे नाइजीरियाई फोर्सेस की क्षमता बढ़ेगी और आतंकवादियों पर दबाव बढ़ सकता है। नाइजीरिया की सरकार ने खुद अमेरिका से मदद मांगी थी। देश में कई आतंकवादी और हथियारबंद गिरोह सक्रिय हैं। इनमें बोको हराम, आईएस से जुड़े संगठन और अपहरण करने वाले गिरोह शामिल हैं। इन हमलों में अब तक हजारों लोगों की मौत हो चुकी है। नाइजीरिया के डिफेंस हेडक्वार्टर के स्पोक्सपर्सन मेजर जनरल समैला उबा के अनुसार, अमेरिकी सैनिक सीधे युद्ध में हिस्सा नहीं लेंगे, केवल ट्रेनिंग, सलाह और जानकारी देंगे। इस दौरान पूरे ऑपरेशन की कमान नाइजीरिया के पास ही रहेगी।

बांग्लादेश छोड़कर क्यों भाग रहे मोहम्मद यूनुस के करीबी? आखिर किस बात का है डर

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश में तारिक रहमान नए प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ लेने वाले हैं। बांग्लादेश के आम चुनाव में उनकी पार्टी बीएनपी को बड़ा बहुमत मिला है। इस बीच खबरें हैं कि अब तक अंतरिम सरकार चला रहे मोहम्मद यूनुस के कई करीबी देश छोड़कर निकल रहे हैं या ऐसा करने की फिराक में हैं। इसे लेकर सवाल उठ रहे हैं कि आखिर ऐसा क्यों हो रहा है। शेख हसीना की सरकार को भ्रष्टाचार के नाम पर चले आंदोलन के चलते अपदस्थ होना पड़ा था। फिर ईमानदार सरकार के नाम पर मोहम्मद यूनुस कमान संभाल रहे थे। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि उनकी ईमानदार सरकार के सलाहकार देश छोड़कर क्यों निकल रहे हैं। ढाका से निकलने वाले देश के बड़े अखबार द डेली स्टार ने एक खबर में मोहम्मद यूनुस के करीबी सलाहकार फैज अहमद तैयब का नाम लेते हुए लिखा था कि उन्होंने जर्मनी के लिए फ्लाइट बुकिंग कराई है। अखबार की हेडिंग की भी काफी चर्चा हुई, जिसने इसे सरप्राइज डिपार्चर लिखा। तैयब अब तक मोहम्मद यूनुस के सलाहकार थे और वह उन्हें इंटरनेशनल क्राइम्स ट्राइब्यूनल और टेलिकॉम्युनिकेशंस के मामले में मदद कर रहे थे। हालांकि इसे लेकर बांग्लादेश के जानकार आश्चर्य नहीं जता रहे हैं। उनका कहना है कि हम तो महीनों पहले से कह रहे थे कि मोहम्मद यूनुस के करीबी देश से बाहर निकलने का रास्ता खोज रहे हैं। यही नहीं सोमवार की शाम को एनसीपी के सीनियर नेता नसीरुद्दीन पटवारी ने भी मोहम्मद यूनुस के सलाहकारों के देश से निकलने का रास्ता खोजने की बात कही और कहा कि इसकी जांच होनी चाहिए। पटवारी ने कहा, 'हमने सुना है कि बहुत से सलाहकार सेफ एग्जिट की तलाश में हैं। हम देश के लोगों और खुद सलाहकारों से अपील करते हैं कि सेफ एग्जिट से पहले कम से कम एक बार अपनी संपत्तियों की पूरी जानकारी दें। आप जनता को बताएं कि अपने कार्यकाल में आपने देश के लिए क्या किया है। इसके अलावा डॉ. युनूस को यह देश याद रखेगा कि उन्होंने इलेक्शन में किस तरह से मदद की।' अब बात करते हैं कि आखिर कथित ईमानदार सरकार के सलाहकारों को डर किस बात का है? इसकी जड़ें अक्तूबर 2025 में मिलती हैं। एनसीपी के संयोजक नाहिद इस्लाम ने कहा था कि कई सलाहकारों ने अलग-अलग राजनीतिक दलों के साथ खुद को जोड़ लिया है और उनसे निकलने का रास्ता मांग रहे हैं।

रोड आईलैंड के हॉकी एरीना में गोलीबारी, संदिग्ध समेत तीन की मौत; तीन घायल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के रोड आइलैंड राज्य में एक हॉकी एरीना में हुई गोलीबारी ने इलाके में दहशत का माहौल बन गया। इस गोलीबारी में संदिग्ध हमलावर समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। सीएनएन के मुताबिक, मरने वालों में एक युवती भी शामिल है। कानून प्रवर्तन अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि हमलावर ने घटना के बाद खुद को भी गोली मार ली, जिससे उसकी भी मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों ने प्रारंभिक जांच के आधार पर कहा है कि हमलावर संभवतः अपने ही परिवार के सदस्यों को निशाना बना रहा था। यह घटना पॉटकेट स्थित डेनिस एम. लिंच एरीना में हुई, जहां उस समय दो स्कूल छात्र टीमों के बीच हॉकी मैच चल रहा था। पॉटकट पुलिस प्रमुख ने बताया कि तीन अन्य पीड़ित गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती हैं। रोड आइलैंड के गवर्नर डैन मैकी ने कहा कि राज्य प्रशासन हालात पर नजर बनाए रखे हुए है। उन्होंने पॉटकेट के मेयर ग्रेबियन और राज्य पुलिस अधिकारियों से बातचीत की है। गवर्नर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि राज्य पुलिस स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रही है और वे इस घटना से प्रभावित सभी लोगों के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। इस घटना से कुछ महीने पहले, रोड आइलैंड के पास ब्राउन यूनिवर्सिटी में भी गोलीबारी हुई थी। दिसंबर में प्रोविडेंस स्थित बारस और होले इंजीनियरिंग भवन में एक व्यक्ति ने गोली चलाई थी, जिसमें दो छात्रों की मौत हो गई थी और नौ अन्य घायल हुए थे। इसके अलावा, इसी महीने की शुरुआत में मैरीलैंड के रॉकविल स्थित थॉमस एस. वूटन हाई स्कूल में भी गोलीबारी की घटना सामने आई थी। इस मामले में 16 वर्षीय छात्र को हिरासत में लिया गया था।

विदाई भाषण में मोहम्मद यूनुस ने आलापा 'सेवन सिस्टर्स' का राग, 18 महीने की उपलब्धियां भी गिनाई

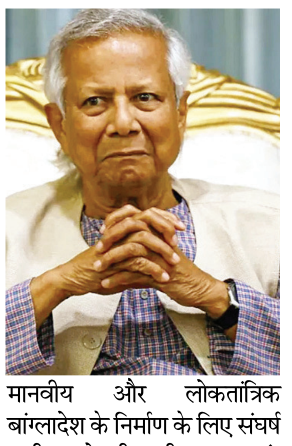

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की कार्यवाहक सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने सोमवार को अपने विदाई संबोधन में दावा किया कि उनके 18 महीने के शासनकाल ने देश की विदेश नीति को नई दिशा दी है। उन्होंने कहा कि अब बांग्लादेश किसी के निर्देशों पर चलने वाला आज्ञाकारी देश नहीं रहा, बल्कि अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने वाला आत्मविश्वासी राष्ट्र बन चुका है। टेलीविजन पर प्रसारित अपने संबोधन में यूनुस ने कहा आज का बांग्लादेश संप्रभुता, राष्ट्रीय हित और गरिमा की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनकी सरकार ने इन तीन मूल स्तंभों को फिर से मजबूत किया। यूनुस ने अपने संबोधन में कहा 'मैं सभी नागरिकों से, चाहे वे किसी भी दल, धर्म, पंथ, जाति या लिंग से जुड़े हों, एक न्यायपूर्ण, मानवीय और लोकतांत्रिक बांग्लादेश के निर्माण के लिए संघर्ष जारी रखने की अपील करता हूं। इसी आशा के साथ मैं विदा ले रहा हूं।' उन्होंने कहा कि देश की भौगोलिक स्थिति पूरे दक्षिण एशियाई क्षेत्र में बड़े आर्थिक अवसर पैदा करने की क्षमता रखती है। सेवन सिस्टर्स का राग आलापा यूनुस ने बांग्लादेश के खुले समुद्री क्षेत्र को रणनीतिक संपत्ति बताते हुए कहा कि यह वैश्विक अर्थव्यवस्था से जुड़ने का प्रवेश द्वार है। उन्होंने नेपाल, भूटान और पूर्वोत्तर भारत (जिससे सेवन सिस्टर्स भी कहा जाता है) के साथ व्यापक क्षेत्रीय सहयोग की संभावनाओं पर भी बल दिया। यूनुस ने कहा हमारा खुला समुद्री क्षेत्र केवल भौगोलिक सीमा नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था से जुड़ने का प्रवेश द्वार है। उनके मुताबिक, देश के विकास के अगले चरण में बेहतर कनेक्टिविटी केंद्रीय भूमिका निभाएगी। इसके अलावा उन्होंने बताया कि उनके कार्यकाल में करीब 130 नए कानून बनाए गए, कई कानूनों में संशोधन हुआ और 600 कार्यकारी आदेश जारी किए गए, जिनमें से अधिकांश लागू हो चुके हैं। इससे पहले दिन में उन्होंने वरिष्ठ नौकरशाहों से मुलाकात की और अपने कार्यालय के अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ एक औपचारिक फोटो सत्र में हिस्सा लिया। भारत-बांग्लादेश संबंधों में तनाव यूनुस के कार्यकाल में भारत के साथ रिश्तों में ठंडापन देखने को मिला। भारत ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदू समुदाय पर हमलों को लेकर चिंता जताई थी। विश्लेषकों का मानना है कि राजनीतिक मतभेदों का असर व्यापार और आर्थिक सहयोग पर भी पड़ा। कुछ विदेशी विशेषज्ञों ने कहा कि यूनुस के नेतृत्व में बांग्लादेश को विदेश नीति में सीमित लाभ मिला, जबकि पाकिस्तान के साथ संबंधों में अचानक सकारात्मकता दिखी, जिस पर देश के भीतर सहमति नहीं बन पाई। राजनीतिक और सुरक्षा विश्लेषकों का मानना है कि यूनुस सरकार ने पहले से ध्रुवीकृत राजनीतिक माहौल को और जटिल बना दिया।

एपस्टीन से रिश्तों पर ट्रंप बोले- मेरा उससे कोई लेना-देना नहीं, मुझे आरोपों से बरी कर दिया गया

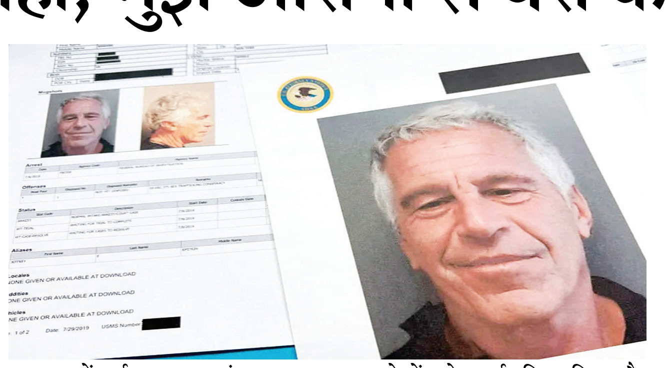

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी कारोबारी और दोषी यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन के दस्तावेजों के सामने आने के बाद से ही दुनिया में उथल-पुथल मची हुई है। कई दिग्गज हस्तियों से लेकर वैश्विक नेताओं के एपस्टीन के साथ संबंध सामने आए हैं। इसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम भी जुड़ा है। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस मामले में खुद को क्लीन चिट दे दी है। एयर फोर्स वन में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा, 'मेरे पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है। मुझे बरी कर दिया गया है। मेरा जेफरी एपस्टीन से कोई लेना-देना नहीं है। मुझे एपस्टीन मामले में पूरी तरह से बरी कर दिया गया है।' एपस्टीन फाइल्स में कई बार आया ट्रंप का नाम जेफरी एपस्टीन से जुड़े सार्वजनिक किए गए सरकारी दस्तावेजों में डोनाल्ड ट्रंप का नाम कई बार आया है। इसकी वजह से अमेरिका की राजनीति और मीडिया में नई बहस छिड़ गई है। अमेरिकी न्याय विभाग ने जेफरी एपस्टीन से जुड़े हजारों दस्तावेजों को सार्वजनिक किया है। इनमें से कई में ट्रंप का जिक्र दर्ज है। हालांकि किसी भी फाइल में ट्रंप को किसी अपराध या यौन अपराध में आरोपी नहीं बताया गया है। 8 बार की एपस्टीन के विमान में ट्रंप ने यात्रा न्याय विभाग की ओर से दिसंबर 2025 में जारी किए गए दस्तावेजों में से कुछ में डोनाल्ड ट्रंप का नाम कई बार देखा गया। इनमें ट्रंप और एपस्टीन के बीच के पुराने संपर्क और कई कथित टिप्पणियां शामिल थीं। इसमें ट्रंप के एपस्टीन के निजी विमान पर कम से कम आठ बार यात्रा करने का विवरण भी आया। हालांकि, अधिकारियों ने साफ किया है कि फाइल्स में दर्ज दावे 'गलत और सनसनीखेज' हैं। ट्रंप को किसी भी गैरकानूनी कृत्य में आरोपी नहीं माना गया है। कई दिग्गजों के साथ एपस्टीन की तस्वीरें हुई सार्वजनिक कुछ दस्तावेजों में ट्रंप, उनके रिश्तेदारों और अन्य बड़े लोगों की तस्वीरें भी थीं, लेकिन वे फाइलों से गायब भी हो गई, जिससे पारदर्शिता पर सवाल उठे हैं।

अमेरिका में हाई स्कूल हॉकी मैच के दौरान गोलीबारी :2 की मौत

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के रोड आइलैंड में सोमवार दोपहर हाई स्कूल हॉकी मैच के दौरान गोलीबारी हो गई। पुलिस के मुताबिक इस हमले में तीन लोगों की मौत हो गई, जिनमें हमलावर भी शामिल है। तीन अन्य लोग गंभीर हालत में हैं। घटना दोपहर करीब 2:30 बजे हुई। पुलिस प्रमुख टीना गोंकाल्वेस ने इसे 'टारगेटेड इवेंट' बताया है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक मामला पारिवारिक विवाद से जुड़ा हो सकता है, हालांकि मकसद अब तक साफ नहीं है। पुलिस प्रमुख टीना गोंकाल्वेस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि दोनों टीमें सीनियर नाइट मना रही थीं, तभी गोलीबारी शुरू हुई। मैदान में दो टीमें आमने-सामने थीं। इन टीमों में आसपास के कई स्कूलों के खिलाड़ी शामिल थे। मौके पर अफरातफरी मच गई। मेयर डोनाल्ड आर. ग्रेबिएन ने इसे बेहद डरावना अनुभव बताया। उन्होंने कहा, 'ये हाई स्कूल के बच्चे थे, परिवार उनके साथ मैच देख रहे थे। एक खुशी का माहौल अचानक डर और दहशत में बदल गया।'

गोलीबारी होते ही मैच छोड़ भागी टीमें : मैच की लाइव स्ट्रीम में दिखा कि जैसे ही एक टीम डिफेंस से निकालने की कोशिश कर रही थी, तभी अचानक गोलियों की आवाज गूंजी। खिलाड़ी बेंच के पीछे छिपने लगे। रेफरी ने तुरंत सीटी बजाकर मैच रोका और बर्फ से बाहर चले गए। कुछ ही सेकंड में दोनों टीमें रिंग छोड़कर बोर्ड के ऊपर से कूदते हुए दूसरी तरफ के एग्जिट की ओर भागीं। पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची। घटना के बाद इलाके में भारी पुलिस बल तैनात रहा। सोमवार शाम तक एरिना के आसपास सड़कों पर पुलिस की गश्त जारी थी।

स्कूलों ने कहा- सभी छात्र सुरक्षित : कोवेंट्री पब्लिक स्कूल डिस्ट्रिक्ट के सुपरिंटेंडेंट डॉन कोवार्ट ने बयान जारी कर कहा कि उनकी हॉकी टीम के सभी छात्र सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि कोवेंट्री पुलिस का एक अधिकारी छात्रों के साथ मौके पर मौजूद है। नॉर्थ स्मिथफील्ड हाई स्कूल के प्रिंसिपल डैन गेरागटी ने भी बयान में कहा कि उनके सभी छात्र, खिलाड़ी और दर्शक सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा, 'यह खबर दिल तोड़ने वाली है। हमारा समुदाय इससे हिल गया है।' पुलिस प्रमुख ने बताया कि कानून प्रवर्तन एजेंसियां स्कूलों के साथ मिलकर छात्रों को काउंसलिंग सेवा उपलब्ध कराएंगी। उन्होंने कहा कि इस घटना का असर बच्चों पर देर से भी सामने आ सकता है।

ईरान-अमेरिका बातचीत पर राष्ट्रपति ट्रंप ने दी चेतावनी, बोले- डील नहीं हुई तो होंगे गंभीर नतीजे

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका और ईरान के बीच जिनेवा में होने वाली बातचीत को वे समर्थन देते हैं और खुद भी अप्रत्यक्ष रूप से इसमें जुड़े रहेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस बार दोनों देश किसी समझौते पर पहुंच सकते हैं।

ट्रंप ने ईरान को चेतावनी भी दी : राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि ईरान बहुत सख्त बातचीत करने वाला देश है, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि वह इस बार ज्यादा समझदारी दिखाएगा। उन्होंने साफ चेतावनी दी कि अगर समझौता नहीं हुआ, तो इसके गंभीर नतीजे हो सकते हैं। ट्रंप का दावा है कि अगर अमेरिका ने हाल में सैन्य कार्रवाई न की होती, तो ईरान एक महीने में परमाणु हथियार बना सकता था।

क्या है बातचीत का मुद्दा : यह बातचीत मुख्य रूप से इन मुद्दों पर हो रही है। इसमें ईरान का परमाणु कार्यक्रम, पश्चिम एशिया में तनाव, अमेरिका के प्रतिबंध शामिल हैं। पहले भी कई बार बातचीत हुई, लेकिन या तो समझौते टूट गए या सिर्फ अस्थायी समाधान निकल पाया।

ट्रंप ने घरेलू मुद्दों पर भी बातें की : इस दौरान अर्थव्यवस्था पर बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि अमेरिका में महंगाई बहुत कम है। उन्होंन पेट्रोल की कीमत कई जगह 2 डॉलर प्रति गैलन से कम बताई। वहीं अपराध के मुद्दे पर उनका दावा है कि अमेरिका में हत्या के मामले 1900 के बाद सबसे कम हैं। जबकि सीमा सुरक्षा पर उन्होंने कहा कि हजारों अवैध प्रवासियों को देश से वापस भेजा गया है।

राजनीति और अन्य अंतरराष्ट्रीय मुद्दे : राष्ट्रपति ट्रंप ने सरकारी फंडिंग विवाद के लिए डेमोक्रेट्स को जिम्मेदार बताया। वहीं वोटर आईडी पर भी उन्होंने विपक्ष पर धोखाधड़ी चाहने का आरोप लगाया। ट्रंप ने इस दौरान क्यूबा से बातचीत जारी होने की बात कही। वहीं चीन के राष्ट्रपति से बातचीत के बाद ताइवान पर जल्द फैसला लेने की बात कही।

अमेरिका-ईरान विवाद की शुरुआत कैसे हुई : पहले ईरान में अमेरिका-समर्थित राजा (शाह) था। 1979 में इस्लामिक क्रांति हुई और नई सरकार बनी जो अमेरिका के खिलाफ थी। सबसे बड़ा टकराव तब हुआ जब ईरानी छात्रों ने अमेरिकी दूतावास पर कब्जा कर लिया। इस दौरान 52 अमेरिकी लोगों को 444 दिन तक बंधक रखा। यहीं से दोनों देशों के रिश्ते बहुत खराब हो गए।

परमाणु विवाद क्यों शुरू हुआ : 2000 के बाद अमेरिका को शक हुआ कि ईरान गुप्त रूप से परमाणु हथियार बना रहा है। हालांकि, ईरान कहता है कि उसका परमाणु कार्यक्रम सिर्फ बिजली और शांति के कामों के लिए है। वहीं अमेरिका कहता है कि उसे डर है कि ईरान परमाणु बम बना सकता है। इस कड़ी में 2015 में अमेरिका - यूरोप और ईरान के बीच बड़ी डील हुई। इस डील के मुताबिक, ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को सीमित करेगा और अमेरिका आर्थिक प्रतिबंध हटाएगा।

ट्रंप ने डील क्यों तोड़ी : जब ट्रंप पहली बार राष्ट्रपति बने, तब उन्होंने कहा यह खराब समझौता है। 2018 में अमेरिका डील से बाहर निकल गया। इसके बाद अमेरिका ने ईरान पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए, दोनों देशों के रिश्ते फिर बहुत खराब हो गए। 2020 में अमेरिका ने ईरान के टॉप जनरल कासिम सुलेमानी को ड्रोन हमले में मार दिया। इसके बाद दोनों देशों में युद्ध जैसे हालात बन गए थे। अभी हालात ऐसे हैं, ईरान परमाणु कार्यक्रम तेजी से बढ़ा रहा है। अमेरिका डरता है कि ईरान परमाणु हथियार बना सकता है, कई बार बातचीत शुरू हुई लेकिन पूरी डील नहीं हो पाई। इसी वजह से अब जेनेवा में फिर से बातचीत हो रही है।

हेल्थ प्लस

प्री प्रेग्नेंसी काउंसलिंग

प्रेग्नेंसी के दौरान सेहत व खानपान के लिए डॉक्टर की सलाह जितनी जरूरी है, उतनी ही महत्वपूर्ण है प्री प्रेग्नेंसी काउंसलिंग। इसलिए अगर आप अपना परिवार बढ़ाने के बारे में सोच रही हैं, तो डॉक्टर से इसके बारे में कंसल्ट जरूर करें...

स्वस्थ शिशु के जन्म के लिए यह बहुत जरूरी है कि प्रेग्नेंसी प्लान करने से पहले पति-पत्नी दोनों स्त्री रोग विशेषज्ञ से मिलकर इस संबंध में सारी बातें जान लें। जब आप अपना परिवार बढ़ाने की प्लानिंग करें, तब कम से कम तीन महीने पहले से आपको इसके लिए तैयारी शुरू कर देनी चाहिए।

खानपान

स्वस्थ शिशु के जन्म के लिए यह बहुत जरूरी है कि गर्भधारण से पहले अपने खानपान की ओर खास ध्यान दें। रोजाना के भोजन में कैल्शियम, आयरन और प्रोटीन की मात्रा बढ़ाएं। हरी पत्तेदार सब्जियों, फलों व मिल्क प्रॉडक्ट्स का सेवन बढ़ाएं। अगर डायबिटीज या हाई ब्लड प्रैशर की फैमिली हिस्ट्री हो, तो डाइट में मीठे व नमक का सेवन कम कर दें। फ्राइड, स्पाइसी और फास्ट फूड से कुछ समय के लिए दूरी बना लें।

सप्लीमेंट्स

कंसीव करने के कम से कम तीन महीने पहले से डॉक्टर की सलाह के अनुसार फॉलिक एसिड का सेवन शुरू कर देना चाहिए, क्योंकि सबसे पहले बच्चे के मस्तिष्क और उसकी रीढ की हड्डी का निर्माण शुरू होता है और इसे बनाने में फॉलिक एसिड की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसकी कमी से बच्चे को नर्वस सिस्टम से संबंधित समस्याएं हो सकती हैं।

ज्यादातर स्त्रियों को एनीमिया की समस्या होती है। हीमॉग्लोबिन की कमी के कारण मां की जान को खतरा हो सकता है, अबॉर्शन हो सकता है, बच्चे में जन्मजात नुकस हो सकते हैं और बच्चे का विकास भी प्रभावित हो सकता है। इसलिए यदि आप एनीमिक हैं, तो डॉक्टर की सलाह से आयरन सप्लीमेंट व विटामिन बी 12 अवश्य लें।

वैक्सीनेशन

अगर किसी स्त्री को रूबेला का वैक्सीन नहीं लगा हो, तो कंसीव करने से पहले उसे यह टीका लगवा लेना चाहिए। सर्विक्स और हैपेटाइटिस की वैक्सीन भी यदि न लगी हो, तो वो भी लगवा लें। लेकिन ये वैक्सीन लगवाने के बाद कम से कम तीन महीने तक प्रेग्नेंसी के लिए कोशिश नहीं करनी चाहिए।

जनरल टैस्ट

एचआईवी: पति-पत्नी दोनों के लिए एचआईवी टैस्ट करवाना जरूरी है, क्योंकि अगर मां एचआईवी पॉजीटिव हो, तो बच्चे को भी इसका खतरा रहता है।

ब्लड ग्रुप: पति-पत्नी दोनों के ब्लड ग्रुप्स की जांच होनी चाहिए। यदि स्त्री का ब्लड ग्रुप नैगेटिव हो, तो प्रेग्नेंसी के दौरान खास एहतियात बरतना पड़ता है।

हैपेटाइटिस बी: पति-पत्नी दोनों को हैपेटाइटिस बी की जांच करवानी चाहिए और इसके टीके भी जरूर लगवा लेने चाहिए।

डायबिटीज: स्त्री के लिए डायबिटीज की जांच बहुत जरूरी है, क्योंकि अगर मां को यह समस्या हो, तो प्रेग्नेंसी के दौरान मां व बच्चे दोनों को कई तरह की सेहत संबंधी दिक्कतें पेश आ सकती हैं।

हाई ब्लड प्रैशर: हाई ब्लड प्रैशर के कारण बच्चे की ग्रोथ पर असर पड़ता है व मिसकैरेज का खतरा बढ़ जाता है। यदि आपका वजन अधिक है या हाई ब्लड प्रैशर की फैमिली हिस्ट्री है, तो पहले वजन कम करें।

हाइपोथाइरॉइड: हाइपोथाइरॉइड के कारण कंसीव करने में परेशानी हो सकती है, बच्चे की ग्रोथ व ब्रेन की डिवैलपमेंट पर असर पड़ सकता है और मिसकैरेज की संभावना भी बनी रहती है।

सिफलिस: कंसीव करने से पहले स्त्री के लिए सिफलिस की जांच जरूरी है, क्योंकि इससे डिलिवरी के समय कई तरह की समस्याएं आ सकती हैं।

आनुवांशिक बीमारियों की जांच

अगर आपके या पति के परिवार में किसी खास बीमारी की फैमिली हिस्ट्री रही हो, तो उसके बारे में डॉक्टर को जरूर बताएं। गर्भधारण से पहले पति-पत्नी दोनों को थैलेसीमिया की जांच जरूर करवानी चाहिए। यह आनुवांशिक बीमारी है। अगर पति-पत्नी दोनों को माइनर थैलेसीमिया हो, तो बच्चे को मेजर थैलेसीमिया होने का खतरा होता है, जोकि एक गंभीर बीमारी है। इसमें रोगी को हर तीन महीने के अंतराल पर ब्लड ट्रांसफ्यूजन की जरूरत होती है।

वजन करें नॉर्मल

मां बनने की कोशिश करने से पहले हर स्त्री को अपने वजन पर ध्यान देना चाहिए। ओवरवेट या अत्यधिक दुबलेपन के कारण गर्भधारण में भी मुश्किलें आ सकती हैं। अगर स्त्री का वजन बहुत ज्यादा हो, तो प्रीमेच्योर डिलिवरी की आशंका बनी रहती है, जबकि कम वजन के कारण प्रेग्नेंसी के दौरान कई तरह की सेहत संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

लाइफ स्टाइल

पति-पत्नी दोनों ही एल्कोहल और सिगरेट से दूर रहें। इनके सेवन से पुरुषों में स्पर्म काउंट कम हो जाता है। इससे शारीरिक व मानसिक रूप से विकृत शिशु के जन्म या मिसकैरेज की आशंका रहती है।

...अगर ले रही हों कंट्रासैप्टिव

गर्भनिरोधक गोलियों के सेवन के दौरान रोजाना एक गोली फॉलिक एसिड की जरूर लेनी चाहिए। जब कंसीव करने की इच्छा हो, तो गर्भनिरोधक गोलियों का सेवन बंद कर देना चाहिए, पर फॉलिक एसिड की गोली लेते रहें।

मत छिपाएं कोई बात

बच्चे की प्लानिंग करते समय यदि किसी भी हैल्थ प्रॉब्लम के लिए आप कोई मैडिसिन ले रही हैं, तो डॉक्टर को इसके बारे में जरूर बताएं। ये बच्चे की डिवैलपमेंट पर बुरा असर डाल सकती हैं। मैडिसिन का कोर्स पूरा होने के बाद ही कंसीव करने की प्लानिंग करें। अगर आप दोनों के परिवारों में से किसी को डाउन सिंड्रोम, डिप्रैशन या मनोवैज्ञानिक समस्या हो, तो डॉक्टर को जरूर बताएं। इनके कारण जन्म से पहले व बाद में भी शिशु और मां दोनों को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

शादी बढ़ाती है कैंसर से लड़ने की क्षमता

संभवत: विवाह टूटने का तनाव कैंसर से लड़ने की क्षमता कम करता है। एक नए शोध के अनुसार विवाहित लोगों में कैंसर का सामना करने की संभावना अधिक होती है, जबकि ऐसे लोगों के लिए कैंसर से बचना मुश्किल हो सकता है, जिनकी शादी टूटने की स्थिति में है। अमेरिका की इंडियाना यूनिवर्सिटी ने 1973 से 2004 के बीच 38 लाख कैंसर रोगियों के आंकड़ों का अध्ययन करने के बाद ये निष्कर्ष निकाला है।

शोधकर्ताओं ने पाया कि शादीशुदा कैंसर रोगियों की रोग होने के बाद पांच साल तक जीवित रह पाने की संभावना 63 फीसदी होती है। लेकिन इसकी तुलना में ऐसे विवाहित लोगों के कैंसर से पांच साल तक लड़ पाने की संभावना 45 फीसदी होती है जिनकी शादी टूटने के कगार पर है।

विज्ञान जर्नल कैंसर में प्रकाशित होनेवाली शोध रिपोर्ट में कहा गया है कि संभवत: शादी टूटने के तनाव के कारण रोगियों की कैंसर से लड़ने की क्षमता कम हो जाती है।

इसके पहले भी शादी और सेहत को लेकर कई अध्ययन किए गए हैं। इनमें कई स्टडीज में पाया गया है कि जीवनसाथी का प्यार और साथ रोग से लड़ने के लिए बहुत जरूरी होता है।

शोधकर्ताओं ने अध्ययन के दौरान विवाहित, अविवाहित, विधवा-विधुर, तलाकशुदा और शादी टूटने की स्थिति वाले कैंसर रोगियों के बारे में स्टडी की और यह पता लगाने की कोशिश कि इनमें से कितने लोग कैंसर के बाद पांच से 10 साल तक जीवित रहे। उन्होंने पाया कि विवाहित व अविवाहित रोगियों के कैंसर से लड़ पाने की संभावना सबसे अधिक रही। उनके बाद तलाकशुदा व विधवा-विधुर रोगियों का स्थान आता है।

इस शोध की मुख्य वैज्ञानिक डॉक्टर ग्वेन स्प्रेन ने कहा कि इस अध्ययन से यह पता चलता है कि कैंसर रोगियों में ऐसे लोगों पर सबसे अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए जिनकी शादी टूटने वाली है। लेकिन साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि इस दिशा में और अध्ययन किए जाने की जरूरत है। शादी टूटने की स्थिति वाले रोगियों के कैंसर से लड़ पाने की क्षमता कम होने के और भी कई कारण हो सकते हैं।

जब बात हो डिनर की

भागदौड़ भरी जिंदगी में सारा दिन घर और ऑफिस का काम करने के बाद कई बार महिलाएं इतना थक जाती हैं कि वे डिनर बनाने से मुक्ति पाना चाहती हैं। इसके लिए सबसे आसान उपाय रहता है या तो बाहर रेस्तरां में खाना खाया जाए या फिर फास्ट फूड से गुजारा चलाया जाए। लेकिन ये दोनों ही ऑप्शन सेहत के लिए खराब हैं। इनसे हमारी भूख तो मिट जाती है, पर शरीर कई बीमारियों का शिकार हो जाता है।

खाना केवल पेट भरने के लिए ही नहीं खाया जाता, बल्कि अच्छी सेहत के लिए खाया जाना चाहिए। कामकाजी दम्पति नाश्ता तो जल्दबाजी में कर लेते हैं, लंच भी ऑफिस में ही हो जाता है, पर डिनर में वे पोषक तत्वों का ध्यान रख सकते हैं। डिनर संतुलित और पौष्टिक होना चाहिए। याद रखें काम का चाहे कितना भी बोझ क्यों न हो, सड़क के किनारे बिकने वाला खाना खाने से बचें।

डिनर के मेन्यू में कुछ बातों का ध्यान रखकर आप हैल्दी जिंदगी इंजॉय कर सकते हैं:

- सोने से कम से कम दो घंटे पहले डिनर जरूर कर लें। डिनर में कम लेकिन न्यूट्रिशस फूड आइट्म्स ही लें, क्योंकि इससे दिनभर की थकान से टैंस हुए मसल्स को रिलैक्स होने में मदद करती है।
- डिनर हमेशा लाइट लें, हैवी डिनर आपको ड्राउजी बना देता है और आपको कम्फर्टेबल व साउंड नींद नहीं आती।
- क्रीमी सूप, वाइट ब्रेड, सफेद चावल, पेस्ट्री, पिज्जा और बचेखुचे खाने आदि से परहेज करें। इनमें पोषक तत्व नामात्र होते हैं और ये स्लीप पैटर्न को खराब करते हैं।
- तला-भुना खाना न खाएं, इससे गैस, हार्ट बर्न व इन्डाइजैशन होती है। इसके बजाय ग्रिल्ड, बेक्ड और उबला हुआ खाना खाएं।
- चीनी युक्त चीजों का सेवन कम करें, क्योंकि ये आपके शरीर के शुगर लैवल को बढ़ा सकती हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है।धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। शुभांक-4-6-8

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। यात्रा का योग हैं। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-5-7-9

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा

प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-7-8-8

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-4-6-7

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़े अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-5-6

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-7-8-9

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बने रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-3-6-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-3-6-7

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। स्वविवेक से कार्य करें। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। पूजा-पाठ आदि धार्मिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-7

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहें। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म में रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-7-8

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-5-7-8

काकुरो पहेली - 1992

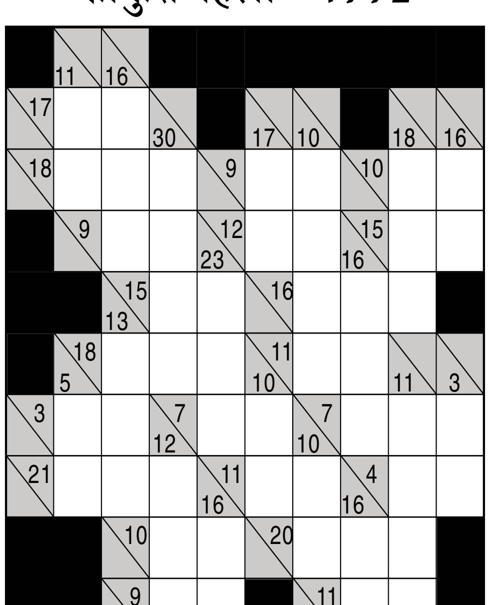

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

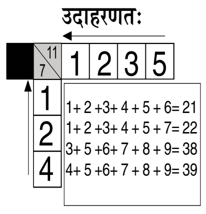

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 1991 का हल

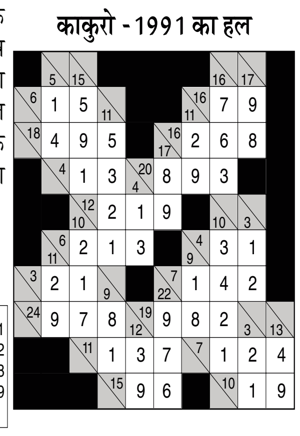

हंसी के फूव्वारें

फौजदारी का मुकदमा था.

अपराध स्वीकार कर लेने के पश्चात वकील ने अपराधी से पूछा- 'तुमने उसे कितने थप्पड़ मारे थे ?'

'जी एक !'

तभी वह आदमी चिल्ला पड़ा जिसे मार पड़ी थी- 'यह झूठ बोलता है मीलॉर्ड ! इसने मुझे पांच थप्पड़ मारे थे !'

इस पर अपराधी ने भोलेपन से कहा- 'मीलॉर्ड ! मैंने मारा तो एक ही थप्पड़ था, पर इसके स्वास्थ्य को देखते हुए मैंने उसे पांच किश्तों में बांट दिया था.'

□ □ □

एक बार परेड हो रही थी.

एक कमांडर को बहुत कम जवानों के नाम याद रहते थे. वह जिस किसी जवान का नाम जानता था, परेड के समय उसी को ज्यादा टोकता था.

उस दिन परेड में वह चिल्लाया- 'महेश ! परेड के साथ नहीं चलते. कदम बराबर मिलाओ ! तुम बहुत सुस्त चलते हो.'

'सर !'

सूबेदार ने सूचना दी- 'महेश तो आज छुट्टी पर है.'

'तो क्या हुआ ?'

कमांडर और जोर से चीखा- 'वह वहां भी सुस्त चल रहा होगा.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 1992

बायें से दायें:-

१. मनोज वाजपेयी, अरशद, तब्बू, की 'बाब मेरी ये' गीत वाली फिल्म-२
२. 'जीवन से भरी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
४. सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की 'हैलो हैलो बोलके' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ऐसा मिलन कल हो ना' गीत वाली सैफअली, काजोल की फिल्म-३
८. कुमार गौरव, विजयेता की 'याद आ रही है' गीत वाली फिल्म-२,२
१०. 'आँखें' ती नायिका कौन थी-२
१२. 'दिल में छुपाके प्यार' गीत वाली दिलीपकुमार, निम्मी की फिल्म-२
१३. दिलीपकुमार, मीना की 'राधा ना बोले ना' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'किसी से तुम' गीत वाली लारा दत्ता, प्रियंका, अक्षय की फिल्म-३
१६. राजकपूर, राजेंद्र, वैजयंती की 'मैं क्या करूंराम' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली अमिताभ, अमजद, नीतू की फिल्म-३
२०. फिल्म 'कहानी किस्मत की' में धमेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
२२. नसीर, आमिर, सौनाली, उपासना की 'जो हाल दिल' गीत वाली फिल्म-५
२४. 'दिल में जागी धड़कन' गीत वाली लक्की अली, गौरी की फिल्म-२
२५. अशोककुमार के गाये बालगीत 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' वाली फिल्म-४
२७. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
२८. संजयदत्त, मनीषा की 'कसम से कसम से' गीत वाली फिल्म-३
२९. अजय, अभिषेक, रानी, एशा की 'कभी नीम नीम' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२. संजयदत्त, जूही चावला की 'आलारे पाउस अला' गीत वाली फिल्म-३
३. आशुतोष गोवारीकर की बहुचर्चित फिल्म 'लगान' के संगीतकार कौन है-४
४. जीतेंद्र, रीना रामेश्वरी की फिल्म-२
५. संजय खान, मुमताज की 'ऐ हसीनों नाजनीनों' गीत वाली फिल्म-२
७. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, ट्विंकल की फिल्म-२
९. फिल्म 'मन की आँखें' की नायिका थी-३
११. शाहरूख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली जैकी, जूही, अमृता की फिल्म-३
१३. राजकपूर, नर्गिस की 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तन्हा तन्हा दिल धड़के' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली की फिल्म-३
१५. 'अभिमान' में अमिताभ की नायिका-२
१६. राज बब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो' गीत वाली फिल्म-३
१८. राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
१९. 'बेचारा दिल क्या करे' गीतवाली फिल्म-३
२१. धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
२२. 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
२३. अमिताभ, संजीव, शर्मिला की फिल्म-३
२५. 'मैं तो हुँ पागल मुंडा' गीत वाली फिल्म-२
२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1991

ध	ड़	क	न		को		सें	स	र
र्मा		र्ज		मो	ह	रा		द	
	कं		आ		रा	ज	कु	मा	र
अ	प	ना	प	न			ली		न
	नी		की		ओ	म		हि	
चे		ता	क	त		म	हा	रा	जा
त	ब्बू		स		दा	ता		स	
ना		प्रे	म	रो	ग		सौ	त	न
	द	म		श		स	दा		ग
म	र्द		जा	न	व	र		हे	मा

सूडोकु -1992

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1991 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्द पहेली - 1992

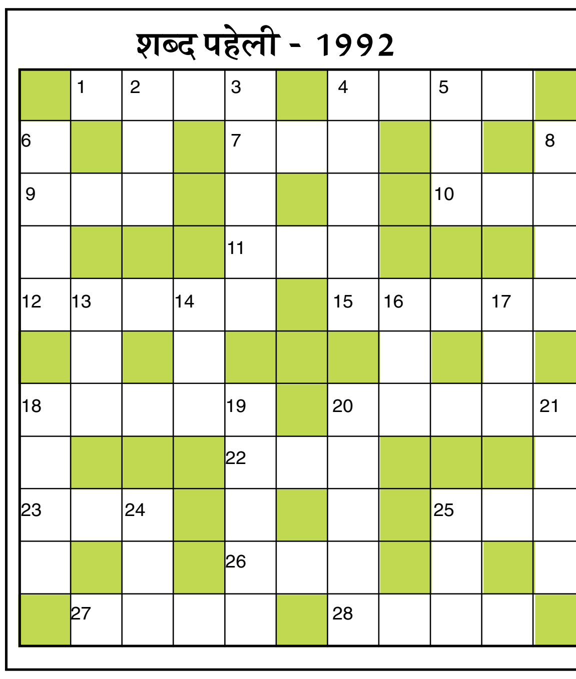

बाएँ से दाएँ

1.बेजोड़-4
4.परिचय,निशान-4
7.कला-3
9.सज्जनता,चरित्र, आदर्श-3
10.प्रथा,रिवाज-3
11.उपस्थिति-3
12.सेन्धमार-5
15.शयनागार,बेडरूम, आरामगाह-3,2
18.तड़के,सुबह सवेरे-5
20.चुगली करना-2,3
22.मैला,गंदा-3
23.रसद,आहर पदार्थ-3
25.प्रणाम,नमस्कार-3
26.तोलने का यंत्र, तकड़ी-3
27.स्थायी,प्राचीन-4
28.हुकूमत,राजगद्दी-4

ऊपर से नीचे

2.मुलाकात,मिलाप-3
3.खून से लथपथ-5
4.लालन-पालन-5
5.सेवक,नौकर,दास-3
6.धोखेबाज-4
8.समान,एक जैसा-4
13.पंकज,जलज-3
14.आघात,चोट-3
16.भरोसा,विश्वास-3
17.कुली,पालकी वाहक-3
18.जुर्म,गुनाह-4
19.स्वदेश वासी-5
20.शतपदी, कनखजूरा-5
21.अहमक, मूर्ख-4
24.स्नान करना-3
25.सम्मान, पगड़ी-3

शब्द पहेली -1991 का हल

	अ	व	का	श		प्र	ति	घा	त	
खु				रा	व	ण				मु
शा		ना	या	ब		य	ती	म		क
म		ह		खा	र	क		ज		र
द	या	क	र	ना		था	ह	मा	प	ना
	प		फ्ता				सी		ठा	
अ	न	व	र	त		म	न	भ	र	ना
नु		रा		म	ध्य	म		र		मा
रो		ह	र्षि	त		ता	ली	म		कू
ध				मा	त	म				ल
	आ	ज	मा	ना		य	ज	मा	न	

भारत की एआई क्रांति की नींव दूरसंचार : केंद्रीय मंत्री डॉ. पेम्मासनी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय संचार और ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासनी चंद्रशेखर ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में कहा कि भारत की कृत्रिम बुद्धिमत्ता क्रांति की नींव दूरसंचार है। संपर्क कोई विलासिता नहीं, बल्कि संप्रभुता है और समावेशी डिजिटल संपर्क भारत की तकनीकी नेतृत्व क्षमता और डिजिटल सशक्तिकरण का आधार है। डॉ. पेम्मासनी चंद्रशेखर ने यहां भारत मंडपम में चल रहे इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान दूरसंचार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर आयोजित सत्र में कहा कि साल 2014 में जहां ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या 6 करोड़ थी, वहीं 2025 में यह बढ़कर 100 करोड़ हो गई है। अब प्रति उपभोक्ता मासिक मोबाइल डेटा खपत औसतन 24 जीबी से अधिक हो गई है। उन्होंने कहा कि फाइबर बिछाने का काम 42 लाख मार्ग किलोमीटर से अधिक हो चुका है और भारत ने दुनिया में सबसे तेज़ 5जी सेवा शुरू करने वालों में स्थान बनाया है। भारत में नेट जैसी अंतिम छोर तक पहुंच बनाने वाली योजनाओं में लगातार निवेश से ग्रामीण और दूरदराज़ क्षेत्रों तक कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सेवाएं पहुंच रही हैं और नई तकनीकों तक समान पहुंच सुनिश्चित हो रही है।उन्होंने कहा कि भारत अब केवल कनेक्टिविटी बढ़ाने से आगे बढ़कर क्षमता निर्माण की दिशा में काम कर रहा है। इसमें उच्च क्षमता वाले फाइबर बैकहॉल, कम विलंबता वाले अनुप्रयोगों के लिए एज कंप्यूटिंग, क्लाउड ढांचे का विस्तार और सस्ती सेवाओं पर ध्यान दिया जा रहा है, ताकि छोटे शहरों और कस्बों में भी नवाचार को बढ़ावा मिल सके।

ममता बनर्जी का आरोप, चुनाव आयोग बना 'तुगलकी आयोग'

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बार फिर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग अब 'तुगलकी आयोग' बन गया है और एक राजनीतिक दल के इशारे पर काम कर रहा है।राज्य सचिवालय में पत्रकारों से बात करते हुए ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी के सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ की एक महिला पदाधिकारी ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग कर बंगाल में 58 लाख मतदाताओं के नाम हटवा दिए। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग उच्चतम न्यायालय के निर्देशों की अवहेलना कर रहा है, मतदाताओं को निशाना बना रहा है और लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर कर रहा है ममता ने आरोप लगाया कि विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान भारतीय जनता पार्टी के निर्देश पर राज्य के मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि तर्कहीन विसंगतियों का हवाला देकर आम लोगों से उनका लोकतांत्रिक अधिकार छीना जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी को संतुष्ट करने के लिए बंगाल को निशाना बनाया जा रहा है।

एआई समिट- ऊर्जा और पहुंच पर एआई इम्पैक्ट केसबुक का विमोचन

नई दिल्ली। भारत एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में ऊर्जा और पहुंच पर ध्यान केंद्रित करते हुए एआई इम्पैक्ट केसबुक जारी की गई। ये प्रकाशन सतत विकास और समावेशी विकास के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उपयोग पर वैश्विक अनुभवों को एक साथ लाते हैं। 'ऊर्जा संग्रह' को अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के साथ साझीदारी में विकसित किया गया है। यह ऊर्जा क्षेत्र में जारी बदलाव में एआई की दोहरी भूमिका को उजागर करता है। एक ओर एआई बढ़ती कम्प्यूट जरूरतों के कारण अतिरिक्त बिजली की मांग कर रहा है। दूसरी ओर, यह ऊर्जा प्रणाली दक्षता में सुधार करने में मदद कर रहा है। केसबुक सरकारी मंत्रालयों, अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों, अनुसंधान संगठनों और फाउंडेशन के सहयोग से तैयार की गई है। उन्हें विभिन्न देशों के नीति निर्माताओं और चिकित्सकों के लिए दीर्घकालिक ज्ञान संसाधनों के रूप में डिजाइन किया गया है इस अवसर पर एनआईसी के महानिदेशक और एमईआईटीवाई के अतिरिक्त सचिव अभिषेक सिंह ने कहा कि सम्मेलन-पूर्व परामर्श के प्रमुख परिणामों में से एक एआई उपयोग के मामलों, सर्वोत्तम प्रथाओं और प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में वैश्विक ज्ञान का संकलन करना है। उन्होंने कहा कि यह संग्रह विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण में, जहां विकास की कई चुनौतियां समान हैं, देशों के लिए मार्गदर्शक पुस्तकों के रूप में काम करेगा।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन 20 फरवरी से तीन दिवसीय गुजरात दौरे पर

गांधीनगर। भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन 20 से 22 फरवरी तक तीन दिवसीय गुजरात दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे अहमदाबाद और गांधीनगर में आयोजित 10 से अधिक कार्यक्रमों में भाग लेंगे। इस संबंध में गुजरात भाजपा प्रदेश अध्यक्ष जगदीश विश्वकर्मा ने कोबा, गांधीनगर स्थित प्रदेश कार्यालय 'श्री कमलम' में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भाजपा विचारधारा आधारित कार्यकर्ताओं की पार्टी है, जहां बूथ स्तर का कार्यकर्ता भी सर्वोच्च पद तक पहुंच सकता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का उदाहरण देते हुए कहा कि भाजपा में सामान्य पृष्ठभूमि से आए कार्यकर्ताओं को भी आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व द्वारा भाजपा की विचारधारा के प्रति समर्पित और युवावस्था से सक्रिय भूमिका निभाने वाले नितिन नवीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। 45 वर्षीय नितिन नवीन भाजपा के अब तक के सबसे कम उम्र के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने हैं।

भारत ने 2015 में डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के माध्यम से डिजिटल आधारशिला रखी: जेपी नड्डा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) मजबूत डिजिटल बुनियादी ढांचे और उच्च गुणवत्ता वाले डेटा पर निर्भर करती है। इस बात को पहले ही पहचानते हुए भारत ने लगभग एक दशक पहले ही डिजिटल नींव रखना शुरू कर दिया था। 2015 में, प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सरकार ने भारत को एक डिजिटल रूप से सशक्त समाज और ज्ञान अर्थव्यवस्था में बदलने के लिए डिजिटल इंडिया कार्यक्रम शुरू किया। भारत मंडपम में चल रहे इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में स्वास्थ्य क्षेत्र के सही और बोध पहल की शुरुआत के मौके पर जेपी नड्डा ने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, 2017 में एक व्यापक डिजिटल स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण की परिकल्पना की गई थी।

इसी दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए सरकार ने स्वास्थ्य सेवा के लिए एक सशक्त डिजिटल सार्वजनिक ढांचा स्थापित करने के लिए 2020 में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन का शुभारंभ किया। प्रगति पर प्रकाश डालते हुए नड्डा ने कहा कि निरंतर प्रयासों से स्वास्थ्य क्षेत्र में एक मजबूत डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना का निर्माण हुआ है। विभिन्न प्लेटफार्मों पर अंतरसंचालनीय प्रणालियां सक्षम की गई हैं, और नागरिकों को सशक्त बनाने के साथ-साथ डेटा गोपनीयता और सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु बड़े पैमाने पर, सहमति-आधारित स्वास्थ्य डेटा ढांचे विकसित किए जा रहे हैं।

स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित एआई पहल (सही) के शुभारंभ का उल्लेख करते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि यह सही भारत को नैतिक, पारदर्शी, जवाबदेह और जन-केंद्रित तरीके से एआई का लाभ उठाने में मार्गदर्शन करेगा। उन्होंने कहा कि एआई मजबूत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और गुणवत्तापूर्ण डेटा पर आधारित होता है। बोध एआई प्लेटफॉर्म, जिसे आईआईटी कानपुर और राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के सहयोग से विकसित किया गया। यह व्यवस्थित परीक्षण की सुविधा देगा। बोध के माध्यम से एआई सिस्टम की विश्वसनीयता जांची जाएगी। बड़े पैमाने पर लागू करने से पहले मानकीकरण सुनिश्चित होगा।

सच को साबित करने के लिए हमेशा तैयार हैं : राजपाल यादव

एजेंसी

नई दिल्ली। जेल से रिहा होने के बाद बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव ने कहा कि उन्होंने हमेशा ईमानदारी से काम किया है। किसी को उन पर शक है तो सच को साबित करने के लिए वह हमेशा तैयार हैं। राजपाल यादव ने मीडिया को बताया कि वे कानून का सम्मान करते हैं और पिछले एक दशक से हर आदेश का पालन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, पिछले 10 वर्षों में उच्च न्यायालय ने जहां-जहां आदेश दिए हैं, मैं वहां हाज़िर हुआ हूं। आगे भी कानून का जो भी आदेश होगा, मैं बिल्कुल हाज़िर मिलूंगा।उन्होंने एक सवाल का जबाव देते हुए कहा कि वे खुद जांच और सवालों का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अपने करियर पर चर्चा करते हुए अभिनेता ने बताया कि 2027 में उन्हें मुंबई और बॉलीवुड में 30 साल पूरे हो जाएंगे। यहां उनका जो रिश्ता बना है, वो सिर्फ सोशल मीडिया तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के 150 करोड़ लोगों के साथ उनका एंटरटेनमेंट और ब्लड सर्कुलेशन का रिश्ता है।

भारत और फ्रांस ने रक्षा सहयोग समझौता 10 साल के लिए बढ़ाया

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत की यात्रा पर आई फ्रांसीसी समकक्ष कैथरीन वॉट्रिन के साथ बेंगलुरु में 69वीं सालाना रक्षा रक्षा संवाद बैठक की। बैठक के बाद बीईएल और फ्रांसीसी कंपनी सैफ्रान ने भारत में हैमर मिसाइल बनाने के लिए समझौता किया।

दोनों मंत्रियों ने रणनीतिक साझेदारी के एक अहम पिलर के तौर पर दोनों सेनाओं के बीच आपसी सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई। दोनों रक्षा मंत्री इस फ्रेमवर्क का फायदा उठाने पर सहमत हुए कि दोनों तरफ से और बड़े यूरोपियन कॉन्टेक्स्ट में ठोस नतीजों के लिए क्षेत्रीय स्थिरता को मजबूत करेंगे, संयुक्त क्षमता बढ़ाएंगे और हमेशा रहने वाले इंडो-फ्रेंच स्ट्रेटेजिक अलाइनमेंट को मजबूत करेंगे।

भारत में हैमर मिसाइल बनाने के लिए भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के सीएमडी और सैफ्रान इलेक्ट्रॉनिक्स एंड डिफेंस के

एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट के बीच समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। रक्षा मंत्री ने ज़ोर देकर कहा कि भारत हिंद महासागर क्षेत्र के देशों के लिए 'फर्स्ट रिस्पॉन्डर' और 'नेट सिक्योरिटी प्रोवाइडर' रहा है और हमेशा उनकी क्षमताओं को बढ़ाने और किसी भी दुश्मन से बचने के लिए डिफेंस, सिक्योरिटी और समुद्री क्षेत्रों में उनकी मदद करता है। दोनों मंत्रियों ने कई द्विपक्षीय सुरक्षा और रक्षा मुद्दों पर चर्चा की और दोनों देशों के तकनीकी उद्योगों को जोड़ने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया।आतंकवाद के मुद्दे पर राजनाथ सिंह ने कहा कि पाकिस्तान का भारत में अशांति और हिंसा पैदा करने के लिए सीमा पार आतंकवाद को पालने और बढ़ावा देने का एक लंबा इतिहास रहा है। उन्होंने कहा कि इससे इस क्षेत्र में शांति के लिए एक गंभीर खतरा पैदा हो गया है।

एआई आज की दुनिया की जरुरतः भूमि पेडनेकर

एजेंसी

नई दिल्ली। अभिनय की दुनिया में अपना परचम बुलंद करने के बाद भूमि पडनेकर ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की दुनिया में कदम रख लिया है। भारत मंडपम में चल रहे इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में वेव्स के पवेलियन में भूमि पेडनेकर ने केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव को अपनी फिल्म के बारे में बताया। अपने प्रोडक्शन के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने बताया कि आज की दुनिया में एआई एक विकल्प नहीं, बल्कि जरूरत बनता जा रहा है। उन्होंने बताया कि फिल्मों की दुनिया में अभिनय के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की दुनिया में भी अपने करियर की शुरुआत कर दी है।

उन्होंने बताया कि माईया नाम से कंपनी बनाई है, जो एआई के माध्यम से कहानी तैयार करती है, जो रोचक होने के साथ प्रभावशाली होती है। उन्होंने कहा कि फिल्मी दुनिया में माईया एक ऐसी पहल है, जो आज की दुनिया की जरुरत है। अगर हम एआई को नहीं अपनाएंगे तो हम विकास की दौड में पीछे रह जाएंगे।

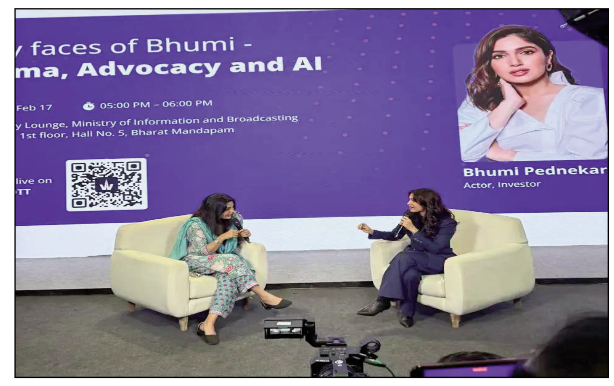

मईया के बारे में भूमि ने बताया कि उनकी कंपनी संस्कृत शब्द 'मईया' से प्रेरित, जिसका अर्थ है भ्रम या जादू। माईया एक एआई बुटीक स्टूडियो है, जहां कला, प्रौद्योगिकी और मानवीय रचनात्मकता कल्पना की सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए एक साथ आते हैं। उन्होंने बताया कि यहां हुनमान चालीसा को एआई के माध्यम से तैयार किया गया है, जिसे आज हम सभी जुड़ाव महसूस करते हैं। इसके माध्यम से हमने हनुमान चालीसा की पूरी कहानी बताई है जिसे सभी उम्र के लोग पसंद कर रहे हैं।

चुनाव आयोग के निर्देश पर नवान्न ने उठाया कदम, चार अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सचिवालय (नवान्न) ने आखिरकार चुनाव आयोग के निर्देश का पालन करते हुए राज्य के चार अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी है। आयोग द्वारा निर्धारित मंगलवार की समय-सीमा समाप्त होने से पहले ही यह कार्रवाई की गई। राज्य की मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती ने निर्देश लागू किए जाने की जानकारी देते हुए आयोग को पत्र भी भेजा। आयोग के सूत्रों के अनुसार मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार सहित पूर्ण पीठ इस समय असम में है और वहां से लौटने के बाद पूरे मामले की समीक्षा की जाएगी। वोटर सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही ये चार अधिकारी विवादों में घिर गए थे। उन पर मतदाता सूची में अवैध रूप से नाम जोड़ने का आरोप लगा था। इसी मामले में डाटा एंट्री कार्य से जुड़े एक कर्मचारी का नाम भी सामने आया

था। आरोप सामने आने के बाद आयोग ने संबंधित अधिकारियों को निलंबित करने और उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया था। आयोग ने पहले गत वर्ष पांच अगस्त को राज्य सरकार को पत्र भेजा था और आठ अगस्त को पुनः स्मरण पत्र जारी किया। आरोप था कि संबंधित अधिकारियों ने फर्जी या भूतिया मतदाताओं के नाम सूची में अवैध रूप से शामिल किए। निर्देशों का पालन नहीं होने पर दो जनवरी को आयोग ने संबंधित दो जिलाधिकारियों को एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था। इसके बावजूद कार्रवाई नहीं होने पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय की ओर से दो बार स्मरण पत्र भेजा गया। इस बीच नवान्न ने राज्य के एडवोकेट जनरल से परामर्श लिया था। परामर्श के बाद मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय को पत्र भेजकर कहा गया था कि संबंधित अधिकारियों का अपराध एफआईआर दर्ज करने योग्य नहीं है और अपेक्षाकृत कम गंभीर मामले में इतनी कठोर कार्रवाई उचित नहीं होगी। हालांकि आयोग ने निर्देश लागू न होने पर पिछले शुक्रवार दिल्ली स्थित निर्वाचन सदन में राज्य की वर्तमान मुख्य सचिव को तलब किया। बाद में राज्य को मंगलवार तक अंतिम समय दिया गया, जिसके भीतर कार्रवाई पूरी कर ली गई।

एआई एग्री पाइलट करेगा बालकनी में ऑटोमैटिक बागवानी

एजेंसी

नई दिल्ली। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से अब बालकनी में बागवानी करना बेहद सरल हो जाएगा। बीज लगाने के बाद न आपको पानी देना पड़ेगा और न खाद डालना पड़ेगा और न ही देखरेख करनी पड़ेगी। इसके लिए बस आपके पास एआई एग्री पाइलट नाम का छोटा सा यंत्र होना चाहिए। एआई संचालित यह मशीन गमलों में बीज डालने के बाद सारा काम खुद कर लेगी। इसकी जानकारी आपको अपने मोबाइल पर मिलती रहेगी। आप अपने पौधे पर फल लगते देख सकेंगे। इसके माध्यम से आप टमाटर, खीरा, धनिया, मूली-गाजर जैसी तमाम सब्जियां उगा सकते हैं जो बालकनी में लगाई जा सकती है। भारत मंडपम में चल रहे भारत एआई इम्पैक्ट एक्पो में अपने इस यंत्र को दिखाते हुए माइक्रोसॉफ्ट के एआई एग्री पाइलट के सह संस्थापक प्रशांत मिश्रा ने बताया कि एआई एग्री पालउट स्टैंड में बस फसल का नाम फ़ीड करना है और एक पोषक तत्व की कैप्सूल डालनी है।उसके बाद जो भी सब्जी लगाई गई है वो तय समय में फसल तैयार मिलेगी। इस खेती के लिए केवल आपको अपनी बॉलकोनी में एआई पाइलट का स्टैंड लगाना है। यह बीज डालने के बाद सारा काम यह मशीन करेगा। मसलन पौधों में कब पानी देना है , कब खाद देना आदि ये सब एआई तय करेगा। प्रशांत मिश्रा बताते हैं कि इस तरह की बागवानी दुबई और अमेरिका में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को खेती की समझ न के बराबर है और उनके पास ज़मीन नहीं है वो अपने घर पर ही इस तरह की सब्ज़ी या फसल उगा सकते हैं। उन्होंने कहा कि एआई पाइलट अभी बड़ी फ़िलहाल बड़ी कंपनियां को ही दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस पाइलट की कीमत करीब 15000 रुपये के आसपास रहने की संभावना है।

कांग्रेस ने हरियाणा के छांयसा गांव में दूषित पानी से मौतों पर उठाए सवाल

नई दिल्ली।कांग्रेस ने हरियाणा के पलवल जिले के ग्राम छांयसा में पिछले 15 दिनों में हुई 12 मौतों के लिए राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। पार्टी ने कहा कि दूषित पानी और प्रशासनिक लापरवाही ने गांव में गंभीर हालात पैदा कर दिए हैं। कांग्रेस महासचिव एवं सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने एक्स पोस्ट में कहा कि छांयसा गांव में लिये गए 107 पानी के नमूनों में से 23 फेल पाए गए। कई नमूनों में कोलीफॉर्म बैक्टीरिया मिला है, जो मल-मूत्र से दूषित पानी का संकेत है। इलाके में पानी का क्लोरीनेशन नहीं हुआ और बिना शुद्धिकरण के पानी घरों तक पहुंचाया गया। गांव में 1,500 से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग हुई, 800 से ज्यादा ओपीडी जांचें हुईं और 210 ब्लड सैंपल लिए गए। इनमें हेपेटाइटिस बी और सी के मामले सामने आए हैं। सुरजेवाला ने कहा कि यह स्थिति सरकार की अनदेखी और भ्रष्टाचार का नतीजा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार गांव के केवल एक तिहाई हिस्से को ही पेयजल उपलब्ध करा रही है।

दिल्ली में तीन दिवसीय 'आदि रंग महोत्सव 2026' का भव्य आगाज

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) में चल रहे 'भारत रंग महोत्सव 2026' के तहत तीन दिवसीय 'आदि रंग महोत्सव 2026' का भव्य आगाज किया गया। एनएसडी की ओर से आयोजित यह महोत्सव जनजातीय कला और संस्कृति को समर्पित है। इस महोत्सव का उद्देश्य देश की समृद्ध जनजातीय विरासत को आधुनिक रंगमंच के मंच पर लाना है। यह 17-19 फरवरी तक चलेगा।

आदि-रंग के उद्घाटन समारोह में एनएसडी निदेशक चित्तारंजन त्रिपाठी ने कहा कि यह महोत्सव देशभर में 54 स्थलों पर आयोजित किया जा रहा है। इसे न्यूज़ीलैंड, कनाडा और क़तर जैसे देशों में भी प्रस्तुत किया गया है, जहां भारतीय प्रवासी समुदाय ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में भारतीय वैज्ञानिकों ने अंटार्कटिका में इस राष्ट्रीय गीत का भावपूर्ण गायन कर गीता में भगवान श्रीकृष्ण और अर्जुन के संवाद की आत्मा को दर्शाया।

उन्होंने कहा, 'थिएटर को विविधतापूर्ण बनाना हमारा संस्थागत सामाजिक दायित्व है। इस मौके पर गोवा के कला अकादमी के अध्यक्ष चंद्रकांत कवलेकर, लेखक एवं संस्कृति विशेषज्ञ चारुदत्त पाणिग्रही, एनएसडी के निदेशक चित्तरंजन त्रिपाठी और रजिस्ट्रार प्रदीप कुमार मोहंती सहित अन्य कलाप्रेमी गणमान्य जन मौजूद रहे। आदि-रंग श्रेणी के अंतर्गत 'धरती आबा' जिसे हृषिकेश सुलभ ने लिखा और सुशांत नायक ने निर्देशित किया, कला अकादमी द्वारा प्रस्तुत किया गया। इसके अलावा ओडिशा छत्तीसगढ़ आंध्र प्रदेश गुजरात और मध्य प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों से धप नृत्य मयूरभंज छाऊ ककसर धीमसा सिद्धी धमाल कर्मा सैला तथा बी डांस जैसे जनजातीय लोक-नृत्यों का प्रदर्शन भी किया जा रहा है। इस दौरान 'विभाजन विभीषिका तमस 'नाटक प्रस्तुत किया गया, जो भीष्म साहनी के प्रसिद्ध उपन्यास पर आधारित है।

एक अन्य नाटक 'मालती माधवम्' एनएसडी वाराणसी केंद्र द्वारा प्रस्तुत किया गया। इसे भवभूति ने लिखा और विवेक इम्मनेनी ने निर्देशित किया। 'गुरुदक्षिणा ', लेखक मन्जुनाथ भगवत होस्तोटा और निर्देशक गुरु बणगे संजीव सुवर्णा, एनएसडी के द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत की गई, जिसमें कन्नड़ साहित्य की समृद्ध परंपरा झलकी।

महोत्सव की प्रस्तुतियां आगे 'सखा' के साथ जारी रहीं, जिसे कश्यप कमल ने लिखा और निर्देशित किया तथा दिल्ली के अछिंजल समूह ने मंचित किया। मैथिली भाषा की इस प्रस्तुति में भावनात्मक गहराई और सांस्कृतिक संवेदना दिखाई दी। जश्न-ए-बचपन खंड के अंतर्गत 'रंग राख ', जिसे छत्रपति सिंह ने रूपांतरित किया और रिकेन नगोंग्ले ने निर्देशित किया।

सामाजिक समरसता भाषण से नहीं आचरण व व्यवहार से आएगी : डॉ मोहन भागवत

एजेंसी

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत ने कहा है कि मन्दिर कुआं और श्मशान सभी हिन्दुओं के लिए खुले होने चाहिए और उनमें कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। सरसंघचालक ने कहा कि सामाजिक समरसता के लिए व्यक्तिगत और पारिवारिक स्तर पर प्रयास होने चाहिए। संघ सारे हिन्दू समाज को एक मानता है।

इसलिए हमें व्यक्तिगत स्तर पर और पारिवारिक स्तर पर आपसी मेलजोल बढ़ाना चाहिए। सामाजिक समरसता भाषण से नहीं बल्कि आचरण व व्यवहार करने से आएगी। संघ के कुटुम्ब में जात-पात नहीं है। ऐसा ही समाज में करना होगा। सरसंघचालक ने कहा कि संघ पुस्तकें पढ़ने की अपेक्षा स्वयंसेवक को देखने से अधिक समझ में आता है। सरसंघचालक निराला नगर स्थित सरस्वती विद्या मन्दिर के माधव सभागार में कार्यकर्ता कुटुम्ब मिलन कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने एक प्रश्न के जवाब में कहा कि हमें अपने बच्चों को बताना होगा कि करियर क्या है? पेट भरना, ज्यादा कमाना, उपभोग करना करियर नहीं

है। करियर कमाने से ज्यादा बाँटने में है। बच्चों को ऐसी शिक्षा दें जो अमीर होकर दान दें, दूसरों के लिए जीना सीखें। घरों में ऐसे संस्कार देने होंगे जिनके अनुसार बच्चे यह समझें कि हमारा हित ही देश के साथ है। मेरे लिए मेरा देश ही पहले है। विद्या और धन अपने देश के लिए कमाना चाहिए

सरसंघचालक ने कहा कि समाज की इकाई व्यक्ति नहीं परिवार है। सामाजिक व्यवहार का परीक्षण परिवार में होता है। बचत करना हमारे परिवारों की आदत में है। देश का धन हमारे घरों में रहता है। हमें सुनिश्चित करना चाहिए कि बच्चों को मातृभाषा ठीक से आए। हमारे अन्दर देशभक्ति, प्रमाणिकता, अनुशासन और कुटुम्ब गौरव का भाव होना चाहिए।

बस्ती और शाखा में हो कुटुम्ब मिलन

डॉ मोहन भागवत ने कहा कि 100 से 70 की संख्या में कुटुम्ब मिलन बस्ती और शाखा स्तर पर होना चाहिए। हमें अभाव में नहीं रहना है लेकिन किसी के प्रभाव में भी नहीं आना है। जैसा संघ है वैसा ही हमारा जीवन होना चाहिए। पंच परिवर्तन कार्यक्रमों में मातृशक्ति की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण है।

हिन्दुस्थान हिन्दू राष्ट्र है

सरसंचालक ने अपने उद्बोधन में आगे कहा कि हिन्दुस्थान हिन्दू राष्ट्र है, हम सभी हिन्दू अपने सहोदर हैं। समाज में जो भी वर्ग संघ के निकट नहीं है, संघ कार्यकर्ताओं को उनके निकट जाना चाहिए। उनसे आत्मीयतापूर्ण सम्बन्ध विकसित करने चाहिए। वह सम्बन्ध चौराहे से शुरू होकर कुटुम्ब तक विस्तृत हों। सब अपने हैं, हमें यह मानकर व्यवहार करना है।

स्क्रीन का समय निश्चित हो

सरसंघचालक ने कहा कि हम तकनीक को नहीं रोक सकते लेकिन इसका उपयोग अनुशासन में रहकर हो। कितने समय तक क्या देखना है यह निर्धारित होना चाहिए। विज्ञान एआई, टीवी, मोबाइल और फिल्मों की हानियाँ भी बताता है। नई पीढ़ी को यह सब बताना चाहिए।

जम्मू में एक गैंगस्टर और दो पाकिस्तानी नागरिकों के फरार होने के बाद छह पुलिसकर्मी निलंबित

एजेंसी

जम्मू। आरएस पुरा सेक्टर के किशोर सुधार गृह से तीन कैदियों के फरार होने के बाद लापरवाही बरतने के आरोप में छह पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। फरार होने वालों में दो पाकिस्तानी नागरिक और एक स्थानीय गैंगस्टर था। आरएस पुरा के डबलेहर निवासी कराजीत सिंह उर्फ गुग्गा और पाकिस्तानी नागरिक मोहम्मद सुना-उल्लाह और अहसान अनवर सोमवार शाम करीब 5.15 बजे पुलिसकर्मियों पर हमला कर किशोर सुधार गृह से फरार हो गए थे। इस घटना में दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि घटना के संबंध में कर्तव्य में लापरवाही बरतने के आरोप में एक सहायक सब-इंस्पेक्टर सहित छह पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया है। उन्होंने आगे बताया कि ये निलंबन विभागीय जांच का हिस्सा हैं, जिसका उद्देश्य यह पता लगाना है कि यह घटना कैसे घटी, सुरक्षा में सेंध क्यों लगी और क्या तैनात कर्मियों द्वारा कर्तव्य में कोई चूक हुई थी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 109 (हत्या का प्रयास), 132 (सरकारी कर्मचारी को कर्तव्य निर्वहन से रोकने के लिए हमला या आपराधिक बल का प्रयोग), 262 (कानूनी हिरासत से प्रतिरोध करना, बाधा डालना या भागना), 307 (मृत्यु, चोट या अवरोध पैदा करने की तैयारी के साथ चोरी), 111 (संगठित अपराध) और शस्त्र अधिनियम की धारा 3 और 25 (हथियारों का अनाधिकृत कब्ज़ा, परिवहन और उपयोग) के तहत एफआईआर दर्ज की है। जम्मू और कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नलिन प्रभात और जम्मू जोन के महानिरीक्षक भीम सेन तुती अन्य अधिकारियों के साथ घटना के बाद घटनास्थल पर पहुंचे और साजिश और कैदियों द्वारा देसी पिस्तौल की खरीद सहित विभिन्न पहलुओं की जांच के लिए विभागीय जांच चल रही है।

'खौफ' गिरोह से जुड़े एक कथित गैंगस्टर का किशोर सुधारगृह के अंदर गोलीबारी करते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिससे लोगों में चिंता फैल गई। पूर्व डीजीपी एस पी वैद ने इस घटना को लेकर पुलिस से सवाल किए। उन्होंने बताया कि तीनों कैदी अब किशोर नहीं रहे थे।

टी20 विश्वकप के सुपर-8 में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज से खेलेगी भारतीय टीम

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ग्रुप ए में नंबर एक रहते हुए सुपर-8 में पहुंच गयी है। यहां उसका मुकाबला तीन टीमों दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज से होगा। सुपर-8 में भारतीय टीम का पहला मुकाबला 22 फरवरी को दक्षिण अफ्रीका से होगा। ये मैच अन्य दो मुकाबलों की अपेक्ष कठिन रहेगा। यह मुकाबला अहमदाबाद में में शाम 7 बजे से खेला जाएगा। दक्षिण अफ्रीका विश्व कप में प्रचंड फॉर्म में है और ग्रुप डी में शीर्ष पर रही है। इसलिए इस मैच में दोनो के बीच कड़ा मुकाबला होना तय है।

आंकड़ों की बात करें तो भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है। दोनो के बीच अब तक 35 टी20 मुकाबले अब तक हुए हैं। इसमें भारतीय टीम ने 21 जीते हैं जबकि दक्षिण अफ्रीका को 13 में जीत मिली है, एक मैच का परिणाम नहीं निकला है। अहम मुकाबलों में भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका पर भारी पड़ी है।

वहीं सुपर-8 में भारतीय टीम का दूसरा मुकाबला 26 फरवरी को जिम्बाब्वे से एमए चिदंबरम स्टेडियम में शाम 7 बजे से होगा। इस टूर्नामेंट में अब तक जिम्बाब्वे ने काफी अच्छा प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया तक को हराया है। ऐसे में उससे भारतीय टीम को सावधान रहना होगा क्योंकि वह उलटफेर करने में सक्षम है। दोनो के बीच अब तक 13 टी20 मैच खेले गए हैं। 10 मैचों में भारत और 3 मैचों में जिम्बाब्वे ने जीत हासिल की है।

सुपर-8 में भारतीय टीम को अपने तीसरे मुकाबले में वेस्टइंडीज से खेलना है। आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो के बीच अबतक बीच 30 मैच खेले गए हैं, जिसमें भारतीय टीम ने 19 जबकि वेस्टइंडीज ने 10 जीते हैं। एक मैच का परिणान नहीं निकला। दो बार विजेता रही वेस्टइंडीज ने भी इस बार विश्व कप में अब अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। वह ग्रुप डी में नंबर एक रहते हुए सुपर-8 में पहुंची है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज फार्म में हैं जिसका लाभ भी उसे मिलेगा। ऐसे में भारतीय टीम को इस मैच में भी जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

टी20 विश्वकप: अभिषेक शर्मा फिर 0 पर आउट हुए, बनाया शर्मनाक रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 विश्व कप 2026 में भारत के युवा ओपनर अभिषेक शर्मा का संघर्ष जारी है। नीदरलैंड के खिलाफ अहम मुकाबले में भी वह बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। इस निराशाजनक प्रदर्शन के साथ उनके नाम एक अनचाहा रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। अभिषेक अब एक कैलेंडर वर्ष में टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा बार डक पर आउट होने वाले ओपनरों की सूची में शामिल हो गए हैं। 2026 में यह पांचवां मौका है जब वह शून्य पर आउट हुए, जिससे उनकी फॉर्म पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं।

नीदरलैंड के खिलाफ फिर निराशा

नीदरलैंड के खिलाफ मैच में भारतीय टीम को तेज शुरुआत की उम्मीद थी, लेकिन अभिषेक शर्मा पहली ही चुनौती में असफल रहे। विपक्षी गेंदबाजों ने सटीक लाइन-लेंथ से उन्हें बांधे रखा और वह बिना रन बनाए आउट हो गए। टी20 जैसे फॉर्मेट में ओपनर की भूमिका बेहद अहम होती है। पावरप्ले का फायदा उठाकर तेज रन बनाना टीम की रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। ऐसे में बार-बार डक पर आउट होना टीम के संतुलन को प्रभावित करता है।

एक कैलेंडर वर्ष में 5 डक, शर्मनाक सूची में नाम

अभिषेक शर्मा अब 2026 में टी20ढ्ढ में पांच बार शून्य पर आउट हो चुके हैं। इसके साथ ही वह उन ओपनरों की सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा बार डक का सामना किया है। इस सूची में शीर्ष पर पाकिस्तान के सैम अयूब हैं, जो 2025 में छह बार डक पर आउट हुए थे। इसके अलावा चालोमवोंग चटफैसन (थाईलैंड, 2024), कुशल भुर्टेल (नेपाल, 2024), धर्मा केसुमा (इंडोनेशिया, 2025) और परवेज हुसैन इमोन (बांग्लादेश, 2025) भी पांच-पांच बार डक पर आउट हो चुके हैं। अब अभिषेक का नाम भी इसी रिकॉर्ड में दर्ज हो गया है।

कतर ओपन में जीत के साथ ही दूसरे दौर में पहुंचे अल्काराज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दोहा (ईएमएस)। स्पेन के टेनिस स्टार कार्लोस अल्काराज ने आर्थर रिंडरकनेच को 6-4, 7-6 (5) से हराकर कतर ओपन के दूसरे दौर में प्रवेश किया है। अब यहां उनका मुकाबला फ्रांस के वैलेन्टिन रॉयर से होगा।अल्काराज ने इस मुकाबले में शुरु से ही आक्रामक रुख अपनाया। स्पिेनिश खिलाड़ी ने दूसरे सेट में सर्विस पर दो सेट अंक बचाने के बाद टाई-ब्रेक में जीत दर्ज करके अपना 150 वां मुकाबला जीता है। इससे उत्साहित अल्काराज ने कहा, यह मैच कठिन रहा है। आर्थर एक अच्छा खिलाड़ी है। कोई भी उसके खिलाफ पहले दौर में नहीं खेलना चाहेगा। मुझे खुशी है कि मैं उस कठिन मैच को जीतने में सफल रहा। मेरी जीत का कारण शांत और सकारात्मक रहकर खेलना रहा।

अल्काराज हालांकि यहां पिछली बार क्वार्टर-फाइनल में हार गये थे। अल्काराज का मुकाबला क्वार्टर-फाइनल में करेन खाचानोव से मुकाबला हो सकता है। खाचानोव ने एक अन्य मुकाबले में शिंटारो मोचिजुकी को 6-1, 3-6, 6-4 से हराया। खाचानोव दूसरे दौर में मार्टन फुकसोविक्स से खेलेंगे। एक अन्य मुकाबले में एंड्री रुबलेव ने धीमी शुरुआत से उबरते हुए अपने शुरुआती मैच में जेस्पर डी जोंग को 6-4, 6-3 से हराया। अब उनका सामना फैबियन मारोजसन से होगा, जिन्होंने उगो हम्बर्ट को 6-3, 6-1 से हराया।

टी20 विश्वकप: पाकिस्तान की नामीबिया पर बड़ी जीत, सुपर 8 के लिए किया क्वालीफाई

अहमदाबाद (एजेंसी)। सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान (नाबाद 100) के पहले शतक के बाद स्पिनर शादाब खान (19 रन देकर तीन विकेट) और उस्मान तारिक (16 रन देकर चार विकेट) के शानदार प्रदर्शन से पाकिस्तान ने बुधवार को यहां टी20 विश्व कप के 'करो या मरो' के ग्रुप मैच में नामीबिया को 102 रन से हराकर सुपर आठ में प्रवेश किया।

फरहान की 11 चौके और चार छक्के जड़ित 58 गेंद की पारी की बदौलत पाकिस्तान ने तीन विकेट पर 199 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। फरहान को 50 से 100 रन तक पहुंचने में महज 20 गेंद लगी। वह विश्व कप में शतक जड़ने वाले पाकिस्तान के दूसरे खिलाड़ी बन गए। इससे पहले 2014 में मीरपुर में अहमद शहजाद ने बांग्लादेश के खिलाफ शतक लगाया था। पाकिस्तान ने 'मिस्ट्री' स्पिनर तारिक और लेग स्पिनर शादाब के स्पिन जाल से दबदबा बनाते हुए नामीबिया की टीम को 17.3 ओवर में महज 97 रन पर समेट दिया। सलमान मिर्जा और मोहम्मद नवाज ने भी एक एक विकेट झटका। इस तरह नामीबिया का अभियान चारों मैच में हार के साथ समाप्त हुआ।

इस जीत से पाकिस्तान ने टी20 विश्व कप के अगले चरण के लिए अपना क्वालीफिकेशन भी सुनिश्चित किया जो 2028 में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की सह मेजबानी में खेला जाएगा। यह टी20 विश्व कप में पाकिस्तान की रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत भी है। इससे पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम साइम अयूब (14 रन) का विकेट गंवाकर पावरप्ले में महज 47 रन ही बना सकी। पर फरहान ने कप्तान सलमान आगा (38 रन) के साथ मिलकर 67 रन जोड़े जबकि शादाब खान (नाबाद 36 रन) के साथ 81 रन की भागीदारी निभाई।

रविवार को चिर प्रतिद्वंद्वी भारत से मिली करारी शिकस्त से उबरते हुए पाकिस्तान ने ख्वाजा नफे को मध्यक्रम में शामिल कर अपनी बल्लेबाजी को मजबूती दी जबकि खराब फॉर्म में चल रहे शाहीन शाह अफरीदी को बाहर किया। पाकिस्तान ने शुरू में रक्षात्मक बल्लेबाजी की जो उनके स्कोर से जाहिर हो रहा है। लेकिन कप्तान सलमान ने नौवें ओवर की शुरुआत में विलेम माइबर्ग की गेंद पर छक्का लगाकर रन गति बढ़ाने की कोशिश की। इसके बाद उन्होंने लांग-ऑन पर एक और छक्का लगाया। फिर अपने कप्तान से प्रेरित होकर फरहान ने लेग-स्पिनर माइबर्ग की गेंद पर डीप मिडविकेट के ऊपर से एक बड़ा छक्का मारा और फिर उनकी गुगली को फिर उसी जगह भेजा।

एक ओवर में तीन छक्कों से पाकिस्तान का रन रेट बढ़ गया। सलमान ने बर्नार्ड शोल्ट्ज की गेंद पर एक और छक्का लगाया। हालांकि सलमान अगले ओवर में जैक ब्रसेल की गेंद पर गेरहार्ड इरास्मस के हाथों कैच आउट हो गए। नफे ज्यादा देर तक नहीं टिक सके और इरास्मस की गेंद पर उन्हें ही लपके गए। फरहान ने जिम्मेदारी से खेलते हुए नामीबिया के गेंदबाजों के खिलाफ दबदबा बनाते हुए रन जुटाना जारी रखा और अपना शतक पूरा किया। शादाब ने अंत में इरास्मस पर दो छक्के लगाकर पारी का समापन किया।

पाकिस्तान टीम पर भड़के बासित, सूर्यकुमार के राइवलरी नहीं होने वाले बयान को सही बताया

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने भारत के खिलाफ टी20 विश्वकप में खराब प्रदर्शन के लिए टीम को खरी खोटी सुनाई है। बासित अली ने कहा है कि जिस प्रकार से भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा था कि उनके बीच राइवलरी जैसी कोई बात ही नही। वह एक तरह से सही है क्योंकि पाक टीम भारत के सामने कहीं नहीं टिकती है। सूर्या ने एशिया कप के दौरान कहा था कि राइवलरी की बात तब आती है तब बराबरी पर मुकाबला हो पर हम तो हमेशा ही एकतरफा जीत रहे हैं। इसलिए ऐसी कोई बात नहीं है। वहीं अब विश्व कप का मुकाबला भी भारतीय टीम ने आसानी से जीता है। इसमें भी पाक टीम कहीं भी टक्कर देती नहीं दिखी। बासित के अनुसार भारतीय कप्तान ने जो भी कहा है वह सही है। टी20 विश्व कप में भारतीय ने पाकिस्तान को एकतरफा अंदाज में 61 रनों से शिकस्त देकर सुपर-8 में अफनी जगह पक्की कर ली थी। बासित ने कहा कि जिस प्रकार भारत ने पार्ट-टाइम गेंदबाज तिलक वर्मा और रिंकू सिंह को गेंदबाजी दी उससे समझा जा सकता है कि वह पाक टीम की बल्लेबाजी को कितना लचर मानते हैं।

भारतीय महिला फुटबॉल टीम का सामना ऑस्ट्रेलियाई क्लबों से होगा

पर्थ । भारतीय महिला नेशनल फुटबॉल टीम एएफसी महिला एशियन कप ऑस्ट्रेलिया 2026 की अपनी तैयारियों के तहत 19 और 23 फरवरी को ऑस्ट्रेलियाई क्लब टीमों पर्थ रेडस्टार एफसी और पर्थ अजुरी के खिलाफ दो फ्रेंडली मैच खेलेगी। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन की रिलीज के मुताबिक, ब्लू टाइग्रेसेस 11 फरवरी को तुर्किये में अपना ट्रेनिंग कैंप खत्म करने के बाद वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया पहुंचीं, जहां उन्होंने यूक्रेन, रूस, स्विट्जरलैंड, जर्मनी और रोमानिया की क्लब टीमों के खिलाफ छह फ्रेंडली मैच खेले। भारत ने तुर्किये में अपने एक्सपोजर टूर के दौरान तीन जीत, एक ड्रॉ और दो हार दर्ज कीं। पर्थ रेडस्टार एफसी के खिलाफ पहला मैच डालमटिनैक पार्क में भारतीय समयानुसार 14:30 पर खेला जाएगा जबकि पर्थ अजुरी के खिलाफ दूसरा मैच मैसेडोनिया पार्क में 16:00 पर खेला जाएगा। दोनों मैच दर्शकों के बिना खेले जाएंगे।

गंभीर को बड़ी जिम्मेदारी देना चाहता है रॉयल्स

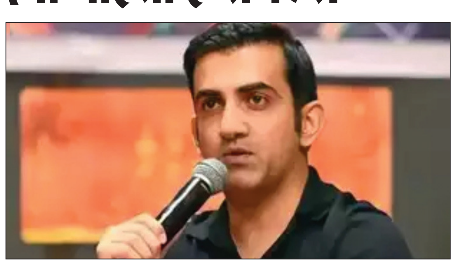

मुम्बई । आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स 2026 सत्र में गौतम गंभीर को बड़ी जिम्मेदारी देना चाहत है। एक रिपोर्ट के अनुसार गंभीर को रायल्स सीईओ, पार्टनर और मेंटॉर बनाना चाहती है पर गंभीर इससे स्कीकार करेंगे। इसकी संभावनाएं काफी कम हैं। गंभीर अभी भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच हैं और वे इसके लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। ऐसे में वह कोच पद छोड़ेंगे। इसकी उम्मीद नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार रॉयल्स का नया प्रबंधन गंभीर को अपने साथ जोड़ना चाहता है। इसका कारण है कि टीम का प्रदर्शन पिछले सत्र में अच्छा नहीं रहा है और प्रबंधन को उम्मीद है कि गंभीर उसमें बदलाव ला सकते हैं। उनके कोच रहते ही कोलकाता नाइट राइडर्स ने खिताब जीता था। रिपोर्ट के मुताबिक राजस्थान रॉयल्स के ज्यादातर शेयर धारक अपनी हिस्सेदारी नए मालिकान को बेच रहे हैं। डील हस्तांतरण के स्तर पर है। रिपोर्ट के मुताबिक फ्रेंचाइजी के 3 नए मालिकों में से एक ने गंभीर से संपर्क किया है। उन्हें फ्रेंचाइजी में हिस्सेदारी के साथ-साथ सीईओ और मेंटॉर बनाए जाने की पेशकश की गयी है। गंभीर को इस पेशकश को स्वीकार करने के लिए भारतीय टीम का कोच पद छोड़ना पड़ेगा। मुख्य कोच के तौर पर गंभीर का कार्यकाल 2027 के एकदिवसीय विश्वकप तक है। उनके कार्यकाल में टीम इंडिया का टेस्ट में प्रदर्शन औसत से भी नीचे रहा है। हालांकि वाइट बॉल क्रिकेट में टीम के प्रदर्शन में गिरावट नहीं आई है। टेस्ट में खराब प्रदर्शन के चलते अक्सर रेड बॉल क्रिकेट के लिए नए कोच की मांग उठती रही है। गौतम गंभीर ने जुलाई 2024 में टीम इंडिया के हेड कोच की जिम्मेदारी संभाली। उनके कार्यकाल में टीम अब तक 19 टेस्ट मैच में 7 में जीत हासिल की है और 10 में हार का सामना करना पड़ा। इसी दौरान न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका ने भारत में आकर टीम इंडिया का टेस्ट में क्लीन स्वीप किया।

टी20 विश्वकप 2026: टी20 विश्व कप में आज जिम्बाब्वे और श्रीलंका में होगा मुकाबला

कोलंबो (एजेंसी)। मेजबान श्रीलंकाई टीम का मुकाबला गुरुवार को यहां टी20 विश्व कप क्रिकेट के मैच में जिम्बाब्वे से होगा। दोनो ही टीमें पहले ही सुपर-8 में पहुंच गयी हैं। ऐसे में ये मुकाबला रोमांचक रहेगा। दोनो का लक्ष्य इस मैच को जीतकर ग्रुप बी में शीर्ष स्थान हासिल करना रहेगा। श्रीलंका ने यहां ओमान और आयरलैंड को हराया और फिर ऑस्ट्रेलिया को हराकर अपनी ताकत दिखायी है। वहीं जिम्बाब्वे ने बड़ा उलटफेर करते हुए ऑस्ट्रेलिया को हराया है। वहीं आयरलैंड के खिलाफ उसका मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया। जिससे उसे एक अंक मिला। इससे ऑस्ट्रेलिया की टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गया। श्रीलंकाई टीम सुपर 8 में पहुंचने के बाद भी जिम्बाब्वे के खिलाफ कोई गलती नहीं करना चाहेगी। वह अपनी जीत की लय को बनाए रखने और ग्रुप में नंबर पर रहने उतरेगी।

श्रीलंका को घरेलू हालातों का लाभ मिलेगा। सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका के फॉर्म में होने से भी श्रीलंका को लाभ होगा। निशांका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शतक लगाकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उनके अलावा कुसल मेंडिस ने भी पिछले मैच में अर्धशतक लगाया था और वह ये सिलसिला बनाये रखना चाहेंगे।

श्रीलंका की गेंदबाजी की कमान दाएं हाथ के तेज गेंदबाज दुशमंथा चमीरा के पास रहेगी। वहीं तेज गेंदबाज मथीसा पथिराना भी इस मैच में लय हासिल करना चाहेंगे। वह अपनी अलग गेंदबाजी शैली से काफी प्रभावी रहते हैं। स्पिनर के तौर पर टीम के पास दुशान हेमंथा जैसा लेग स्पिनर है। उनके अलावा महीश तीक्षाना जैसा गेंदबाज है।

वहीं जिम्बाब्वे की राह आसान नहीं है। श्रीलंका के घरेलू मैदान पर उसके लिए मेजबान गेंदबाजों का समाना करना कठिन रहेगा हालांकि ऑस्ट्रेलिया पर जीत के बाद से ही उसके खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ा हुआ है जिसका लाभ भी उसे मिलेगा। उसके सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट ने ऑस्ट्रेलिया और ओमान के खिलाफ क्रमशः 64 और 48 रन बनाये थे। इसके अलावा तादिवानाशे मारुमानी, रयान बर्ल और सिकंदर रजा भी फार्म में हैं। गेंदबाजी में उसके पास अनुभवी तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी के अलावा रिचर्ड नगारवा हैं।

टीम इस प्रकार हैं

श्रीलंका: दासुन शनाका (कप्तान), चरिथ असलांका, दुशमंथा चमीरा, दुशान हेमंथा, जेनिथ लियानगे, कामिंडु मेंडिस, कुसल मेंडिस (विकेटकीपर), कामिल मिशारा, पथुम निसांका, मथीशा पथिराना, कुसल परेरा, प्रमोद मदुशन, पवन रथनायके, महीश तीक्षाना, डुनिथ वेललागे।

जिम्बाब्वे: सिकंदर रजा (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रयान बर्ल, ग्रीम क्रेमर, बेन कुरेन, ब्रैड इवांस, क्लाइव मदांडे, टिनोटेंडा मापोसा, तदिवानाशे मारुमनी, वेलिंगटन मसाकाद्ज़ा, टोनी मुनयोंगा, ताशिंगा मुसेकिवा, ब्लेसिंग मुजाराबानी, डायोन मायर्स, रिचर्ड नगारवा।

विक्रम राठौर कोच बनने के बाद श्रीलंकाई बल्लेबाजी में आया बदलाव,

कोलंबो । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर ने जिस प्रकार श्रीलंकाई टीम की बल्लेबाजी को बेहतर बनाया है। उसके लिए उनकी जमकर तारीफ हो रही है। राठौर जब से टीम के बल्लेबाजी कोच बने हैं हालात बदले हैं। श्रीलंकाई बल्लेबाज पथुम निशंका ने जिस प्रकार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शतक लगाया है उससे ये बात साबित हुई है। उनके मार्गदर्शन में बल्लेबाज निडर होकर बल्लेबाजी कर रहे हैं और खेल के प्रति उनका रवैया भी बदल रहा है। श्रीलंकाई क्रिकेट ने अपने बल्लेबाजी क्रम में स्थिरता और आक्रामकता लाने के लिए ही राठौर को अपने साथ जोड़ा है। राठौर को श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने टी20 विश्व कप के लिए टीम को तैयार करने का काम दिया था। जिस तरह से श्रीलंका ने अभी तक विश्व कप में खेला है वो दिखाता है कि राठौर के आने के बाद टीम काफी बेहतर हुई है। निशंका की बल्लेबाजी में बदलाव का के पीछे भी राठौर की रणनीतियों को बताया गया है। निशंका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ केवल 52 गेंदों में ही 100 रन लगा दिया था। इस दौरान उन्होंने जमकर चौके और छक्के लगाये। राठौर ने निशंका को पारंपरिक खेल से हटकर नये शॉट्स खेलने के लिए प्रेरित किया जिससे की अधिक से अधिक रन बनें। इसका असर भी दिख रहा है। निशंका का टी20 विश्व कप 2026 में अब तक का स्ट्राइक रेट 192.3 रहा है, जो उनके पहले के आंकड़ों से काफी अच्छा है।.

टॉप सीड सेरुंडोलो रियो ओपन के आखिरी 16 में पहुंचे

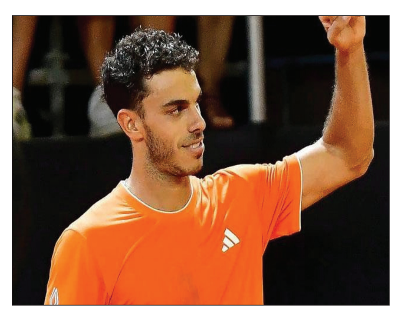

रियो डी जेनेरो । अर्जेंटीना के टॉप सीड फ्रांसिस्को सेरुंडोलो मंगलवार को अपने ही देश के मारियानो नवोन को 6-3, 6-4 से हराकर रियो ओपन के आखिरी 16 में पहुंच गए। वर्ल्ड नंबर 19 सेरुंडोलो ने पहले सर्व पर 72 परसेंट पॉइंट जीते और जॉकी क्लब ब्रासीलीरो के आउटडोर क्ले कोर्ट पर एक घंटे 32 मिनट में पांच में से चार ब्रेक पॉइंट बदलकर जीत हासिल की। नवोन ने अपने पहले सर्व पर 67 परसेंट पॉइंट जीते लेकिन 12 ब्रेक पॉइंट मौकों में से सिर्फ दो को ही बदल पाए। इस नतीजे का मतलब है कि सेरुंडोलो एटीपी 500 इवेंट के अगले राउंड में एक और अर्जेंटीना के थियागो टिरांटे से भिड़ेंगे। सेरुंडोलो के भाई, जुआन मैनुअल सेरुंडोलो ने भी इटली के दूसरे सीड लुसियानो डार्डी पर 6-1, 3-6, 6-4 से जीत हासिल की। वर्ल्ड नंबर 78 सेरुंडोलो ने आठ में से छह ब्रेक पॉइंट बचाए और नेट पर 13 में से नौ पॉइंट लेकर दो घंटे 17 मिनट में जीत हासिल की।

एफआईएच प्रो लीग में हार्दिक करेंगे भारतीय हॉकी टीम की कप्तानी

नई दिल्ली । भारतीय पुरुष हॉकी टीम 20 से 25 फरवरी तक ऑस्ट्रेलिया के होबार्ट में खेले जाने वाल एफआईएच प्रो लीग मैचों में अनुभवी मिडफील्डर हार्दिक सिंह की कप्तानी में उतरेगी। इससे पहले टीम के नियमित कप्तान और ड्रैग-फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह ने निजी कारणों से इस टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया था। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम का मुकाबला स्पेन और मेजबान ऑस्ट्रेलिया से होगा। इससे पहले भारतीय टीम को राउरकेला में हुए मुकाबलो में अपने सभी चार मैचों में हार मिली थी। भारतीय टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, ''राउरकेला में हमारा प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और परिणाम हमारे पक्ष में नहीं रहे पर हमने काफी कुछ सीखा है और खेल में सुधार किए हैं।'' नए कप्तान हार्दिक को दो बार के ओलंपिक खेलों का अनुभव है जिसका टीम को लाभ मिलेगा। टीम में अमनदीप लाकड़ा और मनमीत सिंह जैसे युवा खिलाड़ी भी शामिल हैं, जिन्होंने राउरकेला चरण के दौरान सीनियर टीम के लिए अपना पहला मैच खेला था। हॉकी इंडिया ने कहा कि हरमनप्रीत अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण टीम से बाहर हैं। वहीं स्ट्राइकर मनिंदर सिंह की भी टीम में वापसी हुई है। इस खिलाड़ी ने अंतिम बार साल 2023-24 में एफआईएच हॉकी प्रो लीग में भारत के लिए खेला था। एक अन्य फॉरवर्ड अंगद बीर सिंह की भी टीम में वापसी हुई है। कोच ने कहा, ''हमारी नजर बेहतर प्रदर्शन करने के साथ ही विश्व कप और एशियाई खेलों के लिए अपनी टीम को तैयार करने पर है।''

भारतीय टीम इस प्रकार है- गोलकीपर: सूरज करकेरा, मोहित होन्नेनाहल्ली शशिकुमार डिफेंडर: अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, संजय, सुमित, अमनदीप लाकड़ा, यशदीप सिवाच, पूवन्ना चंदूरा बॉबी। मिडफील्डर: राजिंदर सिंह, मनमीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, हार्दिक सिंह, मोइरंगथेम रबीचंद्र सिंह, विष्णु कांत सिंह, राज कुमार पाल। फॉरवर्ड: अभिषेक, शिलानंद लाकड़ा, मंदीप सिंह, अरिजीत सिंह हुंदल, आदित्य अर्जुन लालगे, अंगद बीर सिंह, मनिंदर सिंह।

ऑस्ट्रेलिया से दूसरे टी20 में भी जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

कैनबरा (एजेंसी)। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम गुरुवार को कैनबरा में दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में भी मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत का सिलसिला बरकरार रखने उतरेगी। भारतीय टीम ने बारिश की बाधा के बीच ही पहले मैच को डकवर्थ लुइस नियम से जीता था।

भारतीय टीम की ओर से पहले मैच में तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी ने चार विकेट लिए थे और वह ये प्रदर्शन बनाये रखना चाहेंगी। पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया की टीम 20 ओवर भी पूरे नहीं खेल पाई और केवल 133 रनों पर ही आउट हो गयी।

भारतीय टीम की ओर से इस मैच में केवल सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा को ही बल्लेबाजी का अवसर मिला।

अब दूसरे मैच में भी शेफाली और मंधाना पर रनों की जिम्मेदारी रहेगी। इसके अलावा कप्तान हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रोड्रिग्स की भी महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

इस साल इंग्लैंड में होने वाले महिला टी20 विश्व कप को देखते हुए भारत के लिए यह सीरीज काफी अहम है। तेज गेंदबाज रेणुका सिंह पर भी इस मैच में नजरें रहेंगी। वहीं कप्तान सोफी मोलिनी की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया भी वापसी के इरादे से उतरेगी। बराबर करने के लिए बेताब होगी। टीम को बेथ मूनी, फोएबे लिटफील्ड, एलिसे पेरी और एशले गार्डनर से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

ऑस्ट्रेलिया: सोफी मोलिनी (कप्तान), ताहलिया मैकग्रा, डार्सी ब्राउन, निकोला कैरी, किम गार्थ, ग्रेस हैरिस, फोबे लिट्चफील्ड, बेथ मूनी, एलिसे पेरी, मेगन शट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

भारत: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, भारती फुलमाली, क्रांति गौड़, ऋचा घोष (विकेटकीपर), गुनालान कमलिनी, अमनजोत कौर, श्रेयंका पाटिल, स्नेह राणा, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा।

सिद्धांत चतुर्वेदी ने 'दो दीवाने सहर में' के साथ शुरू किया अपना रोमांटिक हीरो का सफर

सिद्धांत चतुर्वेदी अपने सिनेमाई सफर के एक नए अध्याय में कदम रख रहे हैं, जहां वह पहली बार पूरी तरह से रोमांटिक हीरो की भूमिका निभाते नजर आनेवाले हैं। फिलहाल फिल्म 'दो दीवाने सहर में' के जरिए वह अपने अब तक के इंटेंस और लेयर्ड किरदारों से अलग, संवेदनशील, आकर्षक और भावनात्मक अंदाज में दिखाई देंगे। कई लोग इसे उनका 'लवर बॉय एरा' भी कह रहे हैं। संजय लीला भंसाली के प्रोडक्शन के बैनर तले बनी इस फिल्म के साथ सिद्धांत एक ऐसे सिनेमा जगत में प्रवेश कर रहे हैं, जहां उन्हें 'भंसाली हीरो' की पहचान मिल रही है। ये वो दुनिया है, जहां प्रेम काव्यात्मक होता है, भावनाएं गहरी होती हैं और कहानी कहने के कई अंदाज होते हैं। ये कहें तो गलत नहीं होगा कि भंसाली से जुड़ा प्रोजेक्ट अपने आप में एक विरासत और भव्यता का प्रतीक माना जाता है, और इस जोन में सिद्धांत का आना उनके करियर के विस्तार और विकास का संकेत देता है। गौरतलब है कि फिल्म में पहली बार उनकी जोड़ी मृणाल ठाकुर के साथ बनी है, जो फिल्म की ताजगी को और भी खास बनाती है। फिलहाल दोनों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को लेकर शुरुआती झलकियों ने ही दर्शकों में उत्सुकता बढ़ा दी है और सिद्धांत को रोमांटिक हीरो के तौर पर स्थापित कर दिया है। ऐसे में यह कहें तो गलत नहीं होगा कि 20 फरवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही फिल्म 'दो दीवाने सहर में' से भंसाली हीरो के तौर पर सिद्धांत चतुर्वेदी की जगह पूरी तरह से पक्की हो गई है।

क्या बॉन्ड गर्ल बनेंगी प्रियंका चोपड़ा?

फिल्म में कास्टिंग को लेकर दिया हिंट

प्रियंका चोपड़ा की जल्द ही एक हॉलीवुड फिल्म 'द ब्लफ' रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में वह जबरदस्त एक्शन कर रही हैं। फैंस उनके एक्शन के कायल हो गए हैं। इसी बीच प्रियंका चोपड़ा ने एक इंटरव्यू दिया है, जिसमें अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा की है। इसी दौरान उन्होंने 'बॉन्ड' सीरीज की अगली फिल्म को लेकर जिक्र किया। क्या वह सच में इसका हिस्सा हैं। जानिए, प्रियंका ने क्या कहा? और फैंस का इस बात पर क्या रिएक्शन रहा है?

'007 बॉन्ड' सीरीज पर प्रियंका चोपड़ा ने क्या कहा?

वैरायटी को दिए गए हालिया इंटरव्यू में करियर को लेकर प्रियंका चोपड़ा ने लंबी बातचीत की है। इस दौरान उन्होंने 007 बॉन्ड सीरीज की फिल्म को लेकर बड़ा हिंट दिया। वह कहती हैं, 'यह प्रोजेक्ट सच में ग्लोबल हो सकता है। मैं इस बात के लिए उत्साहित हूं कि मेकर्स कौन सा रास्ता चुनते हैं।' यह खबर सुनकर प्रियंका चोपड़ा के फैंस काफी खुश हैं। फैंस सोशल मीडिया पर प्रियंका चोपड़ा को बेस्ट बॉन्ड गर्ल बताने से भी परहेज नहीं कर रहे हैं।

प्रियंका चोपड़ा के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स क्या हैं?

प्रियंका चोपड़ा के करियर फ्रंट की बात करें तो वह हॉलीवुड फिल्म 'द ब्लफ' और राजामौली की पैन इंडिया फिल्म 'वाराणसी' का हिस्सा हैं। 'वाराणसी' फिल्म में प्रियंका चोपड़ा साउथ सुपरस्टार महेश बाबू के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म बड़े स्तर पर बन रही है। इस फिल्म की शूटिंग के लिए प्रियंका चोपड़ा लगातार भारत आ रही हैं। अब उनका नाम फिल्म '007 बॉन्ड' सीरीज को लेकर भी सामने आ रहा है। देखना होगा कि क्या सच में वह बॉन्ड गर्ल बनती हैं या नहीं।

डाकू में साथ दिखेंगे अदिवि शेष और पवन सिंह

पैन-इंडिया एक्शन फिल्म डाकू में अदिवि शेष और भोजपुरी इंडस्ट्री के मशहूर सिंगर पवन सिंह डांस करते नजर आएंगे। यह गाना तेलुगु, हिंदी और भोजपुरी सिनेमा की एक साथ झलक दिखाएगा। पवन सिंह ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, भाई भोजपुरी और तेलुगु जिंदाबाद। बता दें, मृणाल ठाकुर अपनी शूटिंग खत्म कर चुकी हैं और अदिवि शेष ने हाल ही में फिल्म की शूटिंग पूरी होने की जानकारी दी है। इसके बाद डाकू इस साल की सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाली एक्शन फिल्मों में शामिल हो गई है। अदिवि शेष के अलावा फिल्म में मृणाल ठाकुर मुख्य भूमिका में नजर आएंगी, जबकि अनुराग कश्यप एक अहम किरदार निभा रहे हैं। इस फिल्म का डायरेक्शन शनील देवो कर रहे हैं। डाकू को सुप्रिया यारलगड्डा ने प्रोड्यूस किया है। जबकि सुनील नारंग इसके को-प्रोड्यूसर हैं और फिल्म को अन्नपूर्णा स्टूडियोज प्रस्तुत कर रहा है। फिल्म की शूटिंग एक साथ हिंदी और तेलुगु में की गई है, जबकि इसकी कहानी और पटकथा अदिवि शेष और शनील देवो ने मिलकर लिखा है।

मैं किसी की भी एक्ट्रेस जैसी नहीं पहली तान्या मित्तल बनना चाहूंगी

तान्या मित्तल सोशल मीडिया पर और बिग बॉस 19 में अपने बड़बोलेपन को लेकर चर्चा में रही हैं। हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू में अपने करियर को लेकर बातें साझा कीं। साथ ही किसी भी एक्ट्रेस को फॉलो ना करने की बात भी कही। तान्या मित्तल की इस बात पर यूजर्स ने भी रिएक्शन दिए हैं।

तान्या मित्तल ने एक इंटरव्यू दिया। जिसमें वह कहती हैं, 'जब मैं बिग बॉस 19 से बाहर आई तो लोग सवाल करते थे कि आलिया भट्ट, करीना कपूर में से किसके जैसा बनना चाहोगी। तो मेरा जवाब होता था कि मैं किसी की जैसी नहीं बनना चाहूंगी। मैं पहली तान्या मित्तल बनना चाहूंगी।' तान्या के इस बयान पर कई यूजर्स ने उन्हें सपोर्ट किया। एक यूजर ने लिखा, 'तान्या क्वीन है।' एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, 'आप सबसे अच्छी है। हेटर्स को पता नहीं है कि उन सब की हेट से तान्या का फैनबेस और स्ट्रॉन्ग हो रहा है।' इसी तरह एक फैन ने कमेंट किया, 'आपको कोई और बनने की जरूरत नहीं है जैसा आपने कहा तान्या मित्तल बनो, हम आपको वैसे ही प्यार करते हैं, जैसी आप हैं।'

तान्या को मिला एकता कपूर से ऑफर

तान्या के करियर फ्रंट की बात करें तो बिग बॉस 19 से बाहर आने के बाद वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। ब्रान्ड प्रमोशन कर रही हैं। वहीं रियलिटी शो बिग बॉस 19 में प्रोड्यूसर एकता कपूर ने भी तान्या को एक प्रोजेक्ट ऑफर किया था। जल्द ही वह उस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन सकती हैं।

विशाल जेठवा ने जताई 'मर्दानी 4' में विलेन बनने की इच्छा

विशाल जेठवा ने 'होमबाउंड' और 'मर्दानी 2' में शानदार अभिनय किया था। उनकी फिल्म 'होमबाउंड' तो ऑस्कर 2026 में बेस्ट इंटरनेशनल फीचर फिल्म कैटिगरी में भी शॉर्टलिस्ट की गई थी। इस फिल्म में भी विशाल की एक्टिंग को फैंस ने काफी सराहा था। वहीं उन्होंने 'मर्दानी 2' में विलेन का रोल निभाया था। अब एक बार फिर विशाल विलेन का रोल निभाना चाहते हैं।

विशाल ने की रानी मुखर्जी की तारीफ

हाल ही में विशाल जेठवा 'मर्दानी 3' की स्पेशल स्क्रीनिंग में रानी मुखर्जी से दोबारा मिले। 'मर्दानी 3' में रानी की एक्टिंग की तारीफ करते हुए विशाल ने कहा, 'मर्दानी 2' फिल्म मेरे लिए हमेशा बहुत खास रहेगी और रानी मैम भी। उनके साथ काम करना मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा सीखने वाला अनुभव रहा है। वह ईमानदारी, मजबूती और बेहद सादगी के साथ लीड करती हैं। स्क्रीनिंग के दौरान उनसे मिलकर पुरानी यादें ताजा हो गईं। मुझे 'मर्दानी 2' का हिस्सा बनने पर बहुत गर्व महसूस होता है।' 'मर्दानी' फ्रेंचाइज और रानी की तारीफ करते हुए विशाल ने आगे कहा कि 'मर्दानी' और रानी मुखर्जी एक-दूसरे से अलग नहीं हैं। शिवानी शिवाजी रॉय के किरदार को रानी मैम से बेहतर कोई निभा ही नहीं सकता था। मैंने 'मर्दानी 3' देखी और एक बार फिर उन्होंने साबित कर दिया कि वे रानी मुखर्जी क्यों हैं। मैं चाहता हूं कि 'मर्दानी 4' में मैं विलेन बनकर वापसी करूं।'

शिवानी शिवाजी रॉय के किरदार में वापस आई रानी

अभिराज मीनावाला द्वारा निर्देशित 'मर्दानी 3' मर्दानी फ्रैंचाइज की तीसरी फिल्म है। इस फिल्म में जानकी बोडीवाला और मल्लिका प्रसाद भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म में रानी मुखर्जी एक बार फिर शिवानी शिवाजी रॉय के किरदार में नजर आई हैं। मल्लिका प्रसाद फिल्म में अम्मा के किरदार में नजर आई हैं। फिल्म लड़कियों की तस्करी जैसे गंभीर मुद्दे पर आधारित है।

संघर्ष और सफलता दोनों का अपना मजा

'लैला मजनू' जैसी जुनूनी प्रेम कहानी वाली फिल्म से अपना एक्टिंग करियर शुरू करने वाली तृप्ति डिमरी इन दिनों एक और इंटेंस लव स्टोरी 'ओ रोमियो' को लेकर सुर्खियों में हैं। तृप्ति इससे पहले गहरे इश्क वाली फिल्म 'धड़क 2' भी कर चुकी हैं, पर असल जिंदगी में वह जुनूनी नहीं, सच्चे प्यार में यकीन करती हैं। तृप्ति का कहना है, 'प्यार को लेकर हर किसी का अलग नजरिया होता है। हर कोई उसे अपने हिसाब से देखता है, लेकिन मैं बस सच्चे प्यार में यकीन करती हूं। जुनूनी- वुनूनी प्यार मुझे समझ में नहीं आता, पर सच्चे प्यार पर मुझे पूरा भरोसा है।'

अपने करियर के शुरुआती दौर में तृप्ति ने तीन साल में तीन फिल्में की थीं, जबकि 'एनिमल' की सफलता के बाद उनके पास फिल्मों की झड़ी लगी हुई है। अकेले साल 2024 में वह 'बैड न्यूज', 'विकी विद्या का वो वाला विडियो' और 'भूल भुलैया 3' में नजर आईं। जबकि आने वाले दिनों में भी वह 'ओ रोमियो' के अलावा, 'स्पिरिट' और 'मां बहन' जैसी बड़ी फिल्मों में दिखेंगी। रिजेक्शन और इंतजार के लंबे दौर के बाद अब हर चौथी-पांचवीं फिल्म का ऑफर मिलने वाली इस सफलता के बारे में तृप्ति कहती हैं, 'मेरे लिए तो यह बहुत खुशी की बात है कि हर चौथी या पांचवीं फिल्म मेरे पास आ रही है। मैं तो चाहती हूं कि हर दूसरी फिल्म मेरे पास आए, क्योंकि मैंने काफी लंबा गैप भी देखा है।'

पैरेंट्स को लगता था, पढ़ाई से बचने के लिए एक्टर बनना चाहती हैं तृप्ति डिमरी

तृप्ति डिमरी ने जब एक्टिंग में करियर बनाने का तय किया था, तब उनके पैरंट्स काफी डरे हुए थे। वह उनके फैसले से ज्यादा खुश नहीं थे, लेकिन अब उनकी कामयाबी देखकर वे फूले नहीं समाते। उनकी सोच में आए बदलाव पर तृप्ति कहती हैं, 'निश्चित तौर पर अब वे बहुत खुश हैं और गर्व महसूस करते हैं। हालांकि, शुरुआत में भी उनकी जो सोच थी, जो डर था, उसके लिए मैं उन्हें गलत नहीं मानती, क्योंकि उनके लिए मुंबई एक बिल्कुल नया शहर था। वे किसी को जानते नहीं थे। ऐसे में, अपने बच्चे को यहां भेजना हर माता-पिता के लिए मुश्किल फैसला होता है। फिर, उनको यह भी नहीं पता था कि मुझे एक्टिंग से इतना प्यार है। उन्हें लगता था कि इसको पढ़ाई नहीं करनी है, इसलिए एक्टिंग में जाना चाहती है (हंसती हैं)। लेकिन अब उन्हें बहुत गर्व होता है। कई बार वे मेरे इंटरव्यू चला देते हैं, जिस पर मैं झेंप जाती हूं, मगर वे बहुत ही ज्यादा खुश हैं और मैं खुश हूं कि वे खुश हैं।'

गहरे समंदर में छोड़ देते हैं विशाल सर

फिल्म 'ओ रोमियो' में तृप्ति डिमरी का किरदार काफी इंटेंस और लेयर वाला है। इसकी तैयारी के बारे में वह बताती है, 'इस किरदार को समझने में मुझे विशाल सर (डायरेक्टर विशाल भारद्वाज) से बहुत मदद मिली। हर फिल्म, हर किरदार के साथ हमारी एक जर्नी होती है, जहां उनको समझने के लिए आपको वक्त देना पड़ता है। कम से कम मेरा प्रॉसेस ऐसा है कि मैं जानना चाहती हूं कि वो किरदार कैसे सोचता है? अलग-अलग लोगों के साथ उसका बर्ताव कैसा है? उसके लिए मैंने अतुल मोंगिया सर के साथ काफी वर्कशॉप की। मेरे किरदार अफशां की चुनौतियां, परिस्थितियां आदि समझने की कोशिश की। उससे काफी कुछ सीखने को मिला। अगर मैं वो नहीं करती तो पहले दिन बहुत नर्वस होती। उसके अलावा, विशाल सर के साथ काम करना अपने में एक्टिंग वर्कशॉप है। वह कई बार आपको गहरे समंदर में छोड़ देते हैं। आपको लगेगा कि आपको सीन का सुर पता है पर फिर आपको पता चलेगा कि नहीं, यह तो कुछ अलग है।'

संघर्ष के कारण सफलता की कीमत समझती हैं तृप्ति

तृप्ति आगे कहती हैं, 'मैं काफी पहले से एक्टर बनने की कोशिश कर रही थी, मगर जब मुझे मौका मिला तो अच्छे लोगों के साथ काम करने का मौका मिला। हालांकि, मैंने तब भी कभी ऐसा नहीं सोचा कि मैं असफल हूं। मैं तब भी बहुत खुश थी, जब ऑडिशन के लिए जाती थी। उसका अलग मजा था। आज जो चल रहा है, उसका अलग मजा है। सच कहूं तो अगर मैंने वो दिन नहीं देखे होते तो शायद मैं अपने करियर को उतना वैल्यू नहीं करती, जितना आज करती हूं।'

दुल्हन बनने जा रही हैं तो शादी के लिए खरीदें इस तरह के डिजाइनर लहंगे

हर लड़की अपनी शादी के बड़े-बड़े सपने संजोती है कि वह सबसे फैसनेबल और स्टाइलिश दिखे।पर आजकल बाजार में हर चीज के दाम इतने ज्यादा बढ़ गए है कि हर किसी के लिए शादी के सामान की अच्छी चीज को खरीदना मुश्किल हो गया है। ऐसे में अगर कपड़ो की बात की जाए तो कपडो पर की गई कढाई कपड़ो को दाम बढा देती है। इसलिए आज हम आपको बताएंगे कि आप आपने हर फंक्शन के लिए किस तरह की पोशाक को कम दाम में खरीदे।

1. म्यूजिकल नाइट के लिए लहंगा

अगर आप अपनी म्यूजिकल नाइट में सबसे खूह सूरत दिखना चाहती है तो सुनहरे व नीले रंग का सुंदर लहंगा ही पहने। नीले रंग के इस डिजाइनर लहंगे पर तीनों रंगों का बहुत ही खूबसूरती से इस्तेमाल किया गया है। इस पर लगाया गया गुलाबी व सुनहरे रंग का फीता और चोली पर सुनहरे रंग का साथ की गई कढ़ाई व नटे का दुपट्टा किसी भी रंग की लड़की को सुंदर बना सकते हैं। 2.

कॉकटेल पार्टी के लिए लहंगा

कॉकटेल पार्टी में तैयार होने के लिए आप नीला व सफेद लहंगा पहने। ऐसे लहंगे पर उम्र व फिगर वाली लड़की पर अच्छा लगता है। लहंगे व चोली पर बनाया गया फूलों का जटिल डिजाइन बहुत साफ होने के कारण आपको शाही रूप प्रदान करता हैं।

3. शादी वाले दिन लहंगा

शादी वाले दिन आप पारंपरिक लहंगे के हिसाब से लाल कुर्ती के साथ बेज रंग का लहंगा पहने। लाल रंग की कुर्ती पर की गई सुनहरे रंगी की कढाई रंगों के मिलाप को दिखाती है। इसलिए कुर्ती के साथ पहने गए बेज रंग के लहंगे पर सुनहरे रंगा का गोटा लगा हुआ लहंगा ही पहने।

4. रिसेप्शन के लिए लहंगा

अगर आप अपने रिसेप्शन पर धातुए रंग की कुर्ती के साथ काले रंग का लहंगा पहनेगे तो बहुत ही अच्छे लगेंगे। ऐसे लहंगे में आपकी तस्वीरें बहुत ही सुंदर आएगी। ऐसे फोटोजेनिक काम के लिए लहंगा एकदम सही है। ब्लाउज का हाई नेक व चोली के सामने लगाए गए बटन आपको एक इंडो-वेस्टरन लूक देगा और आप स्टाइलिश दिखेगी। इसके साथ दुपट्टा नहीं होता है।

बजट मे रहकर खरीदें ये स्टाइलिश बैल्ट

बैल्टस को हर लड़का अपनी पैंट के साथ तथा महिलाएं अपनी स्कर्ट के साथ पहनती हैं। यह देखने में बहुत छोटी होती हैं, पर कुछ बैल्ट का दाम किसी पोशाक के मुकाबले कम नही होता। आजकल बाजार में बहुत सी स्टाइलिश बैल्ट देखने को मिलती है। इनमें से कुछ बैल्ट कपड़े की बनी होती है और कुछ चमड़े की। आज हम आपको कम बजट वाली स्टाइलिश बैल्ट के बारे में बताएगें।

1. चमडे की बैल्ट

अगर आप फॉर्मल लुक पाना चाहते हैं तो काले या भूरे रंग में चमडे की बैल्ट पहने। चमड़े की बैल्ट को बहुत ही संभाल कर रखना पड़ता है। आप इसे फॉर्मल पैंट या जीन्स के साथ पहन सकते है।

2. ब्रांडेड बैल्ट

यदि आप किसी को अपनी तरफ आकर्षित करना चाहते हैं तो ब्रांडेड बैल्ट जरूर पहने। आप इसे किसी भी सिंपल पैंट, पतलून के साथ पहन सकते है। 3. नियॉन बैल्ट

नियॉन बैल्ट रंग-बिरंगी होती है। इसे ज्यादातक स्टाइलिश लूक और फैशन स्टेटमेंट बनाने के लिए पहना जाता है। इन बैल्टस को पुरुषों व महिलाएं दोनों ही पहन सकती है।

4. टेक्स्चर्ड बैल्ट

आजकल बाजार में चमड़े और कपडे दोनों तरह की टेक्स्चर्ड बैल्ट आती है। पर इनमें से कपड़े की बैल्ट ज्यादा अच्छी होती है। इस बैल्ट की खासियत है कि इसकी पकड़ काफी आरामदायक होती है।

5. ट्रैवल बैल्ट

अगर आप ज्यादातर टुर पर जाते हैं तो आपको ट्रैवल बेल्ट पहन कर जाता चाहिए। ट्रैवल बेल्ट में 3-4 पाकिट होती हैं, जिसमें आप अपने पैसे, कार्ड, जरूरी दस्तावेज आदि संभाल सकते है। इसलिए ट्रेकिंग या छुट्टियों पर जाते समय इसे जरूर पहने।

रस्म के हिसाब से दुल्हन चुने कुछ इस तरह के बैग

शादी के बाद नई नवेली दुल्हन सभी के आकर्षण का केंद्र होती है। कपडों, गहनों से लेकर पर्स तक सभी चीजें उसकी खूबसूरती में चार-चांद लगा देते है। ऐसे में अगर पर्स डिजाइनर हो और अपनी साडी या लहंगेसे मैच करता हो तो बात ही क्या। दुल्हन को चाहिए की वह रस्मों के हिसाब से ही अपनी ड्रेस का चुनाव करे और ड्रेस के साथ मैच करता डिजाइनर पर्स लें। जो आपको खूबसूरत दिखने के साथ-साथ ग्लैमरस लुक भी दे।

1. सगाई की रस्म के समय क्लच बैग

अगर आप अपनी सगाई की रस्म में भारी साडी या लहंगा पहनने की सोच रहे है तो इसके साथ मैच करता हुआ बैग ही चुनें। सगाई की रस्म के समय आपको कल्च बैग को हाथ में पकड़ना बहुत ही आसान होगा। इसे आप कलाई पर लटका सकते है या फिर हाथ में पकड़ सकते है। 2. कॉकटेल पार्टी के लिए इंडो-वेस्टर्न लुक का बैग

अगर आप अपनी कॉकटेल पार्टी में ग्लैमरस दिखना चाहती है तो लिपटी शिफॉन की ब्लैक या लाल रंग की डिजाइनर चोली वाली साडी के साथ इंडो-वेस्टर्न लुक का बैग लें। यह आप पर बहुत ही अच्छा लगेगा।

3. शादी वाले दिन के लिए बटुआ या फिर पोटालीनुमा पर्स

आप अपनी शादी के दिन लहंगे के साथ बटुआ या फिर पोटालीनुमा पर्स का इस्तेमाल कर सकती है। इसे पकडना आपको बहुत ही आसान होगा और आप लहंगे के साथ टक कर सकती है।

4. रिसेप्शन पार्टी की शाम के लिए बैग

रिसेप्शन पार्टी के लिए आप जरदोजी या बीड्स लिए टोट बैग ही लें। इसे लेने से आप पार्टी में थोडे गलैमरस लगेगे। इस तरह के बैगस को आप साड़ी के साथ भी ले सकते है।

खूबसूरत और फ्रेश त्वचा पाने के लिए चेहरे पर लगाएं आइस क्यूब्स

आज कल हर लड़की चाहती है कि उसकी त्वचा खूबसूरत, चमकीली और मुलायम बनी रहे। ऐसे में वह अपनी त्वचा को और खूबसूरत बनाने के लिए वह तरह-तरह के प्रोडक्ट मार्किट

से ला कर इस्तेमाल करती है। पर आज हम आपको बताएगें कि आप घर पर ही आइस क्यूब्स से आप अपनी त्वचा को फ्रेश और ब्यूटीफुल बना सकती है। जाने कैसे...

1. चमकीली और स्वस्थ त्वचा

हर लड़की जवां और खूबसूरत दिखना चाहती है। ऐसे में आज हम आपको बताएंगे कि अगर आप सुंदर, चमकीली और स्वस्थ त्वचा पाना चाहती है तो आइस क्यूब्स को हर रोज चाहरे पर लगाएं ।

2. आंखों की थकान मिटाने के लिए

आजकल काम का बोझ इतना ज्यादा बढ़ गया है कि काम करने के दौरान हमारी आंखे थक जाती है और समय से पहले ही आंखो पर झुर्रियां पड़ जाती है। ऐसे में आंखों की थकान और झुर्रियों की समस्या को दूर तरने के लिए कॉटन के कपडे में बर्फ के कुछ टुकडे लेकर आंखों के आसपास धीरे-धीरे से घुमाएं।

3. मेकअप करने से पहले

मेकअप को ज्यादा समय तक टिकाए रखने के लिए मेकअप करने से पहले बर्फ के कुछ टुकडें लेकर कपड़े में बांधकर चेहरे पर लगाएं। ऐसा करने से आपको फ्रेशनेस का एहसास होगा।

4. स्किन टैन या त्वचा में जलन

आगर आपकी स्किन तेज धूप के कारण टैन हो गई हो या फिर जल गई हो तो ऐसे में जलन वाली जगह पर बर्फ लगाएं। बर्फ लगाने से आपको कूलिंग का एहसास होगा और टैनिंग से भी मुक्ति मिलेगी।

5. आईब्रोज करवाने के बाद होने वाली जलन

अक्सर देखा जाता है कि लड़कियां जब भी आईब्रो करवाती है तो बाद में उनहें जलन या रेडनेस होने लगती है। ऐसे में जलन और रेडनेस को कम करने के लिए आंखों के आसपास आइस क्यब्स घमाएं।

ट्रेगिंग्स को ट्राई करने के बाद में आप लेगिंग-जेगिंग पहनना भूल जाएगे

आजकल फैसन में ट्रेगिंग्स को बहुत ही पंसद किया जा रहा है। इसे लडकियां फॉर्मल अकेजन में पहनती है। लेगिंग्स के इस बदले ट्राउजर को आप किसी भी इवनिंग आउटिंग, फॉर्मल ब्रंच या रिलेक्स टाइम में पहन सकती हैं। बाजार में इसके बहुत से रंग मिलते है। तो आइए जानते है इन ट्रेगिंग्स के बारे में।

1. ट्राउज़र और लेगिंग से बना ट्रेगिंग्स

ट्राउज़र और लेगिंग से बनाया गया ट्रेगिंग्स उन लोगों के लिए एक परफेक्ट ऑप्शन है, जो फैशनेबल लुक वाला आरामदायक लोअर्स पहनना पसंद करते हैं। इसे पहनकर आपको चलने-फिरने में कोई असहजता महसूस नहीं होती ।

2. ट्रेगिंग्स जेगिंग

आजकल मार्केट में ट्रेगिंग्स जेगिंग बहुत ही किफायती दामों पर मिल जाती है। ट्रेगिंग्स को आप शॉर्ट कुर्ती और स्टोल के साथ पहन सकतीं हैं। इतना ही नहीं इन्हें आप किसी भी अवसर पर पहन सकती हैं। 3. ट्रेगिंग्स को लंबे टॉप्स के साथ पहने अगर आप अपने थाइज़ को लेकर थोड़ा असहज महसूस करती हैं, तो आप ट्रेगिंग्स को लंबे टॉप्स के साथ पहने ट्रेगिंग्स की फिटेड लुक को बरकरार रखने के लिए, अपने आउटफिट में थोड़ी फ्लूइडटी दें या फिर इसके साथ फ्लोई टॉप्स और जैकेट पहनें।